राष्ट्रीय दैनिक

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

प्रातःकिरण

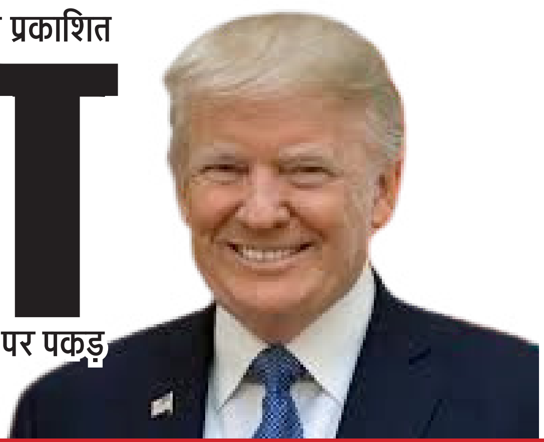

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 गाय की कंव्द्धबार्नी के खिलाफ बोल कर दिखाए कांग्रेस, आवाज.....

वे नाराज हो सकते हैं... ट्रंप का फोन उठाने के लिए बीच कार्यक्रम............ 12

वर्ष : 13 | अंक : 85 | पटना, शनिवार, 05 जुलाई, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

जल्द ही हम दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में हो जाएंगे शामिल : मोदी

प्रात : किरण

पोर्ट ऑफ स्पेन/नई दिल्ली\एजेंसी। त्रिनिदाद और टोबैगो के दौरे पर गए पीएम नरेंद्र मोदी ने पोर्ट ऑफ स्पेन में प्रवासी भारतीयों के लिए बड़ा एलान किया। पीएम मोदी ने कहा कि त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय मूल के छठी पीढ़ी के नागरिकों को अब ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया कार्ड मिलेगा। यह कार्ड मिल जाने के बाद प्रवासी भारतीय बिना किसी प्रतिबंध के भारत में रह सकेंगे और काम कर सकेंगे। पीएम मोदी ने पोर्ट ऑफ स्पेन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय प्रवासियों की छठी पीढ़ी को ओसीआई कार्ड दिए जाएंगे। हम सिर्फ खून या उपनाम से नहीं जुड़े हैं। अपनेपन से जुड़े हैं। भारत आपका स्वागत करता है और आपको गले लगाता है। उन्होंने कहा कि मैं आप सभी को व्यक्तिगत रूप से भारत आने के लिए प्रोत्साहित करता हूं, न कि केवल सोशल मीडिया के माध्यम से वर्चुअल रूप से। आप अपने पूर्वजों के गांवों का दौरा करें। जिस मिट्टी पर वे चले थे, उस पर चलें। अपने बच्चों और पड़ोसियों को साथ लाएं। किसी को भी साथ लाएं जो चाय और एक अच्छी कहानी का आनंद लेना पसंद करता हो। हम आप सभी का खुले दिल, गर्मजोशी और जलेबी के साथ स्वागत करेंगे।

पीएम मोदी ने त्रिनदाद और टोबैगो को भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस सिस्टम को अपनाने वाले क्षेत्र के पहले देश बनने के लिए भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैं त्रिनिदाद और टोबैगो को वढक को अपनाने वाले क्षेत्र के पहले देश बनने के लिए बधाई देता हूं। अब पैसे भेजना गुड मॉर्निंग टेक्स्ट मैसेज भेजने जितना आसान होगा। मैं वादा करता हूं कि यह वेस्टइंडीज की गेंदबाजी से भी तेज होगा।

प्रधानमंत्री को ट्रिनिडाड एंड टोबैगो का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान करने की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ट्रिनिडाड एंड टोबैगो सरकार ने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ ट्रिनिडाड एंड टोबैगो देने की घोषणा की। यह घोषणा वहां की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर ने भारतीय प्रवासी समुदाय के बीच आयोजित एक बड़े स्वागत समारोह में की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की ऐतिहासिक यात्रा और दोनों देशों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने में उनकी भूमिका की सराहना की।

भारत बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था

भारत के तेजी से विकास पर प्रकाश डालते हुए पीएम मोदी ने कहा कि देश सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। लाखों लोगों को गरीबी से सफलतापूर्वक बाहर निकाला है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। जल्द ही हम दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत की वृद्धि और प्रगति का लाभ सबसे जरूरतमंदों तक पहुंच रहा है। भारत ने साबित कर दिया है कि हम गरीबों को सशक्त बनाकर गरीबी को हरा सकते हैं। विश्व बैंक ने उल्लेख किया है कि भारत ने पिछले दशक में 250 मिलियन से अधिक लोगों को अत्यधिक गरीबी से ऊपर उठाया है। भारत की वृद्धि हमारे नवोन्मेषी और ऊजार्वान युवाओं द्वारा संचालित की जा रही।

संक्षिप्त खबरें

नीट-यूजी के परिणाम को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नीट-यूजी 2025 की अंतिम उत्तर कुंजी और परिणाम को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि हम परीक्षा के मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और आर. महादेवन की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि हमने दो दिन पहले भी इसी तरह की मांग वाली याचिका खारिज की है, ऐसे में इस याचिका पर विचार करने का कोई औचित्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में उत्तर कुंजी और परिणाम को चुनौती देते हुए आरोप लगाया था कि परीक्षा के सवाल संख्या-136 (कोड-47) के उत्तर में गलती थी। पीठ याचिकाकर्ता शिवम गांधी रैना की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता आर. बालासुब्रमण्यम से कहा कि हम परीक्षा मामले में हस्तक्षेप नहीं करने जा रहे हैं। आप सैद्धांतिक रूप से सही हो सकते हैं कि एक सवाल के कई सही उत्तर हो सकते हैं। इसके बावजूद, हम इस स्तर पर अखिल भारतीय परीक्षा में हस्तक्षेप करने से परहेज करेंगे। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने पीठ से कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने नीट-यूजी 2024 में हस्तक्षेप किया था और आईआईटी-दिल्ली द्वारा दी गई विशेषज्ञ रिपोर्ट के आधार पर गलतियों को सुधारने का आदेश दिया था।

मुख्यमंत्री ने बापू टावर में नवनिर्मित प्रशासनिक कार्यालय का किया उद्घाटन

बापू टावर में बापू की जीवनी और उनके विचारों को जानने में होगी सहूलियत : नीतीश

● मुख्यमंत्री ने बापू टावर का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गर्दनीबाग स्थित बापू टावर के छठे तल पर नवनिर्मित प्रशासनिक कार्यालय का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने बापू टावर का निरीक्षण किया और इस दौरान वहां की व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने बापू टावर के भूतल तल पर बनाये गये ओरियेंटेशन हॉल को भी देखा। मुख्यमंत्री ने बापू टावर के भूतल, तीसरा तल एवं पांचवें तल पर जाकर विभिन्न दीघाओं में प्रदर्शों का अवलोकन किया। नवनिर्मित बापू टावर के विभिन्न तलों एवं निर्मित 5 रैम्पों के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री को भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने गांधी जी के जीवन से संबंधित सभी जानकारियां, म्यूरल, कटआउट, स्क्रीन प्रोजेक्टर आदि के माध्यम से प्रदर्शों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान प्रेक्षागृह, प्रतीक्षा कक्ष, लाउंज, बापू के आदर्शों को आमजन में स्थापित करने हेतु कार्यों के प्रदर्शन के लिये दीर्घा, अनुसंधान केन्द्र, आगंतुक सुविधायें एवं अन्य संरचनाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बापू टावर के प्रदर्शों का अवलोकन करते हुये कहा कि बापू टावर बहुत ही भव्य बना है, यह लोगों के लिये दर्शनीय है। बापू टावर में आकर बापू की जीवनी, उनके विचारों और उनके आदर्शों को नई पीढ़ी को जानने और समझने में सहूलियत होगी। यहां बापू के जीवन से जुड़ी ऐतिहासिक घटनायें, गांधी जी के विचार, स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका, बिहार से उनके लगाव तथा बापू के आदर्शों को बेहतर ढंग से रेखांकित कर प्रदर्शित किया गया है ताकि आमजन यहां आकर उसे देख और समझ सकें। इस परिसर को हरा-भरा और व्यवस्थित बनाया गया है। इसको इसी तरह मेंटेन रखें। मुख्यमंत्री ने बापू टावर के भ्रमण पर आये स्कूली बच्चों से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्द्धन किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि आप सब बापू टावर को देखिये, यह बहुत अच्छा बना है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवनी से जुड़े कार्यों और गतिविधियों को देखिये और समझिये। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव सह भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि, पटना के जिलाधिकारी डॉ त्यागराजन एसएम, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं स्कूली बच्चे उपस्थित थे।

कैथी लिपि के अभिलेखों का देवनागरी में होगा अनुवाद

बिहार सरकार और भाषिणी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

प्रात : किरण

पटना। भूमि सर्वेक्षण सहित राजस्व संबंधी अन्य कार्यों को सुचारू बनाने की दिशा में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में विभाग द्वारा बिहार की समृद्ध विरासत को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए एक ऐतिहासिक पहल की गई है। बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इसके तहत एआई के माध्यम से कैथी लिपि में लिखे गए पुराने अभिलेखों का देवनागरी में अनुवाद किया जाएगा। यह एमओयू डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के सीईओ अमिताभ नाग और राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह की ओर से हस्ताक्षरित किया गया।

सभी विभागों के लिए एक अच्छा कदम साबित होगा

मुख्य सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने कहा कि ये बेहद ही सराहनीय शुरूआत है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने अपने विभाग की समस्या को ध्यान में रखते हुए इस पर बड़ी पहल की है। ये भविष्य में सभी विभागों के लिए एक अच्छा कदम साबित होगा। सभी विभाग भाषिणी के माध्यम से कनेक्ट हो सकेंगे। इसके साथ ही शिक्षा, समाज कल्याण, पर्यटन विभाग को इस सुविधा का इस्तेमाल कर लाभान्वित होने का पूरा मौका है। मुख्य सचिव ने कहा कि भाषिणी के साथ सहयोग बिहार सरकार के कई विभागों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। प्रशासनिक एवं अन्य समस्याओं के लिए तकनीकी समाधान निकाले जा सकते हैं। कैथी लिपि में बहुत सारे रिकॉर्ड्स हैं, जिसे पढ़ने के लिए काफी मुश्किलातों का सामना करना पड़ता है। रिटायर्ड कर्मियों पर विभागों की आज भी निर्भरता रहती है लेकिन आशा है कि इस तकनीक के माध्यम से अब ये खत्म होगी और लोगों की क्षमता विकसित हो सकेगी। इसके साथ ही उन्होंने पाली के स्क्रिप्ट को हिन्दी और अंग्रेजी में रुपांतरित करने पर भी जोर दिया। साथ ही बिहार स्पेसिफिक हैकथॉन लॉन्च कराने का भी निर्देश दिया।

यह पहल विशेष सर्वेक्षण की वर्तमान प्रक्रिया में भी सहायक होगी

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि यह पहल विशेष सर्वेक्षण की वर्तमान प्रक्रिया में भी सहायक होगी क्योंकि अधिकतर पुराने कैडस्ट्रल एवं पुनरीक्षण सर्वे अभिलेख कैथी लिपि में हैं, जिन्हें पढ़ने में काफी कठिनाई हो रही है। वहीं, डिजिटल इंडिया भाषिणी डिवीजन के सीईओ अमिताभ नाग ने कहा कि भाषा किसी भी चीज में बाधा न रहे, इस पर जोर दिया जा रहा है। सभी को अपनी भाषा में लिखना-पढ़ना और बोलना आना चाहिए। यह पहल न केवल ऐतिहासिक ज्ञान को बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण है बल्कि इसे आधुनिक तकनीक के माध्यम से अधिक सुलभ भी बनाएगी। बिहार का नेतृत्व प्रशंसनीय है। एमओयू कार्यक्रम में सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव बी. राजेंदर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अपर मुख्य सचिव हरजोत कौर बम्हरा समेत सभी विभागों के एसीएस/पीएस/सचिव सहित राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

ऑपरेशन सिंदूर स्वराज की रक्षा का बेहतरीन उदाहरण : शाह

प्रात : किरण

पुणे\एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत के सशस्त्र बल एवं नेतृत्व देश की संप्रभुता या स्वराज की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह बहुत अच्छे तरीके से प्रदर्शित हुआ। शाह ने घोड़े पर सवार मराठा सेनापति एवं पेशवा बाजीराव प्रथम की प्रतिमा के यहां राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में अनावरण के बाद कहा कि जब भी वह नकारात्मक विचारों से ग्रस्त होते हैं तो वह छत्रपति शिवाजी महाराज और बाजीराव के बारे में सोचते हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए उनके स्मारक के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है क्योंकि यह वह अकादमी है जहां सैन्य नेतृत्व को प्रशिक्षित किया जाता है। शाह ने कहा, जब भी मेरे मन में नकारात्मक विचार आते हैं, तो मैं आमतौर पर बाल शिवाजी और पेशवा बाजीराव के बारे में सोचता हूं कि वे प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच स्वराज स्थापित करने में सक्षम रहे। शाह ने कहा कि स्वराज की रक्षा करने की जिम्मेदारी अब 140 करोड़ भारतीयों पर है। उन्होंने कहा, जब स्वराज की स्थापना के लिए लड़ाई लड़ने का समय आया तो हमने ऐसा किया। जब स्वराज की रक्षा के लिए लड़ाई की आवश्यकता होगी तो हमारी सेना एवं नेतृत्व निश्चित रूप से ऐसा करेंगे और ऑपरेशन सिंदूर इसका सबसे अच्छा उदाहरण था।

ऑपरेशन सिंदूर युद्ध रोकने का मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ : उप सेना प्रमुख

प्रात : किरण

नई दिल्ली\एजेंसी। उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य रणनीति का एक ह्यमास्टर स्ट्रोक साबित हुआ। इसने न केवल संभावित युद्ध को रोका, बल्कि यह भी साबित किया कि भारत किसी भी स्थिति में निर्णायक बढ़त बनाए रखने में सक्षम है। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित ह्यन्यू एज मिलिट्री टेक्नोलॉजीज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, युद्ध छेड़ना आसान है, लेकिन उसे नियंत्रित करना बेहद कठिन होता है। ऑपरेशन सिंदूर उसी संतुलन का प्रतीक था, जहां हमने वक्त रहते स्थिति को काबू में कर लिया। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने बताया, इस ऑपरेशन से पहले खुफिया जानकारी एकत्र की गई थी, जिसमें तकनीकी और मानवीय दोनों स्रोतों का उपयोग हुआ। हमने 21 लक्ष्य चिह्नित किए थे, जिनमें से अंतिम समय में नौ लक्ष्यों पर हमले का निर्णय लिया गया। सहनशीलता के बजाय जवाब देने की नीति लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा, भारत की सैन्य रणनीति में अब सहनशीलता के बजाय स्पष्ट और निर्णायक जवाब देने की नीति अपनाई जा रही है। जिस तरह से कुछ वर्ष पहले ह्यदर्द को सहा गया था, वैसा अब नहीं होगा। हमें हमेशा बढ़त बनाए रखनी होगी और उद्देश्य प्राप्त होते ही सही समय पर रुकना होगा। ड्रोन पर रणनीति बनेगी लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा, भविष्य के युद्धों में एक कंप्यूटर का जानकार भी देश की रक्षा प्रणाली को संभाल सकता है। ड्रोन तकनीक के महत्व पर बोलते हुए उन्होंने खुलासा किया, सितंबर-अक्तूबर तक एक ड्रोन फ्रेमवर्क जारी किया जाएगा। सेना में ड्रोन की जरूरत बहुत ज्यादा है। उन्होंने देश में स्वदेशी तकनीक और क्रिटिकल टेक्नोलॉजी में निवेश बढ़ाने की अपील की। दुर्लभ खनिजों पर चीन का एकाधिकार ठीक नहीं उप सेना प्रमुख ने चीन की तकनीकी बढ़त और दुर्लभ खनिज संसाधनों पर एकाधिकार को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा, ये दुर्लभ खनिज अब नया सोना हैं। चीन इस क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जबकि अमेरिका अब पीछे है।

अगले सप्ताह से शुरू होगा हज-2026 के लिए आवेदन: रिजिजू

नई दिल्ली\एजेंसी। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि हज -2026 की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और एक सप्ताह बाद से आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। श्री रिजिजू ने आज यहां हज समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से कहा,हमने आज से आधिकारिक तौर पर हज-2026 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि हज-2025 को हाल के इतिहास में सबसे बेहतरीन तरीके से प्रबंधित और सबसे सफल हज यात्राओं में से एक माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले साल और उससे पहले हज यात्रा के दौरान कई घटनाएं देखने को मिली।

पुनौराधाम में मां जानकी जन्मस्थली तीर्थ क्षेत्र निर्माण के लिए निविदा दस्तावेज जारी

● बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा निविदा जारी की गयी

प्रात : किरण

पटना। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या के अनुरूप सीतामढ़ी जिले में स्थित मां जानकी की जन्मभूमि पुनौराधाम के समग्र विकास की योजना पर काम शुरू हो गया है। माँ जानकी जन्मस्थली तीर्थ क्षेत्र के निर्माण हेतु बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा निविदा दस्तावेज जारी कर दिया गया है। राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की निर्माण एजेंसी को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। 11 जुलाई से निविदा आमंत्रण की तिथि तय की गयी है, सात अगस्त को दिन में 3 बजे तक निविदा को अपलोड किया जा सकेगा। 24 जुलाई को प्री-बिड मीटिंग होगी और आठ अगस्त को निविदा खोली जाएगी। इसके बाद सक्षम प्राधिकार के द्वारा निर्माणकर्ता एजेंसी की चयन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। चयनित निर्माणकर्ता एजेंसी को 42 माह की समयावधि में सभी निर्माण कार्य पूरा करना होगा। ज्ञात हो कि श्रद्धालुओं की भावना और पर्यटन के व्यापक विकास की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए मौजूदा पुनौराधाम को रामायण सर्किट के मुख्य स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनायी गयी है। बिहार के सीतामढ़ी जिले में अवस्थित माँ जानकी की जन्म स्थली पुनौराधाम के वृहद एवं समग्र विकास हेतु 882.87 करोड़ रुपए की योजना को एक जुलाई को राज्य मंत्रिपरिषद ने स्वीकृति प्रदान की है। इस प्रस्तावित योजना के कार्य घटकों में मंदिर की वर्तमान (परकोटा) सरंचना के उन्नयन, भवनों का निर्माण और अन्य पर्यटकीय विकास संबंधित कार्य तथा क्रियान्वयन के उपरांत 10 वर्षों के लिए संचालन एवं प्रबंधन से संबंधित कार्य किया जाना शामिल है। योजना के क्रियान्वयन हेतु ईपीसीमॉडल पर निविदा का प्रकाशन, निष्पादन एवं योजना का क्रियान्वयन बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम, पटना द्वारा किया जाना है।

सीएम ने निमार्णाधीन कार्यों का लिया जायजा, दिये निर्देश..........

पटना साहिब रेलवे स्टेशन से पटना घाट तक के सम्पर्क पथ का निर्माण कार्य तेजी से करें पूरा : सीएम

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जेपी गंगा पथ अन्तर्गत पटना साहिब रेलवे स्टेशन से पटना घाट तक के सम्पर्क पथ के निर्माण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निमाणार्धीन कार्य को तेजी से पूर्ण करने का अधिकारियों को निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ओपी शाह सामुदायिक भवन, पटना सिटी एवं पटना घाट के पास रूककर निमाणार्धीन कार्य को देखा और साइट मैप के माध्यम से निर्माण कार्य से संबंधित योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पथ पटना साहिब

रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होकर पटना घाट होते हुये जेपी गंगा पथ तक सम्पर्कता प्रदान करेगा। इस पथ के निर्माण से अशोक राजपथ एवं मारूफगंज मंडी क्षेत्र में जाम की समस्या से निजात मिलेगी एवं जेपी गंगा पथ का एनएच-30 (पटना-बख्तियारपुर पथ) से सम्पर्कता प्राप्त होगी। ज्ञातव्य है कि 52.54 करोड़ की लागत राशि से पटना साहिब रेलवे स्टेशन से पटना घाट तक पथ का निर्माण किया जा रहा है। इस पथ का निर्माण राज्य सरकार एवं रेलवे के बीच भूमि के परस्पर आदान-प्रदान के आधार पर किया जा रहा है। यह पथ पटना साहिब रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होकर पटना घाट होते हुए जेपी गंगा पथ तक संपर्कता प्रदान करेगा। इस पथ की कुल लंबाई 1.5 किमी है। प्रस्तावित पथ में अशोक राजपथ पर फ्लाई ओवर का प्रावधान किया गया है। पथ के दोनों तरफ दो लेन का सर्विस पथ एवं सर्विस पथ के साथ स्ट्रीट लाईट, रोड मार्किंग इत्यादि का यथोचित प्रावधान किया गया है। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पथ निर्माण विभाग के सचिव संदीप आर पुदकलकट्टी, पटना प्रमण्डल के आयुक्त डॉ चन्द्रशेखर सिंह, बिहार राज्य पथ विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक, जिलाधिकारी डॉ त्यागराजन एसएम, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक ने की निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना/हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने हाजीपुर मुख्यालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में पूर्व मध्य रेल की निर्माण परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण (उत्तर) श्री राम जन्म, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण (दक्षिण) श्री रामाश्रय पाण्डेय एवं आरवीएनल, इरकॉन एवं राइट्स के अधिकारीगण उपस्थित थे । बैठक के दौरान महाप्रबंधक ने पिछले वर्ष निर्माण संगठन द्वारा पूरी की गयी परियोजनाओं की समीक्षा की तथा भविष्य में पूरी की जाने वाली निर्माण परियोजनाओं के मद्देनजर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ।

समीक्षा बैठक में पावर प्वायंट प्रजेंटेशन के माध्यम से निर्माण विभाग की उपलब्धियों एवं भविष्य के लिए निर्धारित लक्ष्यों से महाप्रबंधक महोदय को अवगत कराया गया। महाप्रबंधक ने मुजफ्फरपुर-सगौली एवं सगौली-बाल्मिकीनगर दोहरीकरण, समस्तीपुर-दरभंगा दोहरीकरण परियोजना, हाजीपुर-सगौली, अररिया-सुपौल एवं खगड़िया-कुशेवरस्थान नई लाईन, कोडरमा-तिलैया नई लाइन, नेउरा-दनियावां एवं बरबीघा-शेखपुरा नई लाइन एवं अन्य परियोजनओं का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने पर बल दिया । महाप्रबंधक ने मोकामा में राजेन्द्रपुल के समानांतर निमार्णाधीन नए पुल के निर्माण कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने पूर्व मध्य रेल में चल रही निर्माण परियोजनाओं की नियमित एवं गहन मॉनिटरिंग का निर्देश दिया ताकि इसे समय पर पूरा किया जा सके । इसी क्रम में सोननगर-अंडाल तीसरी एवं चौथी लाईन तथा पतरातु-सोननगर तीसरी लाइन की कार्य प्रगति की भी महाप्रबंधक ने समीक्षा की । उन्होंने आरओबी/आरयूबी/ बाईपास के निर्माण पर जोर दिया ताकि बिना अवरोध के रेल एवं सड़क यातायात जारी रह सके ।

बैठक को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि हमें रेलवे के प्रत्येक क्षेत्र में नई तकनीक का ज्यादा-से-ज्यादा प्रयोग करना होगा ताकि लोगों की अपेक्षा पर खरे उतरते हुए उन्हें बेहतर परिणाम दे सकें । उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए निमार्णाधीन रेल परियोजनाओं को निर्धारित लक्ष्य पर पूरा करने पर बल दिया।

पूर्व मध्य रेल द्वारा संरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 2024-25 में परिचालन दक्षता में वृद्धि हेतु दरभंगा बाईपास एवं ललितग्राम बाईपास का कार्य पूरा किया । वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार में कुल 07 आरओबी एवं 19 आरयूबी का निर्माण कार्य पूरा किया गया तथा 27 समपार फाटकों को बंद किया गया । सकरी-निर्मली, झंझारपुर-लौकहाबाजार तथा सहरसा-फारबिसगंज का आमान परिर्वतन कार्य पूरा किया गया ।

इसके साथ ही 30 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की कमीशनिंग की गई । वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 161 किमी नई लाइन तथा 190 किमी दोहरीकरण परियोजना से जुड़े कुल लगभग 350 किलोमीटर का कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है ।

पठारी क्षेत्र के एससी/एसटी किसानों को मिलेगा मछली पर 80 प्रतिशत अनुदान

पठारी क्षेत्र में तालाब निर्माण के लिए अनुसूचित जाति/जनजाति के किसान 31 अगस्त तक कर सकते हैं आवेदन

- यह योजना दक्षिणी बिहार के चिन्हित पठार बाहुल्य बांका, औरंगाबाद, गया, कैमूर, नवादा, जमुई, मुंगेर एवं रोहतास जिले के लिए है
- इसका लाभ लेने के लिए लाभुक के पास निजी या लीज पर भूमि का होना आवश्यक है
- लाभार्थी का चयन उप मत्स्य निदेशक की अध्यक्षता में बनी चयन समिति के द्वारा किया जाएगा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार ने पठारी क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जाति/जनजाति(एससी/एसटी) के किसानों के लिए तालाब निर्माण आधारित मत्स्य पालन की योजना शुरू की है। इस योजना का लाभ दक्षिणी बिहार के आठ पठार बाहुल्य जिलों यथा बांका, औरंगाबाद, गया, कैमूर, नवादा, जमुई, मुंगेर और रोहतास में रहने वाले अनुसूचित जाति/जनजाति के मत्स्य कृषकों को मिलेगा।

योजना का लाभ उठाने के लिए पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवेदन आमंत्रित किया है। योजना के तहत 0.4 से 1 एकड़ तक के तालाब निर्माण के लिए प्रति एकड़ 16.70 लाख रुपए की लागत पर 80 प्रतिशत दी जाएगी। इसमें तालाब निर्माण, ट्यूबवेल, सोलर पंप, उन्नत इनपुट और तालाब पर शेड का निर्माण शामिल है। इस योजना का लाभ लेने के लिए किसानों के पास निजी या न्यूनतम 9 वर्ष के लीज पर भूमि होना जरूरी है। निजी भूमि के लिए भू-स्वामित्व प्रमाण पत्र या हाल का मालगुजारी रसीद, और लीज के मामले में 1,000 रुपए के नन-ज्यूडिशियल स्टांप पर एकरारनामा जमा करना होगा।

आवेदकों को जाति प्रमाण पत्र, प्रशिक्षण प्रमाण पत्र, आधार कार्ड,राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, जमीन का नक्शा, मोबाइल नंबर, बैंक खाता विवरण और आईएफएससी कोड के साथ आवेदन करना होगा। लाभार्थी का चयन उप मत्स्य निदेशक की अध्यक्षता वाली चयन समिति द्वारा किया जाएगा। आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2025 है। योजना की विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। बिहार सरकार के पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की यह योजना पठारी क्षेत्र के एससी/एसटी किसानों के लिए आर्थिक उन्नति का एक बड़ा अवसर प्रदान करेगी।

आयुक्त डॉ. सिंह के निदेश पर पटना शहर में आज लगातार तीसरे दिन अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। आयुक्त, पटना प्रमंडल, पटना डॉ. चन्द्रशेखर सिंह के निदेश पर पटना शहर में आज लगातार तीसरे दिन अतिक्रमण उन्मूलन मल्टी-एजेंसी विशेष अभियान चलाया गया। विभिन्न नगर निकायों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इस पर आयुक्त लगातार नजर रखे हुए हैं एवं नियमित समीक्षा कर रहे हैं। सभी संबंधित एसडीओ एवं एसडीपीओ को निदेश दिया गया है कि अतिक्रमण उन्मूलन अभियान का नियमित पर्यवेक्षण करें। पुनः अतिक्रमण रोकने के लिए फॉलो-अप टीम लगातार सक्रिय रखें।

प्रशासन, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस, परिवहन, राजस्व, पथ निर्माण, स्वास्थ्य, पुलिस, अग्निशाम, पुल निर्माण निगम, दूरसंचार, वन प्रमंडल, विद्युत सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी अतिक्रमण हटाओ अभियान में शामिल हैं।आयुक्त डॉ. चन्द्रशेखर सिंह ने सभी संबंधित एसडीओ एवं एसडीपीओ को प्रभावी ढंग से अतिक्रमण उन्मूलन मल्टी-एजेंसी विशेष अभियान चलाने तथा व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरूद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।जिला नियंत्रण कक्ष से प्राप्त सूचना के अनुसार आज पटना नगर निगम के नूतन राजधानी अंचल में 12.00 बजे मध्याह्न से 02.30 बजे अपराह्न तक अतिक्रमण उन्मूलन अभियान चलाया

चुनाव आयोग का विशेष गहन पुनरीक्षण आदेश असंवैधानिक, जनविरोधी एवं लोकतंत्र पर हमला है :आम आदमी पार्टी

प्रातः किरण संवाददाता

पटनाः बिहार में चुनाव आयोग द्वारा दिनांक 24 जून 2025 को जारी विशेष गहन पुनरीक्षण आदेश को आम आदमी पार्टी ने पूरी तरह असंवैधानिक, जनविरोधी और लोकतंत्र विरोधी साजिश करार दिया है।

आप नेता बबलू कुमार ने आज प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहाः इस आदेश के माध्यम से बिहार के करोड़ों गरीब, दलित, पिछड़े और दस्तावेज-वंचित नागरिकों को मताधिकार से वंचित करने की तैयारी की जा रही है। जो लोग 2003 की मतदाता सूची में शामिल नहीं थे, उन्हें अपनी नागरिकता सिद्ध करनी होगी – यह प्रक्रिया सीधे-सीधे प्रशासनिक ठफ्फ की शुरूआत है।

बबलू कुमार ने बताया कि आम आदमी पार्टी की गणना के अनुसार, लगभग 4.76 करोड़ बिहारवासी ऐसे हैं जिनके पास न जन्म प्रमाण पत्र है, न मैट्रिक का प्रमाणपत्र, न जाति प्रमाण – यानी इस प्रक्रिया में उनका नाम मतदाता सूची से हट सकता है।

कानूनी और संवैधानिक पहलू पर गंभीर सवाल। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 326 यह स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रत्येक वयस्क नागरिक, जो अयोग्य न ठहराया गया हो, उसे मतदान का अधिकार प्राप्त है।

जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 एवं 1951 में भी ऐसी कोई शर्त नहीं है कि 2003 की सूची आधार मानी जाए। मतदाता पुनरीक्षण की मानक प्रक्रिया प्रतिवर्ष जनवरी में होती रही है – तो फिर चुनाव से तीन महीने पहले, अचानक यह नया आदेश क्यों?

1. भारत निर्वाचन आयोग इस आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द करे।
2. बिहार में मतदाता पुनरीक्षण की प्रक्रिया जनवरी 2025 की मानक प्रणाली के अनुसार ही संचालित हो।
3. कोई भी नागरिक दोषी नहीं, जब तक वह न्यायिक रूप से सिद्ध न हो – यह संविधान की मूल भावना है, इसे कुचला नहीं जा सकता।

हम कागज नहीं, संविधान दिखाएँगे।

बबलू कुमार ने चेतावनी दी कि अगर यह आदेश वापस नहीं लिया गया तो आम आदमी पार्टी राज्य भर में जनजागरण, विरोध प्रदर्शन और कानूनी संघर्ष छेड़ेगी।

हम हर नागरिक के मताधिकार की रक्षा करेंगे – सड़क से संसद तक लड़ेंगे। बिहार का लोकतंत्र कोई प्रयोगशाला नहीं है, जहाँ वोटर को कटघरे में खड़ा कर दिया जाए।

मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

फतुहा। शुक्रवार को थाना परिसर में मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक का नेतृत्व फतुहा 1 डीएसपी अवधेश कुमार ने की। बैठक में सबसे पहले निकलने वाले तजिया जुलूस की समीक्षा की गयी। साथ ही आयोजकों से शांतिपूर्ण तजिया जुलूस निकाले जाने की अपील की गयी। इस मौके पर फतुहा 1 डीएसपी अवधेश कुमार व थानाध्यक्ष रुपक कुमार अम्बुज ने संयुक्त रुप से इस मुहर्रम पर्व को भाइचारे व सौहार्द के साथ मनाए जाने की अपील की। इस मौके पर जहां फतुहा बीडीओ प्रमोद कुमार व नदी थानाध्यक्ष राजु कुमार भी मौजूद थे, वहीं मुहर्रम से जुड़े समुदाय के प्रतिनिधि व कई जनप्रतिनिधि व राजनीतिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

फतुहा को पूर्ण अनुमंडल बनाओ अभियान की होगी शुरूआत

फतुहा। फतुहा को पूर्ण अनुमंडल का दर्जा देने के लिए अनुमंडल बनाओ अभियान की शुरूआत की जाएगी। इस सन्दर्भ में राजद के पूर्व महासचिव शिवपूजन प्रशांत ने बताया कि फतुहा को पूर्ण अनुमंडल का दर्जा प्राप्त करने को लेकर जल्द ही एक बड़ा अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत फतुहा के 15 पंचायत, खुसरुपुर के सात पंचायत व दनियावां प्रखंड के छह पंचायत के लोगों को जोड़ा जा रहा है। उनके मुताबिक फतुहा को पुलिस अनुमंडल का दर्जा तो दिया गया लेकिन इसे सिविल क्षेत्र में पूर्ण अनुमंडल का दर्जा नहीं दिया गया। इसे लेकर ही फतुहा को अनुमंडल बनाओ अभियान की शुरूआत की जा रही है।

दिव्यांग विकास मंच द्वारा बैठक की गई

दानापुर। नगर के अंतर्गत दिव्यांग विकास मंच के द्वारा शुक्रवार को बैठकर कर विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से चुने गए पदाधिकारियों को संगठनात्मक दायित्व सौंपा।प्रदेश अध्यक्ष सन्नी कुमार शर्मा के अध्यक्षता में बैठक हुई।पटना के जिलाध्यक्ष कमलेश कुमार, जिला उपाध्यक्ष परमहंस कुमार,फुलवारी प्रखंड के अध्यक्ष प्रियदर्शन कुमार,उपाध्यक्ष शशि कुमार, दानापुर प्रखंड के मुरारी साव,उपाध्यक्ष शिव कुमार राय,सचिव कारू साव,संघठन मंत्री अरुण कुमार,महामंत्री त्रिलोकी नाथ,विशाल कुमार,नगर मंत्री संतोष कुमार बनाया गया।संस्था के सचिव पप्पु कुमार ने कहा कि क्षेत्र में निवास करने वाले सभी दिव्यांगों के समग्र विकास हेतु अलग-अलग समितियों और सदस्यों का गठन किया गया है ताकि जमीनी स्तर पर काम तेज हो सके। मौके पर मंच के कोषाध्यक्ष अमित कुमार, उपसचिव कृष्णा कुमार, उपाध्यक्ष शोभा कुमारी समेत मंच के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

मसौढ़ी !थाना क्षेत्र के दाउदपुर मुहल्ले में शुक्रवार की शाम घर में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।इसकी पहचान अभय राम के पुत्र गोरख प्रसाद के 20वर्षीय पुत्र अजीत कुमार के रूप में की गई।

घटना की सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।घटना के संबंध में मृतक के पिता ने बताया कि हमें जानकारी मिली कि मेरा पुत्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।घर पहुंचने पर पुत्र का का शव फांसी के फंदे से लटका हुआ था। इससे संबंधित एक आवेदन थाने में दिया गया।

हिंदी वाक प्रतियोगिताओं का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर में 01, 03, एवं 04 जुलाई 2025 को तीन दिवसीय क्षेत्रीय हिंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई. इसी क्रम में आज दि.04.07.25 को अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए हिंदी वाक प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न हुआ. प्रतिभागियों को स्वभाषा- स्वाभिमान का प्रतीक व बदलती विश्व व्यवस्था में भारत में से किंन्ही एक विषय पर बोलना था. हिंदी वाक प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में श्री जे. पी. सिंह, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (राजपत्रित) थे. इसमें सुश्री सुचित्रा, कायार्धी, कार्मिक विभाग/हाजीपुर को प्रथम, श्री जूही बाला कर्ण, कनि. लेखा सहायक, लेखा विभाग/हाजीपुर को द्वितीय व श्री विपिन बिहारी पंडित, वरि. टेक्नीशियन, सडिमका/हरनौत को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. इन सभी प्रतियोगिताओं में विभिन्न विभागों/मंडलों/कारखानों के अधिकारियों/कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर अपनी सहभागिता सुनिश्चित की. उल्लेखनीय है कि प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय सहित 03 प्रेरणा पुरस्कार है. इन सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी रेलवे बोर्ड स्तर पर पूर्व मध्य रेल का प्रतिनिधित्व करेंगे.

उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता के लिए पूर्व मध्य रेल के सभी विभागों/मंडलों/कारखानों को पूर्व में ही सूचित किया गया था. दि. 01.07.2025 को इस प्रतियोगिता का शुभारंभ हिंदी निबंध प्रतियोगिता के साथ हुआ था. निबंध हेतु 02 विषय पूर्व में ही निर्धारित किए गए थे (1) राजभाषा की गौरवशाली यात्रा- उपलब्धियाँ और भविष्य की दिशा (2) अमृतकाल में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं की परस्पर सहभागिता. प्रतिभागियों को किन्हीं एक विषय का चयन कर अधिकतम 2000 शब्दों में निबंध लिखना था. जिसमें मुख्यालय के विभिन्न विभागों/मंडलों आदि के अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया.

दि. 03.07.2025 को हिंदी टिप्पण व प्रारूप लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.

इस प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागियों से अनुवाद, प्रारूप लेखन, अंग्रेजी से हिंदी व हिंदी से अंग्रेजी शब्दों का रूपांतरण तथा वर्तनी शुद्धी संबंधी प्रश्न पूछे गये. राजभाषा विभाग पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर की ओर से राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन समय-समय पर किया जाता है. इससे रेल कर्मियों के बीच हिंदी में कार्य करने की प्रवृत्ति बढ़ती है. आज के प्रतियोगिता में विभिन्न मंडलों/कारखानों सहित मुख्यालय के कर्मचारी प्रतिभागी के रूप में उपस्थित थे.

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री संतोष कुमार गुप्ता, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी सह उप विसमुलेधि (सामान्य) ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन श्री अनिल कुमार शर्मा, राजभाषा अधिकारी द्वारा किया गया.

अपराध नियंत्रण को ले डीएसपी के नेतृत्व में बिक्रम पुलिस ने चलाया वाहन जांच अभियान

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रम :- गोपाल विद्यार्थी अपराध नियंत्रण को ले स्थानीय पुलिस चौकस है, स्थानीय प्रशासन लगातार अलर्ट मोड में दिख रहीं हैं, थाना क्षेत्र के विभिन्न चौक चौराहों पर लगातार वाहन जांच अभियान चलाई जा रही है` इसी कड़ी में शुक्रवार के शाम पालीगंज डीएसपी 2 उमेश्वर चौधरी के नेतृत्व में असपुरा में वाहन सर्च अभियान चलाया गया । इस दौरान दर्जन भर वाहनों को कागजात के अभाव और ट्रिपल लोडिंग के कारण जब्त किया गया। डीएसपी उमेश्वर चौधरी ने बताया कि पुलिस द्वारा यह सर्च अभियान प्रतिदिन चलाया जाएगा। वैसे वाहन चालक जो बिना हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, और ट्रिपल लोडिंग में पकड़े जाएंगे उन वाहन मालिकों से न केवल जुमार्ना वसूला जाएगा बल्कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। सर्च अभियान में वाहन मालिकों से वसूल किया गया व उन्हें चेतावनी भी दी गयी है कि बिना कागजात और नियम विरूद्ध वाहन चलाने वालों को बख्शा नही जाएगा। थानाध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि जांच के दौरान आर्म्स पर भी ध्यान रखा जा रहा हैं। हर पहलू से जांच किया जा रहा हैं। बढ़ते अपराध को रोकने के लिए वाहन जांच अति आवश्यक है। जांच अभियान के दौरान बिक्रम थानाध्यक्ष विनोद कुमार, एसआई वरुण कुमार, विष्णु कुमार, धनंजय कुमार, राहुल कुमार, राजकिशोर , एएसआई मुन्ना कुमार, मिथिलेश कुमार व संजय पाल समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे

एमएफआईएन के गवर्निंग बोर्ड में सदस्य निदेशक बने ज्ञान मोहन करेंगे देशभर के छोटे एनबीएफसी-एमएफआई का प्रतिनिधित्व

प्रातः किरण संवाददाता

पटना ;- गोपाल विद्यार्थी` आदि चित्रगुप्त फाइनेंस लिमिटेड के निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्ञान मोहन को माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क के गवर्निंग बोर्ड में सदस्य निदेशक के रूप में निर्वाचित किया गया है। वह देशभर के छोटे एनबीएफसी-एमएफआई का प्रतिनिधित्व करेंगे।एमएफआईएन भारत में माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं की स्वनियामक संस्था है और यह पूरे क्षेत्र की नीतियों, अनुशासन और दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। श्री मोहन एक अनुभवी करियर बैंकर हैं, जिन्हें 40 से अधिक वर्षों का गहरा अनुभव है। उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक , आईडीबीआई कैपिटल, पावर एक्सचेंज, एफएसआईएल सहित कई प्रतिष्ठित संस्थानों में शीर्ष पदों पर कार्य किया है। अपने कार्यकाल के दौरान वह एसबीआई में एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम के प्रभारी अधिकारी भी रहे हैं, जहां उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए उल्लेखनीय कार्य किया।यह उनका दूसरा कार्यकाल है। इससे पहले, एमएफआईएन बोर्ड में अपने पहले कार्यकाल के दौरान वे छोटे और मझोले एमएफआई पर गठित टास्क फोर्स के अध्यक्ष रहे और क्रेडिट ब्यूरो एवं राज्य स्तरीय पहलों से जुड़ी टास्क फोर्स के सदस्य भी रहे। इस भूमिका में उन्होंने नीतिगत सुधारों और क्षेत्रीय आवश्यकताओं को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। उनकी इस पुनः नियुक्ति को माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र में उनके निरंतर योगदान और नेतृत्व क्षमता की स्वीकृति के रूप में देखा जा रहा है। श्री मोहन के नेतृत्व में, आदि चित्रगुप्त फाइनेंस लिमिटेड ने अगस्त 2017 से अब तक बिहार की 3 लाख से अधिक महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की है, जो राज्य के ब्लॉक, पंचायत और गांव स्तर पर स्वरोजगार व उद्यमिता को बढ़ावा दे रही हैं।इनमें कई महिलाएं ऐसी भी हैं जिन्हें एसीएफएल से पहला माइक्रो लोन प्राप्त हुआ था, और उन्होंने अपनी मेहनत, प्रतिबद्धता और कौशल से न केवल अपने व्यवसाय को स्थापित किया, बल्कि अब अपने गांव की अन्य महिलाओं को भी रोजगार उपलब्ध करवा रही हैं।श्री मोहन की नियुक्ति से उम्मीद है कि छोटे एनबीएफसी - एमएफआई की आवाज को राष्ट्रीय स्तर की नीति-निर्माण प्रक्रिया में और अधिक मजबूती मिलेगी, साथ ही बिहार जैसे राज्यों की जमीनी वास्तविकताओं को भी प्रभावशाली ढंग से सामने रखा जा सकेगा।

डीसी ने पुनरीक्षण अभियान को ले की बैठक

पटना। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी, पटना द्वारा निर्वाचक सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान, 2025 में निर्वाचकों को उत्प्रेरित करने, पारदर्शी तरीके से तथा सहभागितापूर्ण वातावरण में कार्य सम्पन्न कराने के लिए पटना जिला के चैम्बर ऑफ कॉमर्स, सिनेमा घरों के ओनर्स के एसोसिएशन, मॉल एसोसिएशन, उद्योग संगठनों तथा अधिवक्ता संघों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी, पटना के निर्देश पर संपूर्ण जिले में त्वरित गति से किया जा रहा है गणना प्रपत्र का वितरण एवं संग्रह

प्रातः किरण संवाददाता

किसी भी निर्वाचक के लिए ऑनलाइन माध्यम से फॉर्म भरने एवं दस्तावेज अपलोड करने की सुविधा ५ङ्गशे१२ स्रॅङ्ग५.ल्ल एवं एउक्छीइ अस्त्रस्त्र पर भी उपलब्ध है।

कार्य में तेजी लाने के उद्देश्य से संपूर्ण पटना जिला में हरेक सप्ताह दो दिन- शनिवार एवं रविवार को- सभी मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से दोपहर बारह बजे तक शिविर लगाया जाएगा। सभी बीएलओ इस अवधि में दोनों दिन अपने-अपने बूथ पर शिविर में उपस्थित रहेंगे, निर्वाचकों के बीच गणना फॉर्म (ईएफ) का वितरण करेंगे एवं निर्वाचकों से आवश्यक दस्तावेजों के साथ इसे संग्रह करेंगे।

सभी निर्वाचकों से अनुरोध है कि शिविरों में बड़ी संख्या में आकर गणना फॉर्म भरें तथा इसे आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा करें।

जिला सम्पर्क केन्द्र-सह-मतदाता हेल्पलाईन 1950 पर किसी भी तरह की सहायता के लिए सम्पर्क किया जा सकता है।

पटना प्रमंडल के आयुक्त ने गंगा पथ पर अन्य वरीय पदाधिकारियों के साथ स्थल का किया निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। आयुक्त, पटना प्रमंडल, पटना डॉ. चन्द्रशेखर सिंह द्वारा आज जेपी गंगा पथ पर सुचारू यातायात, भीड़ प्रबंधन तथा सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु जिलाधिकारी, पटना; नगर आयुक्त, पटना नगर निगम; वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना; पुलिस अधीक्षक (यातायात), पटना एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों के साथ आज स्थल निरीक्षण किया गया तथा पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिया गया। निरीक्षण के बाद आयुक्त द्वारा इन अधिकारियों के साथ आयुक्त कार्यालय स्थित सभाकक्ष में इस संबंध में बैठक की गई।आयुक्त डॉ. सिंह ने कहा कि जेपी गंगा पथ आम नागरिकों की सुविधा हेतु एक महत्वपूर्ण मार्ग है। गंगा नदी के किनारे अवस्थित इस आकर्षक पथ को सुचारू रखना जनहित में आवश्यक है। परन्तु आए दिन यह देखा जा रहा है कि वेंडर्स द्वारा यहाँ अवैध ढंग से दुकानों को लगा दिए जाने के कारण इस पथ पर ट्रैफिक जाम की समस्या रहती है। भीड़ प्रबंधन में भी प्रशासन को चुनौती का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में सुधार करने की जरूरत है। जेपी गंगा पथ पर एलसीटी घाट से सभ्यता द्वार तक अनधिकृत वेंडिंग को रोकने का सख्त निदेश अधिकारियों को दिया गया है। उन्होंने कहा कि अवैध वेंडिंग करने वालों के विरूद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आयुक्त ने अधिकारियों को निदेश दिया कि रोटरी से दाहिने तरफ मुड़ने पर गंगा नदी के साइड में जेपी गंगा पथ के उत्तरी छोर पर लगभग 300 मीटर के चिन्हित पार्किंग स्थल में कोई वेंडर दुकान न लगाए यह सुनिश्चित करें। अपर जिला दंडाधिकारी नगर व्यवस्था को इसके लिए एक डेडिकेटेड टीम तैनात करने का निदेश दिया गया जो नियमित तौर पर गश्ती कर अवैध वेंडर्स के विरूद्ध कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि वेंडिंग जोन के चिन्हित स्थल से पूरब की तरफ कुर्जी की ओर लगभग 300 मीटर में पार्किंग के लिए डेजिग्नेटेड जगह को भी अवैध वेंडर द्वारा अतिक्रमित कर लिया गया है। अपर जिला दंडाधिकारी नगर व्यवस्था को इन लोगों के विरूद्ध कार्रवाई करने का निदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि कुर्जी से सभ्यता द्वार तक कोई वेंडर ठेला एवं दुकान नहीं लगाएँ इसे सुनिश्चित करें। लगभग 1.2 किलोमीटर की दूरी में डेडिकेटेड वेंडिंग जोन में ही वे रहें इसे सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया। इसका उल्लंघन करने पर सामानों की जब्ती की जाएगी। आयुक्त ने कहा कि जेपी गंगा पथ पर ई-रिक्शा के चलने से लोगों को काफी असुविधा होती है। प्रावधानों के अनुसार ई-रिक्शा को ब्रांच रोड में ही चलना है। उन्होंने कहा कि लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जेपी गंगा पथ पर ई-रिक्शा को प्रतिबंधित किया जा रहा है। आयुक्त ने कहा कि पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा जेपी गंगा पथ पर चिन्हित जगह में 31 जुलाई तक 200 प्री-फैब्रिकेटेड दुकानों का निर्माण कर दिया जाएगा। अगस्त माह तक शत-प्रतिशत 500 प्री-फैब्रिकेटेड दुकानों का निर्माण एवं आवंटन कर दिया जाएगा। इससे लोगों को काफी सुविधा होगी। आयुक्त ने कहा कि पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा इस पथ पर रिवरफ्रंट विकास कार्य प्रक्रियाधीन है। दीघा से एलसीटी घाट तक पार्किंग, ग्रीन बेल्ट, वाकिंग पाथवे, वेंडिंग जोन इत्यादि का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दीघा रोटरी (अटल पथ-जेपी गंगा पथ का मीटिंग प्वाईंट) के चारों तरफ 100 मीटर के दायरे में नो-वेंडिंग जोन रहेगा। पदाधिकारियों को हर हाल में यह सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि दीघा रोटरी के पश्चिम तरफ रोटरी से जेपी सेतु की तरफ जाने वाले लेन में इस दायरे में कोई वेंडर नहीं रहना चाहिए।

रबी फसलों के लिए 2.30 लाख क्विंटल रॉ बीज का संग्रहण

किसानों को ससमय बीज वितरण सरकार की प्राथमिकता : विजय

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने हेतु निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य बीज निगम द्वारा रबी वर्ष 2024-25 में निगम के निबंधित बीज उत्पादक किसानों, राजकीय बीज गुणन प्रक्षेत्रों एवं प्रमाणित गेहूँ बीज उत्पादन योजना के अंतर्गत कुल 2,30,816 क्विंटल रॉ बीज का संग्रहण किया गया है। यह संग्रहण राज्य के किसानों को बेहतर बीज आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि खरीफ मौसम की फसलों जैसे धान, संकर धान, संकर मक्का, अरहर, सोयाबीन, अरण्डी आदि फसलों के बीज की आपूर्ति एवं वितरण सभी जिलों में सक्रिय रूप से किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि किसानों को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराया जाए, जिससे खेती की शुरूआत समय पर और सुचारु रूप से हो सके। श्री सिन्हा ने आगे बताया कि रबी फसलों के लिए संग्रहित रॉ बीज के प्रसंस्करण कार्य की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस वर्ष राज्य के 8 जिलों में अधिष्ठापित मिनी प्लांट्स पर भी बीज प्रसंस्करण का कार्य किया जाएगा। इस पहल से बीज प्रसंस्करण की गति और गुणवत्ता दोनों में सुधार होगा। वर्तमान में निगम के अंतर्गत कुल 13 प्रसंस्करण इकाइयाँ कार्यरत रहेंगी, जिससे समय पर बीज तैयार कर किसानों को उपलब्ध कराना संभव हो सकेगा। औरंगाबाद में उप मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आयोजित किसान संवाद कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बीज वितरण की स्थिति की जानकारी किसानों से सीधे प्राप्त की। किसानों ने बताया कि इस वर्ष समय से पूर्व ही सभी किसानों को बीज उपलब्ध करा दिया गया, जिससे उन्हें समय पर बुआई करने में आसानी होगी। किसानों ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें गुणवत्ता पूर्ण बीज प्राप्त हुआ है, जिससे इस बार अच्छी उपज की उम्मीद है। उन्होंने बीज वितरण प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी और बिना किसी भेदभाव के बताया। कृषि विभाग द्वारा कुल 99.25 प्रतिशत बीज का वितरण सफलतापूर्वक किया जा चुका है। यह वितरण कार्य नियोजित ढंग से किसानों तक पहुँचाया गया, जिससे अंतिम पंक्ति के किसान को भी लाभ मिल सका। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता पर हल करना राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कृषि से जुड़ी सभी योजनाओं का लाभ समय पर किसानों तक पहुँचाया जाएगा।

अब महीने में 2 दिन की जगह 3 दिन होगा पीएमएसएमए दिवस का आयोजन : मंगल

- बोले-गर्भवती महिलाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य पर विशेष जोर

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि राज्य सरकार गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए सरकारी अस्पतालों में प्रसव कक्ष की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ चिकित्सकों एवं स्टाफ नर्सेज की उपलब्धता एवं उनके क्षमतावर्धन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही गर्भवती महिलाओं के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के तहत संभावित जोखिम एवं जटिल प्रसव वाली गर्भवती महिलाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व जांच सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में अब हर महीने तीन दिन यानी 9, 15 और 21 तारीख को पीएमएसएमए दिवस आयोजित किया जाएगा। अभी तक महीने में दो दिन यानी 9 एवं 21 तारीख को पीएमएसएमए दिवस आयोजित किया जा रहा था। इस पहल से प्रसव के दौरान अधिक से अधिक उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान कर प्रसव के दौरान होने वाले जोखिम से उन्हें सुरक्षित रखने में सफलता मिलेगी। श्री पांडेय ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस पर लगभग 9 लाख से अधिक गर्भवती महिलाएं शामिल हुई थीं। इसे ध्यान में रखते हुए अब महीने में तीन बार प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस आयोजित करने का फैसला लिया गया है ताकि प्रत्येक गर्भवती महिला को समय और सावधानी के साथ उचित एवं गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व जांच की सुविधा मिल सके। इससे न केवल जांच का स्तर सुधरेगा, बल्कि समय पर उच्च जोखिम गर्भावस्थाओं की पहचान कर जरूरी चिकित्सा सुविधा भी मुहैया कराई जा सकेगी। श्री पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस पर आने वाली सभी गर्भवती महिलाओं की प्राथमिक स्वास्थ्य जांच, प्रयोगशाला परीक्षण, अल्ट्रासाउंड और अन्य जरूरी प्रसव पूर्व सेवाएं सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, उच्च जोखिम वाली महिलाओं की पहचान कर उन्हें समय पर रेफर करना सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य सिर्फ आंकड़े सुधारने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हर गर्भवती महिला को सुरक्षित मातृत्व का अधिकार दिलाना है।

एनडीए की एकजुटता से विपक्ष बेचैन : अशोक

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए आमजनों की समस्याएं सुनीं और प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए अशोक चौधरी ने कहा कि चूँकि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जानते हैं कि उनके सत्ता में आने की संभावना दूर-दूर तक नहीं है, इसलिए वे झूठे वादों की बौछार कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एनडीए एक परिवार के रूप में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विधानसभा आगामी चुनाव लड़ेगा। हमारी एकजुटता से विपक्ष पूरी तरह से बेचैन है, क्योंकि असल में उनके पास अब ऐसा कोई मुद्दा नहीं बचा है जिसे वे जनता के बीच ले जा सकें।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में 2010 से भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे : संजय

मतदाता पुनरीक्षण अभियान : जनजागरूकता को लेकर जदयू निकालेगा साइकिल रैली

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। निर्वाचन आयोग द्वारा राज्यव्यापी मतदाता पुनरीक्षण अभियान की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के माननीय प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने की। बैठक में आगामी 8 जुलाई को प्रदेश की सभी पंचायतों में साइकिल रैली निकालने का निर्णय लिया गया। जिसके माध्यम से मतदाता पुनरीक्षण अभियान को लेकर व्यापक जन-जागरूकता फैलाई जाएगी। इसके साथ ही, गांव-गांव जाकर डोर-टू-डोर कैंपेन के माध्यम से पात्र मतदाताओं को चिन्हित किया जाएगा, उन्हें आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी जाएगी तथा फॉर्म भरवाने से लेकर नाम जुड़वाने तक हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने कहा कि एनडीए गठबंधन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में आगामी विधानसभा चुनाव में वर्ष 2010 से भी बड़ी और ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगा। उन्होंने कहा कि जो मतदाता नौकरी या शिक्षा के सिलसिले में बाहर रहते हैं, उन्हें चिन्हित कर अभियान की जानकारी देना और प्रक्रिया में शामिल करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमारा आधार वोट अधिकतर ग्रामीण इलाकों में है, इसलिए पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरी सजगता, सक्रियता और गंभीरता के साथ इस मुहिम से जुड़ना होगा। जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि सभी पात्र मतदाताओं को वोटर लिस्ट में शामिल करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को आपसी समन्वय के साथ जमीनी स्तर पर कार्य करना होगा और इस अभियान को उसके लक्ष्य तक पहुंचाना होगा। श्री अनिल हेगड़े ने कहा कि स्वच्छ और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग प्रतिबद्ध है, और मतदाता पुनरीक्षण अभियान उसकी एक नियमित प्रक्रिया है।

पुनरीक्षण अभियान को पूरी निष्ठा से सफल बनाना है : उमेश

इस अवसर पर जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि कार्यकर्ताओं के कंधों पर दोहरी जिम्मेदारी है, एक ओर 2025 में 225 और फिर से नीतीश के लक्ष्य को साकार करने के लिए पूरी ताकत झोंकनी है, तो दूसरी ओर मतदाता पुनरीक्षण अभियान को बूथ स्तर पर पूरी निष्ठा और सतर्कता से सफल बनाना है। उन्होंने बीएलए और बीएलओ के बीच समन्वय, तथा सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार जन-जागरूकता फैलाने पर विशेष बल दिया, ताकि कोई भी पात्र मतदाता जानकारी के अभाव में इस प्रक्रिया से वंचित न रह जाए। विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता सह कोषाध्यक्ष ललन सर्राफ ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण अभियान में कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका अत्यंत आवश्यक है, इसके लिए सभी साथियों को एकजुट होकर काम करना है। इस अवसर पर मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह, गांधी जी, प्रदेश उपाध्यक्ष सह विधान पार्षद रवींद्र प्रसाद सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बैद्यनाथ प्रसाद सिंह विकल, प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी स्थापना चंदन कुमार सिंह, प्रो नवीन आर्य चंद्रवंशी, अनिल कुमार, परमहंस कुमार एवं मनीष कुमार मंडल उपस्थित रहे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण का विरोध करेगा राजद राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बड़ा फैसला

राजद के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय परिषद की बैठक एवं खुला अधिवेशन आज

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पटना के होटल मौर्या में हुई राजद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में चुनाव आयोग के विशेष सघन मतदाता सूची पुनरीक्षण का विरोध करने का निर्णय लिया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद की अध्यक्षता में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कल राष्ट्रीय परिषद की बैठक एवं पार्टी के खुला अधिवेशन में प्रस्तुत किए जाने वाले प्रस्तावों पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद ने कहा कि बिहार की जनता बदलाव का मूड बना चुकी है। तेजस्वी ने उपमुख्यमंत्री रहते हुए मात्र सत्रह महीने में हीं जो उपलब्धियां हासिल की है, वह एक मिशाल बन गया है। बैठक को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरिक्षण को लोकतंत्र और संविधान विरोधी बताते हुए इसे गरीबों, दलितों, अति पिछड़ों, पिछड़ों , अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यकों को वोट के अधिकार को छीनने की साजिश करार दिया। सर्वप्रथम लालू प्रसाद यादव ने दीप प्रज्वलित कर बैठक का उद्घाटन किया। प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल ने स्वागत भाषण दिया। राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी ने सांगठनिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शिवचन्द्र राम ने राजनीतिक प्रस्ताव, आलोक कुमार मेहता सामाजिक प्रस्ताव, इसराइल मंसूरी ने आर्थिक प्रस्ताव एवं मनोज कुमार झा ने विदेश नीति संबंधी प्रस्ताव पेश किया। राष्ट्रीय सहायक निर्वाचन पदाधिकारी चित्तरंजन गगन ने संचालन किया। श्री गगन ने बताया कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा स्वीकृत प्रस्ताव आज राष्ट्रीय परिषद की बैठक में चर्चा के लिए पेश किया जाएगा। तत्पश्चात इसे खुला अधिवेशन में स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। श्री गगन ने बताया कि 5 जूलाई को बापू सभागार में पहली पारी में राष्ट्रीय परिषद की बैठक होगी जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में श्री लालू प्रसाद के निर्विरोध निर्वाचित होने की औपचारिक घोषणा की जाएगी साथ हीं उन्हें प्रमाणपत्र सौंपा जाएगा। उसके पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष के रूप में श्री लालू प्रसाद की अध्यक्षता में पार्टी का खुला अधिवेशन होगा ।

प्रदेश कांग्रेस के जिलाध्यक्षों और केंद्रीय पर्यवेक्षकों की समीक्षात्मक बैठक संपन्न

बेहतर चुनाव रणनीति और प्रबंधन के तहत करें काम : कृष्णा

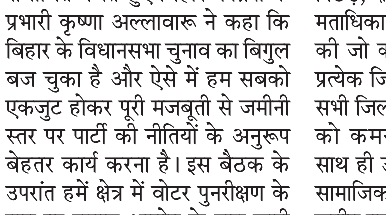

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में शुक्रवार को जिला अध्यक्षों एवं केंद्रीय पर्यवेक्षकों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने कहा कि बिहार के विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है और ऐसे में हम सबको एकजुट होकर पूरी मजबूती से जमीनी स्तर पर पार्टी की नीतियों के अनुरूप बेहतर कार्य करना है। इस बैठक के उपरांत हमें क्षेत्र में वोटर पुनरीक्षण के नाम पर चुनाव आयोग के द्वारा जारी निदेशों में अपने पार्टी के समर्थकों और मतदाताओं का अधिक से अधिक पंजीकरण और सत्यापन सुनिश्चित करना है। साथ ही प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने कहा कि पार्टी द्वारा चिन्हित मजबूत सीटों पर हमें बेहतर चुनाव रणनीति और प्रबंधन के तहत काम करना है। जनता की समस्याओं को मजबूती से विस्तृत फलक पर रखना है और उनका निदान करना है। साथ ही उन्होंने सभी जिलाध्यक्षों और केंद्रीय पर्यवेक्षकों को मतदाता पुनरीक्षण की व्यापक जानकारी पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से साझा किया। बैठक को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने संबोधित करते हुए कहा कि वोटर पुनरीक्षण के नाम पर युवाओं, रोजगार की तलाश में पलायन को मजबूर लोगों, पिछड़े, अति पिछड़े, दलित और बाढ़ ग्रस्त जनता को मताधिकार से रोकने की चुनाव आयोग की जो कवायद चल रही है उसको प्रत्येक जिले में न्यूनतम करने के लिए सभी जिला अध्यक्षों और कार्यकताओं को कमर कस कर लड़ना होगा। साथ ही उन्होंने पार्टी की नीतियों और सामाजिक न्याय के लड़ाई को तेजी से जमीन पर उतारने की बात भी दोहराई। बैठक में किंग्रेस विधान मंडल दल के नेता डॉ शकील अहमद खान, विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डॉ मदन मोहन झा सहित सभी जिला अध्यक्ष एवं केंद्रीय पर्यवेक्षक मौजूद रहे।

मतदाता सूची का पुनरीक्षण प्रजातंत्र की पीठ पर गंभीर वार : कांग्रेस

पटना। कांग्रेस ने मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को लेकर चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम, विधानसभा में विधायक दल के नेता डॉ शकील अहमद खान और विधान परिषद में दल के नेता डॉ मदन मोहन झा ने संयुक्त बयान जारी कर कहा है कि चुनाव आयोग ने बिहार में भाजपा सरकार के साथ मिलकर एक खतरनाक खेल भारत के प्रजातंत्र के साथ खेला है। याद कीजिए, आजादी के बाद से भारत का चुनाव आयोग एक मुहिम चलाता रहा है कि कैसे अधिक से अधिक मतदाताओं को जोड़ा जाए और अधिक से अधिक मतदान कराया जाए।मगर बिहार में भाजपा-जदयू की हार सामने खड़ी देख, चुनाव आयोग प्रजातंत्र की पीठ पर वार कर रहा है और बिहार में 20 प्रतिशत अर्थात लगभग 2 करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची से काटने की तैयारी कर रहा है। यह बात खुद चुनाव आयोग ने इंडिया गठबंधन दल के प्रतिनिधिमंडल से कही है। एक समाचार पत्र में छपी खबर का हवाला देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा है कि बिहार में 28 जून से शुरू हुआ मतदाता सूची का विशेष तीव्र पुनरीक्षण जो 30 सितंबर को मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ समाप्त होने वाला है।

वोटर पुनरीक्षण के फैसले के खिलाफ जायेंगे हाईकोर्ट : पप्पू

9 जुलाई को बिहार बंद का किया एलान

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने कहा कि 9 जुलाई को हम पूरे बिहार में सड़क बंद करेंगे। हम चुनाव आयोग के कार्यालय को घेरेंगे। हम आज हाई कोर्ट जा रहे हैं, मामला दायर करेंगे। हम इस पूरे लड़ाई में कांग्रेस के साथ हैं।पप्पू यादव ने कहा की एन दी ए सरकार हमारे लोकतांत्रिक अधिकार छीन रही है.वोट देना हर आदमी का मौलिक अधिकार है. यह सरकार चुनाव आयोग के माध्यम से गरीब दलित और अतिपिछड़ा को वोट देने के अधिकार को छीनना चाहती है.पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने कहा की मुझे मरना पसंद है लेकिन बिहारियों को हित कोई छीन लें ये पसंद नहीं है। आपने नोटबंदी के दौरान आम जनता को परेशान किया अब नीतीश कुमार जी टीचरों को धमकी दे रहे है सस्पेंड करने की। हम हाईकोर्ट जा रहे हैं जनहित याचिका के लिए कोई अन्याय सहन नहीं होगा। जितनी कुबार्नी देनी पड़ेगी देंगे चुनाव आयोग के अलोकतांत्रिक निर्णय का मोदी जी आपको बिहार में जवाब देना होगा। वोटर लिस्ट पुनरीक्षण को लेकर पप्पू यादव ने कहा कि चुनाव आयोग तो आरएसएस का कार्यालय है। यहां आरएसएस के कहने पर ही वोटर लिस्ट तैयार होती है। नोटबंदी के बाद अब वोटबंदी हो रही है पहले हमारा पैसा छीना गया अब हमारे वोट देने के अधिकार को छीन रहे हैं। हमें भारत का नागरिक नहीं समझा जा रहा है। हमारा संविधान 326 कहता है वोट देना सभी नागरिकों को कर्तव्य है लेकिन अब बिहारियों को इसका प्रमाण देना होगा कि वो नेपाल के बिहारी हैं या बंग्लादेश के बिहारी हैं। कहा जा रहा है तुम युवा बिहारी नहीं हो भारत के नागरिक नहीं हो तुम्हें वोट देने का कोई अधिकार नहीं है। क्यों नहीं है वोट देने का अधिकार ? ये आधार कार्ड को नहीं मानते ये राशन कार्ड को नहीं मानते फिर क्या मानते हैं? ये कहते हैं तुम्हारी जाति तुम्हारा जन्म तुम्हारी पैदायशी सब बताओं। 1987 के पहले राशन कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड को नहीं मानते। नियम सबके लिए बराबर होना चाहिए।

आरजेडी में बैठकों का दौर महज सत्ता पाने की छटपटाहट : राजीव

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने आरजेडी कार्यसमिति की बैठक पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी की ये बैठक मात्र सत्ता पाने की बेचैनी है। बैठक पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ये सभी को पता है कि राजनीतिक तौर पर लालू प्रसाद यादव एवं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की साख जनता के बीच नहीं बची है ऐसे में बड़े तामझाम के साथ आयोजित इस तरह की बैठकों से आरजेडी का कोई भला नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि लोगों को यह पता है कि परिवारवाद में डूबे लालू प्रसाद यादव का हमेशा से बिहार के विकास के आगे अपने परिवार का विकास रहा है। ये बैठक वास्तव में आरजेडी की एक राजनीतिक नौटंकी से ज्यादा कुछ नहीं है। उन्होंने आरजेडी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह बैठक पार्टी के कार्यकताओं की नहीं बल्कि लालू परिवार के सदस्यों की बैठक है जिसका एकमात्र उद्देश्य नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की राजनीति को जिंदा रखना और सजायाफ्ता लालू प्रसाद यादव की छाया में पार्टी को बनाए रखना है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने आरजेडी से सवाल पूछते हुए कहा कि जिस पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं हैए वहां कार्यसमिति की बैठक सिर्फ दिखावे के लिए क्यों की जा रही हैघ् क्या इस बैठक में कोई आम कार्यकर्ता बोल सकता हैघ् क्या कोई सदस्य तेजस्वी यादव या उनके परिवार के फैसलों पर सवाल उठा सकता हैघ् उन्होंने कहा कि आरजेडी की राजनीति अब सामाजिक न्याय या विकास के मुद्दे से भटककर सिर्फ परिवारवाद और सत्ता की भूख तक सीमित रह गई है। बिहार की जनता इस दिखावटी राजनीति को भली-भांति समझ चुकी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास और सुशासन की जो स्थायी परंपरा स्थापित हुई है, उसे तोड़ना आरजेडी के बस की बात नहीं। आज बिहार हर क्षेत्र में विकास के नए मापदंड स्थापित कर रहा है। नए उद्योग धंधे लगाए जा रहे हैं, करोडों का निवेश हो रहा और हजारों नौकरियां सृजित की जा रही हैं।

2025 से 2030 फिर से नीतीश, विपक्षी टांय-टांय फिस्स : जदयू

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रवक्ता हिमराज राम, प्रदेश प्रवक्ता परिमल कुमार, प्रदेश प्रवक्ता डॉ अनुप्रिया एवं मीडिया पैनलिस्ट डॉ मधुरेंदु पांडेय ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि 2025 से 2030 फिर से नीतीश बिहार की जनता की उस अटल आकांक्षा को दशार्ता है, जो सुशासन, सामाजिक न्याय और समृद्ध बिहार के लिए मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के कामों पर पूर्ण विश्वास रखती है। पार्टी प्रवक्ताओं ने कहा कि पिछले दो दशकों में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने अभूतपूर्व विकास की गाथा लिखी है।

आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी जिलाधिकारियों एवं जिला खेल पदाधिकारियों को निर्देश जारी

बिहार में प्रखंड स्तर पर मशाल कार्यक्रम के अंतर्गत खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 5 से 8 जुलाई तक

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के खेल विभाग, शिक्षा विभाग तथा बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना के संयुक्त तत्वावधान में राज्यव्यापी मशाल कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभा खोज हेतु प्रखंड स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। बिहार खेल प्रतिभा खोज योजना के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में छुपी हुई खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें उचित मंच प्रदान करना है। इस कार्यक्रम के तहत पहले ही विद्यालय स्तर की प्रतियोगिताएं 25 अप्रैल 2025 तक तथा सीआरसी स्तर की प्रतियोगिताएं 22 से 24 मई 2025 के बीच सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी हैं। अब इस श्रृंखला में अगला चरण प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिताओं का है, जो 5 जुलाई से 8 जुलाई 2025 तक आयोजित की जाएंगी। राज्य सरकार ने इस आयोजन को सफल बनाने हेतु सभी जिलों के जिलाधिकारियों एवं जिला खेल पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। मशाल कार्यक्रम के संचालन में पूर्व में जारी मार्गदर्शिका के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। प्रतियोगिताओं में केवल बिहार राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई गई किट (जर्सी) का ही उपयोग किया जा सकेगा। किसी अन्य प्रकार की जर्सी या पोशाक मान्य नहीं होगी। प्रत्येक जिले में संबंधित विद्यालयों के शारीरिक शिक्षकों एवं तकनीकी विषयों से जुड़े योग्य शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी, जिसकी स्वीकृति जिला पदाधिकारी द्वारा दी जाएगी। कार्यक्रम स्थलों पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की जाएगी तथा प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों और दर्शकों की सुविधा हेतु पेयजल, प्राथमिक उपचार एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। साथ ही, सभी प्रतियोगिताओं की वीडियोग्राफी कराई जाएगी तथा प्रतिभागियों की प्रमाणित नामावली जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला खेल पदाधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर से बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना को भेजी जाएगी। खेल विभाग ने मशाल कार्यक्रम को प्रदेश के युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया है तथा सभी संबंधित अधिकारियों से इसके सफल क्रियान्वयन हेतु पूर्ण सहयोग की अपेक्षा की है।

महिला एथलीट स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति बनाने वाला देश का पहला राज्य होगा बिहार

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पाटलिपुत्र खेल परिसर में शुक्रवार को बिहार सरकार द्वारा महिला खिलाडियों के विकास के लिए बिहार महिला एथलीट स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति-2025 के ड्राफ़्ट पर देशभर से आए विशेषज्ञों द्वारा परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस तरह की नीति बनाने वाला बिहार देश का पहला राज्य होगा। राज्य में महिला खिलाडियों की निरंतर बढ़ती भागीदारी और बेहतर प्रदर्शन द्वारा मेडल जीतने की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण और सरकार द्वारा महिला खिलाड़ियों के लिए विशेष रूप से स्वास्थ्य और कल्याण नीति बनाने की आवश्यकता महसूस हुई । बिहार महिला एथलीट स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति-2025 के ड्राफ़्ट पर हुई आज की परिचर्चा में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण, निदेशक रविंद्र नाथ चौधरी पूर्व निदेशक संजय कुमार सिन्हा, उप निदेशक हिमांशु सिंह की उपस्थिति में खेल और विभिन्न क्षेत्रों की महिला विशेषज्ञों और खिलाडियों में प्रमुख रूप से बिहार पुलिस अकादमी की निदेशिका श्रीमती आर मल्लार विज्जी,ऑलंपियन तैराक माना पटेल ,आईआईएम बोधगया की निदेशिका डॉ.विनीता एस सहाय,प्रसिद्ध महिला उद्यमी और आईटी विशेषज्ञ ब्रांड रेडियेटर की प्रबंध निदेशक हिमानी मिश्रा,दानी स्पोर्ट्स फाउंडेशन के निदेशक और टॉप्स के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी कमोडोर राजेश राजगोपालन, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋतुराज ,राजगीर स्पोर्ट्स अकादमी के मुख्य सलाहकार ऑलंपियन गविन फरेरा,सिंपली स्पोर्ट्स फाउंडेशन की अदिति ।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना सं.: पूमरे–मुप्रअ–नि–उ–निविदा– 07–25–26

भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्न कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा सूचना सं. – पूमरे–मुप्रअ–नि–उ–निविदा– 07–25–26, 1. कार्य का नाम : पटना के दीघा घाट स्थित पाटलीपुत्रा रेल परिसर में मौजूदा ब्लॉक– ''सी'' (भूतल + 5 मंजिला) संरचना के उपर 28 टाईप –6 आवासों का निर्माण कार्य, 2. कार्य का लगभग मूल्य : ₹31,16,52,908; 3. निविदा हेतु अग्रधन राशि जमा : ₹17,08,300/– ; 4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 24.07.2025, चौदह तीस बजे। 5. वेबसाइट का विवरण, नोटिस बोर्ड जहाँ पर निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता जहाँ पर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है इत्यादि : उपरोक्त ई– निविदा के ई–निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगें एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/उत्तर/पूमरे/महेन्द्रूघाट, पटना के कार्यालय में देखा जा सकता है। द्रष्टव्य: निविदा सूचना में पाए गए किसी भी विसंगति विवरण के मामले में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा। प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई–निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पंद्रह दिन पहले वेबसाइट http:// www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/ पूमरे/महेन्द्रूघाट, पटना

पीआर/0534/सीओएन–एमएचएक्स/कॉन/टी/25–26/40

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई.निविदा सूचना संख्या : पूमरे–मुप्रअ–नि–द–इपीसी–डीओएस–01

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई.निविदा आमंत्रित की जाती है :

ई.निविदा सं॰ : पूमरे–मुप्रअ–नि–द–इपीसी–डीओएस–01 (दो पैकेट प्रणाली), कार्य का नाम : अर्थवर्क, कंबलिंग, ब्रिज कार्य, पी. वे. कार्य और अन्य सहायक सिविल इंजीनियरिंग कार्य (बीसीजे स्थान की सेंटर लाइन से चेनेज 1088 से 10196 तक) 2×25 टीआरडी सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग; विभिन्न विद्युत उल्लंघनों को हटाने/संशोधित करने सहित विद्युत (सामान्य) कार्य 11 केवी/33 केवी एच. टी. और एल.टी. ओवरहेड लाइनें (बीसीजे स्टेशन की सेंटर लाइन से चैनेज 1088 से 10196 तक) और सीपीबीएच में मौजूदा ई आई में परिवर्तन से जुड़े एसएंडटी कार्य और प्रस्तावित संरेखण के आईआर हिस्से में आने वाले एसएंडटी के संबद्ध उपयोगिता शिफ्टिंग कार्य, पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू डिवीजन के तहत इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) मोड पर जीसी लाइन पर चिरैला पौथु (बीसीजे स्टेशन की सेंटर लाइन से चैनेज 10196) से बीडी लाइन पर न्यू सोन नगर (बीसीजे स्टेशन की सेंटर लाइन से चैनेज 1088) तक सोन नगर बायपास लाइन के निर्माण के संबंध में। अंकलित मूल्य (रु.) : ₹77,99,62,930.15, बोली प्रतिभूति (रु.) : ₹40,49,800/–, कार्य पूर्ण करने की अवधि : 365 दिन। निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 02.09.2025, 16:15 बजे।

ऐसी ई–निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल अस्वीकार्य होगा तथा उसके बारे में बिना किसी विचार के तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा कुचले गये। उपरोक्त ई–निविदा दस्तावेज सहित की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य : निविदा सूचना में पाए गए किसी भी विसंगति विवरण के मामले में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा। प्रत्याशित निविदादाताओं को यह सलाह दी जाती है कि इस ई–निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा की बोली प्रारंभ तिथि से कम से कम पंद्रह दिन पहले वेवसाइट का अवलोकन करें।

उप मुख्य अभियंता/निर्माण/ पूमरे/डेहरी ऑन सोन

पीआर/0528/डीओएस/कॉन/टी/25–26/60

संक्षिप्त खबरें

मोहर्रम पर्व को लेकर पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

कल्याणपुर समस्तीपुर प्रखंड क्षेत्र के दोनों थाना क्षेत्र में दोनों थाना अध्यक्ष क्षेत्र में गस्ती के दौरान चौक चौराहा से लेकर गांव घर में शांतिपूर्ण माहौल में मुहर्रम मनाने को लेकर चौकसी व्रत रही है। इसी कड़ी में धकमहेसी थानाध्यक्ष संतोष कुमार यादव अन्य पुलिस पदाधिकारी के साथ थाना क्षेत्र के चप्पे चप्पे में गस्ती गाड़ी को दौड़ा कर तीन डीजे वाहन को पड़कर थाना लाई। इसको लेकर पूरे क्षेत्र में हड़कंप देखा गया। इस संबंध में थाना अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने बताया कि क्षेत्र में सौहार्दपूर्ण वातावरण मोहर्रम का पर्व लोग मानवे। शराब माफिया पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव के 133 लोगों पर 107 की कार्रवाई अनुमंडल पदाधिकारी की अनुशंसा पर की गई। वहीं दूसरी और कल्याणपुर पुलिस भी काफी सतर्क है थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा अपर थाना अध्यक्ष दीपक कुमार झा आदि दी क्षेत्र में काफी गस्ती करते देखे गये।

विभूतिपुर में 8.5 किलो गांजा बरामद, दो गिरफ्तार, बाइक जब्त

विभूतिपुर /समस्तीपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार दो अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर 8.5 किलो गांजा और दो धंधेबाज को गिरफ्तार किया है। साथ ही एक बाइक भी जब्त की है। धंधेबाज बेगुसराय जिले के फफौत निवासी रामाशीष महतो का पुत्र पंकज कुमार और विभूतिपुर के भरपुरा पटपारा निवासी बैजू महतो का पुत्र नवीन कुमार बताया गया है। थानाध्यक्ष आनंद कुमार कश्यप ने बताया कि गुप्त सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विभूतिपुर गेट के समीप बाइक सवार पंकज कुमार से रोक कर पूछताछ की और तलाशी के क्रम में बाइक से 3 किलो गांजा बरामद की। पुलिस ने बाइक और गांजा समेत पंकज कुमार को थाने लाकर कड़ाई से पूछताछ की। उसके निशानदेही पर पुलिस टीम ने पटपारा चौक से 10 कदम आगे दाहिने तरफ नवीन कुमार के फूसनुमा घर के पिछे से छुपाकर रखे गए 5.5 किलो गांजा बरामद की और नवीन कुमार को भी गिरफ्तार कर थाने लाई। तत्पश्चात दोनों से आवश्यक पूछताछ के बाद पुलिस पदाधिकारी विमल के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उन्होंने बताया कि सही और सटीक सूचना मिलने पर पुलिस को त्वरित कार्रवाई करने में सहुलियत हुई है।

आज आंगनवाड़ी केंद्र रतनपुर, (हरिजन टोल), सिंघिया खुर्द में लगेगा निः शुल्क चिकित्सा शिविर

समस्तीपुरः श्री रामचंद्र सेवा ट्रस्ट के द्वारा 5 जुलाई को समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र रतनपुर, (हरिजन टोल), सिंघिया खुर्द में निः शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में न्यूरोपैथी जांच, बोन मास डेंसिटी जांच, खून की जांच, आर्थराइटिस किट वितरण और दवाओं का वितरण पूरी तरह निःशुल्क किया जाएगा। शिविर का नेतृत्व समस्तीपुर के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. मनोज कुमार सिंह करेंगे। उनके साथ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सुषमा शिखा और डॉ. कुमार देवाशीष सहित उनकी पूरी टीम मौजूद रहेगी। डॉ. सिंह ने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद और गरीब लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है और यदि हम अपनी सेवाओं से किसी जरूरतमंद का जीवन थोड़ा भी आसान बना सकें, तो यह हमारे लिए सबसे बड़ी संतुष्टि है।

मोतीपुर में जिलाधिकारी ने की बीएलओ एवं पर्यवेक्षकको के साथ बैठक, पुल का किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिलाधिकारी ने गुरुवार को मोतीपुर के कई बुथों का भ्रमण कर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने प्रखंड कार्यालय में बीएलओ, पर्यवेक्षक की बैठक में भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मार्गदर्शिका से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक भी ऐसा बीएलओ नहीं रहे जिन्होंने एक भी फार्म अपलोड नहीं किया हो। उन्हें आयोग द्वारा निर्धारित वार्षिक देय राशि के अतिरिक6000 भुगतान किए जाएंगे। इसलिए सभी बीएलओ पूरी जिम्मेदारी के साथ गणना प्रपत्र का कलेक्शन और अपलोडिंग का कार्य करें । उनके कार्य में सहयोग प्रदान करने के लिए अतिरिक्त कर्मी के रूप में विकास मित्र, किसान सलाहकार , सेविका, पंचायत सचिव आदि को भी प्रतिनियुक्त करने का निर्देश दिया किंतु कार्य में शिथिलता एवं लापरवाही बरतने वाले बीएलओ/पर्यवेक्षक को चिन्हित कर कानूनी एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। विदित हो कि बरूराज विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी उप विकास आयुक्त हैं। जिलाधिकारी ने उप विकास आयुक्त को शुक्रवार को मोतीपुर में कैंप कर कलेक्शन एवं अपलोडिंग के कार्य का बुथवार मॉनिटर कर पूरा कराने का निर्देश दिया। साथ ही सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को भी सक्रिय एवं तत्पर होकर सभी बीएलओ, सुपरवाइजर एवं टीम को डोर टू डोर कलेक्शन एवं द्वितीय पाली में अपलोडिंग का कार्य पूरा कराने को कहा विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्य को गति प्रदान करने तथा त्रुटि रहित, पारदर्शी मतदाता सूची का निर्माण करने के निमित्त जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा विधानसभा वार बुथों का भ्रमण करने तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर लगातार समीक्षा बैठक की जा रही है ताकि समयबद्ध तरीके से कार्य का जवाबदेही से निष्पादन हो।

जिला पदाधिकारी द्वारा औराई मीनापुर एवं बरूराज विधानसभा का भ्रमण कर प्रगति का जायजा लिया गया है। साथ ही जिलाधिकारी के निर्देशानुसार सभी अएफ्ढ/एफ्ढ क्षेत्र भ्रमण कर बुथवार डिस्ट्रीब्यूशन, कलेक्शन एवं अपलोडिंग के कार्य में प्रगति लाया जा रहा है। किसी भी प्रकार की जानकारी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1950 पर कॉल कर प्राप्त किया जा सकता है। मोतीपुर भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने भुरकुरवा पुल का भी निरीक्षण किया जहां विगत वर्ष कटाव की समस्या थी। नदी के मार्ग में बदलाव के कारण पुल की लंबाई 154 मी विस्तारित करने की जरूरत है। ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा मुख्यमंत्री सेतु पुल निर्माण योजना के तहत इस पुल के निर्माण के लिए अपर मुख्य सचिव ग्रामीण कार्य विभाग को पत्र भेजने का निर्देश दिया। साथ ही भुरकुरवा पुल पर भारी वाहनों की आवाजाही न हो, समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त संपर्क पथ की मरम्मती का कार्य 10 दिनों के भीतर पूरा करने का निर्देश आरडब्लूडी के कार्यपालक अभियंता को दिया।

जिलाधिकारी ने किया मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का औचक निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने जिले में चल रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत विभिन्न पंचायतों का भ्रमण कर कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में वे बेनीपट्टी अनुमंडल के त्योंथ पंचायत, हरलाखी प्रखंड के हिसार एवं फुलहर पंचायत, मधवापुर प्रखंड के बलवा पंचायत स्थित पैक्स गोदाम परिसर तथा बासुकी बिहारी दक्षिणी पंचायत के ब्रह्मपुरी ग्राम पहुँचे। इस दौरान जिलाधिकारी ने कई घरों में जाकर गणना प्रपत्र के वितरण एवं संग्रहण की स्थिति की समीक्षा की और बीएलओ से फीडबैक लिया। अपने दरवाजे पर जिलाधिकारी व निर्वाचन टीम को पाकर ग्रामीण मतदाता बेहद उत्साहित और प्रसन्न दिखे। निरीक्षण के दौरान बीएलओ अवधेश कुमार राय ने गणना फॉर्म अपलोड करने में सर्वर की समस्या की जानकारी दी, जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समाधान का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं को पासपोर्ट साइज फोटो देने में कठिनाई हो रही है, विशेषकर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों का फोटो बीएलओ मोबाइल से खींचकर फॉर्म के साथ स्वयं अपलोड करेंगे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन आयोग की प्राथमिकता है कि एक भी योग्य मतदाता सूची से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि बीएलओ एवं सहायक बीएलओ की भूमिका अभियान में सबसे महत्वपूर्ण है। उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन बीएलओ को आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह में जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 का मूल उद्देश्य शुद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है। उन्होंने कहा कि मतदाता फॉर्म भरने की प्रक्रिया अत्यंत सहज है, जिसमें आयोग द्वारा निर्धारित 11 में से किसी एक दस्तावेज को संलग्न कर बीएलओ को जमा करना है। उन्होंने मतदाताओं से किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की तथा किसी भी जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1950 पर कॉल करने का सुझाव दिया। इस अवसर पर जिला स्वीप आइकॉन एवं प्रसिद्ध लोक गायिका पूनम मिश्रा ने जागरूकता गीत प्रस्तुत कर लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता मुकेश रंजन, डीपीआरओ परिमल कुमार, डीपीओ आईसीडीएस समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुहर्रम में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए डीएम , एसएसपी ने की बैठक ,दिए जरूरी निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर जिला पदाधिकारी सुब्रत कुमार सेन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने मुहर्रम पर्व के शांतिपूर्ण आयोजन तथा विधि व्यवस्था संधारण हेतु प्रतिनियुक्त प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। साथ ही मुहर्रम पर्व के अवसर पर जिला समन्वय समिति की बैठक भी समाहरणालय सभागार में की गई। पर्व के अवसर पर प्रतिनियुक्त अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने सभी अधिकारियों को अलर्ट रहने तथा पूरी जिम्मेदारी के साथ विधि व्यवस्था संधारित रखने का निर्देश दिया। इसके लिए आवश्यक एहतियाती उपायों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। अधिकारीद्वय ने कहा कि बिना लाइसेंस के एक भी जुलूस नहीं निकाले जाएंगे। लाइसेंस 100 प्रतिशत रहे। जुलूस आयोजक से समन्वय स्थापित कर उन्हें लाइसेंस की शर्तों से अवगत कराने का निर्देश दिया। इसे सुनिश्चित करने का निर्देश अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को दिया गया। हरेक जुलूस का दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी द्वारा एस्कॉर्ट किया जाएगा। इस बात का ध्यान रखने का निर्देश दिया गया है कि प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी जुलूस का शुरू से अंत तक पूरी जवाबदेही से एस्कॉर्ट करें। ड्रोन कैमरा और वीडियोग्राफी से जुलूस की मॉनिटरिंग की जाएगी। अफवाह फैलानेवाले असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों पर पुलिस को पैनी नजर रखने तथा दोषी को चिन्हित कर कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। पर्व के अवसर पर डीजे पर रोक लगाया गया है। हर एक थानाध्यक्ष एवं अंचलाधिकारी को कड़ी नजर रखने तथा उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने छोटी सी छोटी घटनाओं को भी वरीय अधिकारियों को अवगत कराने तथा आपसी समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया। इस क्रम में विवादित एवं संवेदनशील जगहों पर विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। पर्व के अवसर पर विधि व्यवस्था की मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम के द्वारा की जाएगी। कर्मियों की तैनाती कर सतत एवं प्रभावी मॉनिटरिंग की जाएगी। थानावार शांति समिति की बैठक की जा चुकी है तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित कर बैठक में सभी आवश्यक दिशा निदेर्शों तथा एहतियाती उपायों से अवगत करा दिया गया है ताकि आपसी समन्वय एवं सहयोग से पर्व का शांतिपूर्ण आयोजन हो सके।

नव नामांकित छात्रों का उत्सवीय माहौल में करें वर्गारम्भ : कुलपति

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के अन्तर्गत स्नातकोत्तर विभागों एवं महाविद्यालयों में प्रथम चक्र में आनलाइन प्रविष्ठ छात्रों का वर्गारम्भ 10 जुलाई से शुरू होगा। व्यास पूर्णिमा गुरुवार के दिन सभी संस्थाएं प्रधान उत्सवीय माहौल में वर्गारम्भ करें। रोचक कार्यक्रम, लघुकालिक पाठ्यक्रम आदि आयोजित कर उत्साह वर्धन कर छात्रों एवं उनके अभिभावकों को आमंत्रित कर अभिनवोत्सव अथवा प्रवेशोत्सव या परिचयोत्सव नाम देकर वर्गारम्भ करें। स्नातकोत्तर विभागाध्यक्षों , सभी महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के साथ द्वितीय आनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए शुक्रवार को कुलपति प्रो.लक्ष्मीनिवास पाण्डेय ने उक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आनलाइन नामांकन समय की मांग है। इससे छात्रहित तथा संस्था हित में सुचिता बनी रहती है। उक्त जानकारी देते हुए पीआरओ निशिकांत ने बताया कि आनलाइन नामांकन संबंधित द्वितीय कार्यशाला की शुरूआत छात्र कल्याण अध्यक्ष डॉ.शिवलोचन झा ने की। डीन डॉ.झा ने विभाग एवं कालेज स्तर पर कुल प्राप्त नामांकन सूची प्रस्तुत को प्रस्तुत करते हुए वस्तुस्थिति को स्पष्ट किया। वहीं, युनिवर्सिटी कालेज मेनेजमेंट सिस्टम के नोडल पदाधिकारी डॉ. रामसेवक झा ने पीपीटी के माध्यम से आनलाइन नामांकन का संशोधन एवं स्वीकृत करने की प्रक्रियाओं से अवगत कराया। साथ ही आनलाइन नामांकन संबंधित आवश्यक जानकारी भी साझा की।इसके अलावा कार्यशाला में सूचना वैज्ञानिक डॉ.नरोतम मिश्र ने वेबसाइट तथा पोर्टल संबंधित तकनीकी जानकारी दी। कार्यशाला में उपकुलसचिव डॉ.सुनील कुमार झा, डॉ दिलीप कुमार झा के अलावा सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, महाविद्यालय के प्रधानाचार्य, नामांकन प्रभारी तथा तकनीकी विशेषज्ञ प्राध्यापक आनलाइन जुड़े।

मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के खिलाफ महागठबंधन 9 जुलाई को सड़क पर उतरेंगे

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को तत्काल वापस लेने, मतदान के अधिकार को छीनना बंद करने, चुनाव आयोग के माध्यम से गरीब, अनपढ़, दलित, महादलित, अल्पसंख्याकों को मतदाता सूची से नाम काटने के ताथकथित अभियान के खिलाफ माहागठबंधन दलों की बैठक भरपुरा में एक निजी आवास पर आयोजित की गयी ।अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कपिलेश्वर कुंवर एवं संचालन सीपीआईएम के सिया प्रसाद यादव ने किया। बैठक में 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल को कारगर बनाने का निर्णय लिया गया ।इसी कड़ी में सिंघिया घाट में दिन के 11 बजे से 01 बजे तक दो घंटे के लिए सड़क जाम करने का निर्णय लिया गया ।बैठक को संबोधित करते हुए विधायक अजय कुमार ने कहा कि मोदी सरकर ने पहले श्रमिकों के अधिकारों को छीना, अब जनता से प्रमाण पत्र मांगना शुरू किया है। सरकर आज तक सभी लोगों को साक्षर नहीं बना पाई ।जो अभी तक अनपढ़ है वे कौन सा शैक्षणिक प्रमाण पत्र दे पाएंगे। सबका साथ सबका विकास का नारा देते हुए सब का अधिकार छीनने पर मोदी सरकार अमादा है। इसके खिलाफ सड़क पर उतरना होगा। 9 जुलाई के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जोरदार तैयारी शुरू किया गया है ।बैठक को सीपीएम जिला सचिव मंडल सदस्य महेश कुमार ,राजद प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र कुमार यादव, लोकल मंत्री सीपीएम श्याम किशोर कमल, मिथिलेश सिंह ,कांग्रेस के संजीव ठाकुर,डीवाईएफआई के अंचल अध्यक्ष बबलू कुमार, शशिकांत झा,राम ज्ञान सिंह ,राजद नेता कुमार गौरव, मनोज कुमार कुशवाहा, फुलेश्वर महतो, उमेश दास क्रांति कुमार ,राजेंद्र ठाकुर ,राम पुकार यादव, चंद्रभूषण सिंह आदि ने संबोधित किया।

चाची ने जहर देकर की भतीजे की हत्या

प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले के उजियारपुर थाना क्षेत्र में एक चाची ने अपने ही भतीजे को जहर खिलाकर हत्या कर फरार हो गई ।भतीजे की आज होने वाली थी शादी ।सूचना पर पहुंची उजियारपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज फरार चाची और चाचा की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है । पूरी घटना उजियारपुर थाना क्षेत्र के बलभद्रपुर वार्ड 3 की है जहां आज शाम में 5:00 बजे मृतक की शादी चाची की बहन की बेटी से होने वाली थी । इस शादी से चाचा नाराज चल रही थी ।तो आज घर बुलाकर उसे गिलास में जहर देकर फरार हो गई । मृतक की पहचान मोहम्मद इलियास के 18 वर्षीय पुत्र अली हुसैन के रूप में हुई है । बताया जाता है कि लड़का उजियारपुर में ही एक टायर दुकान में काम करता था ।कुछ सालों से अपनी ही चाची हसबुल खातून की बहन की बेटी से प्यार करने लगा दोनों परिवार की रजामंदी से आज दोनों का निकाह पांच बजे होने वाली थी लेकिन इस शादी से शुरू से ही मृतक की चाची हसबुल खातून नाराज थी वो अपनी रिश्तेदारी में शादी नहीं करना चाहती थी ।तो आज उसने उसे जहर देकर हत्या कर दी । सूचना पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है ।मृतक के पिता का बताना है कि मेरे दो लड़के हैं जिसमें बड़े मोहम्मद अली हुसैन की आज शादी होने वाली थी । मेरी भाभी हसबुल खातुन ने जहर खिलाकर उसकी आज हत्या कर दी है और घटना के बाद से घर छोड़कर फरार हो गई है। दुश्मनी की वजह मेरे बेटे की शादी मेरी भावी के बहन की बेटी से ही होने वाली थी ।लेकिन मेरी भावी नही चाहती थी कि उसके रिश्तेदार से शादी हो । इस संबंध में एएसआई दीपशिखा का बताना है कि मौत की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर गई थी उसके बाद मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट तैयार कर सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए लेकर आए हैं घटना को लेकर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी परिवार के द्वारा बताया गया है कि आज मृतक युवक की शादी थी लेकिन उसकी चाची ने अपने घर पर बुलाकर उसे गिलास में कुछ देकर पिला दिया उसके बाद ही उसकी मौत हो गई थी । मृतक के पिता का बताना है कि मेरे दो लड़के हैं जिसमें बड़े मोहम्मद अली हुसैन की आज शादी होने वाली थी । मेरी भाभी हसबुल खातुन ने जहर खिलाकर उसकी आज हत्या कर दी है और घटना के बाद से घर छोड़कर फरार हो गई है। दुश्मनी की वजह मेरे बेटे की शादी मेरी भावी के बहन की बेटी से ही होने वाली थी ।लेकिन मेरी भावी नही चाहती थी कि उसके रिश्तेदार से शादी हो ।

हमारे पुण्य व श्रेष्ठ कर्मों की पूंजी ही जीवन को सुखमय बनाता है : कंचन दीदी

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा ।प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के प्रशासक विभाग द्वारा बिहार के प्रशासक एवं अधिकारी विभाग के लोगों को सुशासन एवं तनाव मुक्ति खुशनुमा जीवन के लिए मेडिटेशन कार्यक्रम आज दरभंगा में चार जगह किया गया जिसका पहला कार्यक्रम एसपी ऑफिस के ऊपर हाल में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए हुआ जिसका अध्यक्षता पुलिस लाइन के पुलिस उपाधीक्षक शशि भूषण ने किया दूसरा कार्यक्रम लाइफ इंश्योरेंस कर्मचारी ,अधिकारी एवं एजेंट के लिए हुआ जिसका अध्यक्ष था प्रबंधक शिव शंकर जी ने किया ।तीसरा कार्यक्रम समाहरणालय के सभागार में यहां के अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए हुआ जिसका अध्यक्षता सूचना पदाधिकारी ने कियाएवं अन्तिम कार्यक्रम एस बी आई रिजीनल कार्यालय के सभागार में हुआ जिसका अध्यक्षता क्षेत्रीय प्रबंधक विजय कुमार सिंह ने किया। अपने उद्बोधन में मुख्य राजयोगी शिक्षिका कंचन दीदी ने कही की हमारे पुण्य की पूंजी व श्रेष्ठ कर्मों की पूंजी ही जीवन को सुखमय बनाता है। आज के समय जब हम यह समझने लगे हैं कि पैसा व स्थूल धन ही सब कुछ है तो बहुत सारे गलत काम होने लगे हैं ।मेडिटेशन और आध्यात्मिकता हमें अच्छे कर्म की प्रेरणा जगाता है और दूसरों को सुखी देने की कला सिखाता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस दुनिया की कोई भी चीज हम ऊपर नहीं ले जा सकते न अपने साथ ले जा सकते हैं ।हमारे साथ हमारे श्रेष्ठ कर्म व संस्कार ही जाते हैं अतः हमें अपने कर्मों को श्रेष्ठ व सुखमय बनाना सीखना होगा। उन्होंने आगे कहा कि मन की लोकर को चेक कीजिए जिसमें हमारे मन की कैसे भावनाएं हैं और उसको कैसे श्रेष्ठ बनाएं। ब्रह्मा कुमारीज मुख्यालय माउंट आबू से पधारे मुख्यालय संयोजक भारत हरीश ने सभी को मुख्यालय माउंट आबू में प्रशासक एवं प्रबंधक बैंक के कार्यक्रम का निमंत्रण दिए उन्होंने आगे कहा कि जीवन को जीने की कला हमें आध्यात्मिकता और मेडिटेशन ही देता है मेडिटेशन की शक्ति हमारे आंतरिक शक्ति को बढ़ाता है अतः हम सभी को ब्रह्मा कुमारीज के किसी भी शाखा में जाकर मेडिटेशन जरूर सीखना चाहिए मेडिटेशन की गहन अनुभूति गुजरात से पधारी राज योगिनी मधु दीदी ने कराई। उन्होंने आगे कहा कि मेडिटेशन हम सबको सुख देने का आधार है ,जीवन में सच्ची शांति का आधार है मेडिटेशन ।संस्था की दरभंगा सेवाकेंद्र के संचालिका ने सभी का स्वागत किया एवं मन संचालन कुशलता पूर्वक वरिष्ठ राजयोग शिक्षक सुधाकर भाई ने किया।

फुलहर को मिलेगा वैश्विक पर्यटन स्थल का दर्जा, डीएम ने किया स्थल का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा ने शुक्रवार को अपने क्षेत्रीय भ्रमण के क्रम में ऐतिहासिक एवं धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण फुलहर स्थल का निरीक्षण किया। यह वही स्थल है जहा माता जानकी एवं प्रभु श्रीराम का प्रथम मिलन हुआ था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को कार्यों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए ।उल्लेखनीय है कि दिनांक 12 जनवरी 2025 को माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रगति यात्रा के दौरान फुलहर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा की गई थी। इस योजना को 04 फरवरी 2025 को औपचारिक स्वीकृति प्रदान की गई। जिला प्रशासन द्वारा परियोजना के त्वरित क्रियान्वयन के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं ।शर्मा ने कहा कि यह स्थल धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके समुचित विकास से न केवल क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विकास कार्यों के दौरान मूल सांस्कृतिक पहचान को पूरी तरह संरक्षित रखा जाएगा तथा श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि वे योजनाबद्ध ढंग से कार्य प्रारंभ करें, ताकि फुलहर की ऐतिहासिक गरिमा को वैश्विक पहचान दिलाई जा सके।

मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला के जयनगर के अनुमण्डल मुख्यालय स्थित एसडीएम कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को मुहर्रम पर्व को लेकर प्रशासन के द्वारा विभिन्न अखाड़ों के कमिटियों , राजनीतिक दलों के कार्यकताओं और गणमान्य लोगो व जनप्रतिनिधियों के साथ विधिव्यवस्था को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम दीपक कुमार के द्वारा किया गया। प्रशासन के द्वारा बैठक में उपस्थित क्षेत्र के विभिन्न अखाड़ों के कमिटियों के प्रतिनिधियों से परिचय पात्र कर लोगो से मुहर्रम मनाने को लेकर विस्तृत जानकारी लेते हुए विचार विर्मश कर कई अहम निर्णय लिए गये एवं अखाड़ों के कमिटियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये। विभिन्न अखाड़ों के कमिटियों के द्वारा जानकारी दी गई कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में झांकियां के साथ जुलूस निकाला जायेगा। जो की जुलूस अखाड़ों से शुरू होकर क्षेत्र बाजार भर्मण कर पुनः अपने अपने क्षेत्र के अखाड़ों पर चले जायेंगे। जुलुश रूट चार्ट और जुलुश में शामिल लोगो की संख्या की जानकारी दी जाएगी। विभिन्न अखाड़ों पर कमिटियों के द्वारा सजा हुआ ताजिया रखकर मेला का आयोजन होगा। पहलाम ताजिया मिलन नहीं होगा अखाड़ों पर ही ताजिया रखकर लोगों के द्वारा विभिन्न तरहों के खेल और करतब प्रदर्शन कर दिखाया जायेगा। जुलुश और अखाड़ों पर पुलिस बल की तैनाती और क्षेत्र में गस्ती बढ़ाने की मांग की गई। विस्तृत जानकारी लेने के पश्चात प्रशासन के द्वारा कहा गया कि मुहर्रम समेत अन्य पर्व त्योहार प्रेम आपसी भाई चारे के प्रतीक होता है। आप सभी आपसी प्रेम सद्भाव सौहार्द पूर्ण माहौल में शान्तिपूवर्क भाई चारे के साथ मुहर्रम पर्व त्योहार मनायें। जुलुश निकालने और मुहर्रम मनाने को लेकर सभी अखाड़ा के कमिटियों को लाईसेंस लेना अनिवार्य हैं। लाइसेंस के लिए थाने में विस्तृत जानकारी के साथ आवेदन जमा करने की बात कही गई। मुहर्रम जूलुस निकालने को लेकर क्षेत्र में समय और रूट मार्ग निर्धारित की गई है। जुलुश के दौरान भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। सभी अखाड़ा पर और जुलश में प्रयाप्त सूरक्षा को लेकर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती रहेगी क्षेत्र पुलिस प्रशासन की टीम गस्त लगाती रहेगी। निर्धारित समय और तय मार्ग रूट पर ही जूलुस निकालने और और अपने अपने अखाड़ा पर ही मेला और खेल करतब का प्रदर्शन करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश कमिटियों को दिए गये। जुलुश में डीजे नहीं बजाया जायेगा एवं किसी भी प्रकार का विवादित भड़काऊ स्लोगन आपत्ति जनक वाली झांकिया नहीं निकाली जाएगी और न ही नारें लागये जायेंगे।

जानकारी के अभाव में किसी का नाम न छूटे : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। प्रेक्षागृह दरभंगा में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी कौशल कुमार द्वारा विकास मित्र के साथ मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर संवाद किया। संबंधितअधिकारी हर हाल में योग्य नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जोड़ें ।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी विकास मित्र को बीएलओ से संपर्क कर सर्वप्रथम अपने और अपने परिवार के मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि महादलित टोलों में जानकारी के अभाव में विशेष गहन पुनरीक्षण में किसी का नाम न छूटे सभी विकास मित्र सुनिश्चित करेंगे ।साथ ही सभी का नैतिक जिम्मेदारी भी है की किसी मतदाता का नाम न छूटे। उन्होंने सभी को महादलिटोलों में ग्राम सभा करने एवं सभी को मतदाता सूची में गहन पुनरीक्षण के संबंध में जानकारी तथा बीएलओ को सहयोग करने का निर्देश दिया ।उन्होंने कहा कि यदि किन्हीं का नाम विकास रजिस्टर में है तो वह भी दस्तावेज मान्य होगा ।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने उपस्थित बीएलओ से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों के संबंध में जानकारी लिया ।उन्होंने बीएलओ को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। एक से दो दिनों के अंदर 2003 के मतदाता सूची से मिलान करने का निर्देश दिया। गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य है कि मृत मतदाता, डुप्लीकेट मतदाता एवं स्थाई रूप से पलायन कर गए मतदाता का नाम मतदाता सूची से डिलीट करना है। उन्होंने कहा कि सभी विकास मित्र का नैतिक दायित्व है कि सभी महादलित टोला में आज ही से प्रचार प्रसार करना सुनिश्चित करेंगे एवं महादलित परिवार को जागरूक करेंगे। सभी विकास मित्र को जिला कल्याण पदाधिकारी, अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारी के नेतृत्व में कार्य करने को कहां। सभी विकास मित्र गहन पुनरीक्षण कार्य को सफल बनाना सुनिश्चित करेंगे ।अभियान के संबंध में सभी को जानकारी दें,कोई अभियान से वंचित न रहे ।मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत 25 जून से 26 जुलाई तक तक घर-घर सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा वहीं अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 30 सितंबर को किया जाना है। इस अवसर पर जिला कल्याण पदाधिकारी, अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सब इलेक्शन ऑफिसर प्रिया एवं संबंधित पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित, लाइसेंस लेना होगा अनिवार्य

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी गुरुवार को जयनगर थाना परिसर में मुहर्रम पर्व त्योहार को लेकर प्रशासन के द्वारा विभिन्न अखाड़ों कमिटियों , राजनीतिक दलों के कार्यकताओं और गणमान्य लोगो के साथ विधिव्यवस्था को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व संयुक्त रूप से बीडीओ राजीव रंजन कुमार और थाना अध्यक्ष अमित कुमार के द्वारा किया गया। प्रशासन के द्वारा बैठक में उपस्थित क्षेत्र के विभिन्न अखाड़ों के कमिटियों के प्रतिनिधियों से परिचय पात्र कर लोगो से मुहर्रम मनाने को लेकर विस्तृत जानकारी लेते हुए विचार विर्मश कर कई अहम निर्णय लिए गये एवं अखाड़ों के कमिटियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये। विभिन्न अखाड़ों के कमिटियों के द्वारा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में झांकियां के साथ जुलूस निकाला जायेगा। जो की जुलूस अखाड़ों से शुरू होकर क्षेत्र बाजार भर्मण कर पुनः अपने अपने क्षेत्र के अखाड़ों पर चले जायेंगे। जुलुश रूट चार्ट और जुलुश में शामिल लोगो की संख्या की जानकारी दी जाएगी। विभिन्न अखाड़ों पर कमिटियों के द्वारा सजा हुआ ताजिया रखकर मेला का आयोजन होगा। पहलाम ताजिया मिलन नहीं होगा अखाड़ों पर ही ताजिया रखकर लोगों के द्वारा विभिन्न तरहों के खेल और करतब प्रदर्शन कर दिखाया जायेगा। जुलुश और अखाड़ों पर पुलिस बल की तैनाती और क्षेत्र में गस्ती बढ़ाने की मांग की गई। विस्तृत जानकारी लेने के पश्चात प्रशासन के द्वारा कहा गया कि मुहर्रम समेत अन्य पर्व त्योहार प्रेम आपसी भाई चारे के प्रतीक होता है।

डीएम ने जनता दरबार में फरियादियों से किया सीधा संवाद

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई जिलाधिकारी श्री नवीन ने समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में शुक्रवार 04 जुलाई को जनता दरबार का आयोजन कर पीड़ित लोगों की गंभीरता से व्यथा सुनी। उन्होंने मौके पर कई मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन भी किया साथ ही कुछ प्रकरणों को इससे जुड़े विभाग को अग्रसारित कर विधि सम्मत कार्रवाई किए जाने का निर्देश दिया। जिले के दूर-दराज से आए लोग जनता दरबार में अपनी बात रखकर संतुष्ट दिखे। वहीं उन्होंने जनता दरबार में भूमि विवाद , अतिक्रमण , दाखिल खारिज , रैयति भूमि का निबंधन , अनुग्रह अनुदान , खतियान , दखल-कब्जा , जमीन की नापी , प्रधानमंत्री आवास योजना , विकलांग पेंशन , चयन प्रक्रिया , जमाबंदी , सेवान्त लाभ , सामाजिक सुरक्षा से लाभ , अनुज्ञप्ति रद्द , अनुकम्पा नियुक्ति , राशि-गबन , रास्ता अवरुद्ध , मार-पीट , बासगीत पर्चा , पक्की नली गली , आंगनवाड़ी , गैर मजरूआ विवाद समेत अन्य मामले आये। उन्होंने तमाम प्रकरणों को गंभीरता से लिया और इस पर यथोचित कार्रवाई किए जाने की बात कही। जिलाधिकारी महोदय ने इस अवसर पर कहा कि जनता की व्यथा को दूर करना जिला प्रशासन का मुख्य मकसद है। सरकार द्वारा संचालित जनपयोगी राज्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ कमजोर वर्गों को मिले इसके लिए कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। जनता इन योजनाओं का लाभ उठाएं और सरकार की सोच को साकार करने में सहयोग दें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गति देने में शिथिलता और अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके लिए अधिकारियों को निष्ठा एवं आपसी समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में रामदुलार राम, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, विरेन्द्र कुमार ,जिला पंचायती राज पदाधिकारी,मो०इरफान आलम, जिला परिवहन पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी जमुई, सहायक निदेशक सामाजिक, सुरक्षा कोषांग, श्रम अधीक्षक जमुई, विद्युत विभाग के पदाधिकारी समेत कई विभागीय पदाधिकारी मौके पर उपस्थित थे।

मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों का भौतिक निरीक्षण जिला पदाधिकारी ने किया, दिए अवश्यक निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी, मुंगेर के द्वारा गुरुवार को सदर प्रखण्ड के मय पंचायत में मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों का भौतिक निरीक्षण किया। मुंगेर जिले के मतदाताओं से जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह-जिलाधिकारी, मुंगेर ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में अपेक्षित सहयोग करने की अपील की। उन्होंने सभी मतदाताओं से कहा कि घर घर आपलोगों के हितार्थ ही किया जा रहा है, इस लिए इसमें आपका सहयोग अत्यंत ही अपेक्षित है। जिला पदाधिकारी ने उपस्थित अंचलाधिकारी, बीएलओ और सुपरवाइजर को स्पष्ट निर्देश दिया कि घर-घर जाकर योग्य नागरिकों को मतदाता सूची में जोड़ना सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रत्येक योग्य नागरिक के पास जाए और मतदाता सूची उनका नाम दर्ज करने के लिए मार्गदर्शन दें एवं गणना प्रपत्र भरकर जमा करना सुनिश्चित करें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट कहा कि सभी मतदाताओं के घरों में जाएं और सभी योग्य मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना सुनिश्चित करें। स्पष्ट रूप से चेतावनी देते हुए जिला पदाधिकारी ने कहा कि प्रपत्र वितरण एवं अपलोड करने में लापरवाही पर अनुशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मुंगेर जिले के सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में अपना पूर्ण सहयोग दें। गणना प्रपत्र भर कर संबंधित बीएलओ के पास जमा करायें।

भारतीय संस्कृति में पर्यावरण का बहुआयामी महत्व

प्रकृति संवेदनशील और विनाशकारी दोनों है, अतः प्रकृति को प्रदूषण से बचाना हमारा दायित्व है

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई:-मुंगेर विश्वविद्यालय मुंगेर के निर्देशानुसार वन महोत्सव (1-7) के अवसर पर केकेएम कॉलेज स्थित नेशनल सर्विस स्कीम (एनएसएस) के तत्वाधान में वृक्षारोपण किया गया और भारतीय संस्कृति में पर्यावरण और वृक्षारोपण के महत्व पर एक लघु गोष्ठी की गई, जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. अनिंदो सुंदर पोले ने की। मौके पर उपस्थित प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ मनोज कुमार ने कहा कि वृक्षारोपण पर्यावरण और मानव के लिए अति आवश्यक है। भारतीय संस्कृति में पर्यावरण और वृक्षारोपण का बहुआयामी महत्व है। कहते हैं कि एक वृक्ष 10 पुत्रों के बराबर होता है। पीपल का पेड़ 24 घंटे आक्सीजन प्रदान करता है। इसीलिए हर व्यक्ति को मां के नाम एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए। नेशनल सर्विस स्कीम के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ अनिंदो सुंदर पोले ने कहा कि वृक्षारोपण मानव का पुण्य कर्तव्य है। परिसर में वृक्ष दो उद्देश्य को लेकर लगाए जाते हैं- प्रथम परिसर को सुंदर बनाना और दूसरा परिसर को प्रदूषण मुक्त रखना। वृक्ष विषैली गैसों को भी सोखने का काम करती है। पर्यावरण और प्रकृति की सुरक्षा के लिए वृक्ष लगाना जरूरी है। प्रकृति संवेदनशील और विनाशकारी दोनों है। इसलिए प्रकृति को प्रदूषण से बचाना हमारा मूलभूत कर्तव्य है। अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. गौरी शंकर पासवान ने कहा कि वन प्रकृति की अमूल देन है। भारतीय संस्कृति मूलतः अरण्यक संस्कृति रही है। प्रकृति की आराधना और पर्यावरण संरक्षण करना पुराना चिंतन है। उन्होंने कहा कि रामायण काल में भगवान राम को दंड स्वरूप वनवास नहीं हुआ था, बल्कि श्री राम ने ऋषि मुनियों पर्यावरण और आरण्यक संस्कृति की रक्षण के लिए वनवासी जीवन बिताया था। मां के नाम एक वृक्ष हर व्यक्ति को लगाना परम धर्म है। व्यक्ति को पांच एफ (f) वाले वृक्ष लगाने चाहिए, जिससे मानव की सारी आवश्यकताएं पूरी हो सके। जैसे फूड, फूडर ,फ्यूल, फाइबर व फर्टिलाइजर। वनों का विनाश मानव प्रतिदिन अपनी आवश्यकताओं के लिए कर रहा है। एक अनुमान के अनुसार विश्व में प्रति वर्ष 15 अरब पेड़ काटे जाते हैं, जबकि सिर्फ पांच अरब ही पेड़ लगाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि आबादी गरीबी को जन्म देती है और गरीबी भूखंडों और प्रदूषण को जन्म देती है। मौके पर उपस्थित प्रो.डीके गोयल, प्रो सरदार राम, प्रो. रण विजय सिंह, डॉ दीपक कुमार, डॉ सत्यार्थ प्रकाश, प्रोफेसर कैलाश पंडित, डॉ श्वेता कुमारी, डॉ रश्मि, डॉ. लिसा, डॉ अजीत कुमार भारती आदि ने कहा कि 33% भूमि पर वन का होना आवश्यक है। जबकि भारत में 21.7% भूमि ही वनों से अच्छादित है। पर्यावरण प्रदूषण योजनाओं और नीतियां बनाने से नहीं रोका जा सकता, केवल नियंत्रित या कम किया जा सकता है। इसके लिए आम आदमी को प्रभावी भूमिका निभानी होगी। कॉलेज परिसर में शिक्षक, शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं के द्वारा मां के नाम एक वृक्ष के तहत छायादार और फलदार पेड़ (जैसे कटहल, आम, नीम, पीपल और जामुन) लगाए गए। मौके पर काफी संख्या में कॉलेज कर्मी रवीश कुमार सिंह, सुशील कुमार तथा अनेक छात्र और छात्राएं उपस्थित थे।

खुलेआम युवक का गोली चलाते वीडियो हुआ वायरल

जमीन विवाद को लेकर लाठी-डंडे और गोलीबारी, दो लोग जख्मी, एक गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा सोनवर्षा राज थाना क्षेत्र के खजुरहा पंचायत अंतर्गत भंवरा गांव के पश्चिम बहियार में गुरुवार को दो पक्षों के बीच जमीन विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प में गोलीबारी भी हुई। इस घटना में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सहरसा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भंवरा गांव निवासी कमलेश्वरी यादव और पतरघट थाना क्षेत्र के गोलमा पंचायत अंतर्गत मोती पोखर गांव निवासी अमित यादव के बीच दो बीघा जमीन को लेकर महीनों से विवाद चल रहा था। गुरुवार को अमित यादव, श्यामल यादव, सहित अन्य लोग विवादित जमीन पर जबरन जुताई कर रहे थे। इसकी सूचना मिलते ही कमलेश्वरी यादव और उनके परिजन मौके पर पहुंचकर विरोध जताया, जिस पर आरोपितों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में सुमित कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, झड़प के दौरान चलाई गई गोली कमलेश्वरी यादव के सिर को छूते हुए निकल गई, जिससे वे बाल-बाल बचे। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। जो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दो लोगों के हाथ में हथियार दिख रहे हैं और एक युवक को गोली चलाते हुए भी देखा जा सकता है। इस संबंध में थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर मारपीट और गोलीबारी की घटना हुई है। मामले में मोती पोखर गांव निवासी अमित कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बरियारपुर के प्रांगण में सभी धार्ती महिलाओं को एक किट किया प्रदान

प्रात : किरण संवाददाता

बरियारपुर (मुंगेर)। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बरियारपुर के प्रांगण में सभी धार्ती महिलाओं को बिदाई के समय घर वापसी के क्रम मे एक किट प्रदान किया गया।इस अबसर पर चिकित्सा पदाधिकारी डा अनील कुमार सिन्हा ने कहा महिलाओं को बच्चे के जन्म के समय होने बाले शारिरिक क्षतिपुर्ती भरपाई करने के लिए यह रोगियों को भरपाई करने के कार्य करेंगे बताया गया बिधि को हर रोगियों को समय समय पर रोगी के सहयोगियों द्वारा तैयार कर भोजन के रुप मे दिया जायेगा । जिससे रोगीयों को प्रशव काल मे होने वाले क्षतिपुर्ती को कम करने का कार्य करेंगे।

आगामी बुधवार को विधिज्ञ संघ का आम सभा बुलाया गया है: अध्यक्ष

मुंगेर । विधिज्ञ संघ खड़गपुर के अध्यक्ष मनोरंजन प्रसाद सिन्हा ने आम सभा की सूचना देकर विधिज्ञ संघ के सभी अधिवक्ताओं को आम सभा की इस बैठक में उपस्थित रहने को कहा है ।उन्होंने अपने प्रेस बयान में कहा है कि विधिज्ञ संघ खड़गपुर का द्विवार्षिक चुनाव 2025- 2017 संपन्न हो चुका है और संघ का कार्य सुचारू तरीके से संचालन करने हेतु आगामी 9 जुलाई 2025 बुधवार को अपराह्न 12:00 बजे से एक आम सभा की बैठक बुलाया गया है उन्होंने बताया है कि पूर्व के महासचिव के द्वारा वर्तमान निर्वाचित महासचिव को कार्या भार नहीं सोंपा गया है इस वजह से विधिज्ञ संघ का दैनिक कामकाज का निष्पादन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है श्री सिन्हा ने कहा कि प्रभार देने के संबंध में पूर्व के महासचिव को कई बार सूचना और मौखिक कहा गया है लेकिन पूर्व के महासचिव ने वर्तमान महासचिव को अब तक प्रभार नहीं दिया है।

आम जनता के लिए अद्यतन मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए दो सुविधा उपलब्ध हैं: निर्वाचन पदाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी- सह- ज़िलाधिकारी मुंगेर अरविंद कुमार वर्मा के सघन मॉनिटरिंग में मुंगेर जिले के सभी विधान सभा क्षेत्रों में मतदाता सूची के सत्यापन हेतू विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य किया जा रहा है ।कार्यों के दौरान मतदाताओं की जानकारी एवं सुविधा हेतु सभी मतदाताओं के लिए इस पुनरीक्षण अंतर्गत अपना नाम अद्यतन मतदाता सूची में जोड़ने हेतु दो सुविधाएं उपलब्ध है। इस पोर्टल पर मतदाता स्वयं अपना फॉर्म आवश्यक दस्तावेजों के साथ कर सकते हैं।

2. सुविधा - इस प्रक्रिया में इछड घर-घर जाकर फॉर्म का वितरण कर रहे हैं तथा सभी मतदाताओं से आवश्यक दस्तावेजों के साथ भरे हुए फॉर्म का संग्रहण भी कर रहे हैं। साथ ही सभी ग्राम पंचायत, नगर निकाय के वार्ड एवं अनुमंडल स्तर पर *सहायता केंद्र* संचालित किए गए हैं। सभी मतदाता आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना भरा हुआ फॉर्म सहायता केंद्र पर जमा कर सकते हैं एवं अन्य आवश्यक सूचना सहायता केंद्र से प्राप्त कर सकते हैं।

स्ट्रीट लाइट की रौशनी से जगमग करने लगी रायभीर पंचायत की चौक चौराहे

प्रात : किरण संवाददाता

शंकरपुर (मधेपुरा) शंकरपुर प्रखंड के रायभीर पंचायत की मुख्य सड़कें स्ट्रीट लाइट से जगमग करने लगी है। रायभीर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सह भाजपा प्रखंड अध्यक्ष प्रभाष चौपाल ने जानकारी देते हुए बताया की पंचायत के वार्ड नंबर 5, 6, 7, 8 एवं 9 के वार्ड में स्ट्रीट लाइट लगाया गया है, पंचायत के बाकी अन्य वार्ड में भी लगाने की प्रक्रिया चल रही हैं, मालूम हो कि रायभीर पंचायत में कुल 17 वार्ड हैं, जिसमें प्रत्येक वार्ड में दस स्ट्रीट लाइट लगाया जाएगा, इसकी भी सारी तैयारी पूरी कर ली गई है, जिससे पंचायत के सभी वार्डो की गलियों भी स्ट्रीट लाइट की रौशनी से जगमग करेगी, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि सरकार एक वार्ड में मात्र दस लाइट वह भी जरूरतमंद स्थानों में लगाने की अनुमति दी है, लेकिन वार्ड के क्षेत्रफल से देखा जाए तो उसकी दूरी अधिक रहने से सभी जगहों पर पूरा नहीं हो पाता है जिस कारण से मुखिया के प्रति लोगों का रिएक्शन अलग ही होता हैं, उन्होंने कहा कि सरकार को कम से कम एक वार्डो के लिए 20 स्ट्रीट लाइट लगाने की अनुमति देना चाहिए था जिससे पंचायत के सभी जरूरतमंद जगह पर स्ट्रीट लाइट पूरा हो जाता। उन्होंने आगे बताया की पंचायत को अगर क्षेत्रफल की दूरी से देखा जाए तो लगभग चार से पांच किलो मीटर के आसपास होगा, जिसमें कई ऐसे महत्वपूर्ण जगह हैं जहां लाइट की जरूरत है।

रेलवे सुरक्षा बल की बड़ी कार्रवाई, बंद फाटक के भीतर ई-रिक्शा खड़ा करने पर दो चालक गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा में रेलवे ट्रैफिक की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर रेलवे सुरक्षा बल ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। शुक्रवार को इंस्पेक्टर धनंजय कुमार के नेतृत्व में एक विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें रेलवे फाटक संख्या 31 के दोनों ओर बंद बूम के अंदर अनधिकृत रूप से घुसे ई-रिक्शा चालकों को मौके से गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक संतोष कुमार सुमन, उप निरीक्षक सुजीत कुमार मिश्रा सहित आर पी एफ के अन्य बल सदस्य शामिल रहे। जानकारी के अनुसार, सहरसा स्टेशन से आगे गेट संख्या 31 पर अक्सर देखा जाता है कि बंद फाटक के बावजूद कई ई-रिक्शा चालक लापरवाही बरतते हुए रेलवे ट्रैक के करीब आकर अपनी गाड़ी खड़ी कर देते हैं। यह न सिर्फ रेलवे कानून का उल्लंघन है बल्कि यात्रियों और चालकों की जान को जोखिम में डालने जैसा कृत्य भी है। इसी संदर्भ में रेलवे सुरक्षा बल को लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इस पर कार्रवाई करते हुए विशेष रूप से निगरानी रखी गई और जब गेट बंद था, उसी दौरान दो ई-रिक्शा चालकों को बूम के भीतर खड़े देखा गया। इन्हें मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। चालकों की पहचान मोहम्मद शमशाद आलम, उम्र 30 वर्ष, पिता मोहम्मद बाली अहमद, जो पुरब बाजार, वार्ड संख्या 31, थाना सदर, जिला सहरसा का निवासी बताया गया वही दूसरा मोहम्मद सोनू, उम्र 25 वर्ष, पिता मोहम्मद रिजवान खान जो दुमरैल, वार्ड संख्या 26, थाना सदर, जिला सहरसा का निवासी बताया गया है। इन दोनों आरोपियों के खिलाफ रेलवे एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और उन्हें माननीय रेलवे न्यायालय में पेश किया गया। रेलवे फाटकों पर लगातार हो रही लापरवाही, खासकर बूम के भीतर वाहनों का प्रवेश, रेलवे ट्रैफिक कंट्रोल और ट्रेनों की आवाजाही में गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। साथ ही किसी भी क्षण बड़ा हादसा हो सकता है। ऐसे में आर पी एफ की यह कार्रवाई रेलवे सुरक्षा मानकों को लागू करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। रेलवे सुरक्षा बल, सहरसा ने आम जनता से यह सख्त अपील की है कि रेलवे नियमों का पालन करें और गेट बंद होने की स्थिति में किसी भी हालत में ट्रैक क्षेत्र में प्रवेश न करें। नियमों का उल्लंघन करने पर न केवल जुमार्ना बल्कि सजा भी हो सकती है।

इस कार्रवाई से यह साफ संदेश गया है कि रेलवे सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जो भी नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

समीक्षा बैठक : आयुक्त मुंगेर की अध्यक्षता में मुंगेर प्रमंडल की विकास कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। अवनीश कुमार सिंह, आयुक्त, मुंगेर प्रमंडल, मुंगेर की अध्यक्षता में शुक्रवार को संग्रहालय सभागार में मुंगेर जिले में चल रहे विकास कार्यों, प्रगति यात्रा के दौरान स्वीकृत कार्यों तथा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 से संबंधित कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की एजेंडावार समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा, नगर आयुक्त शिवाक्षी दीक्षित, आयुक्त के सचिव सुधीर कुमार, अपर समाहर्ता मनोज कुमार, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सह विशेष कार्य पदाधिकारी देवव्रत मिश्रा, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह सहित जिले के सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। आयुक्त ने उपस्थित सभी अधिकारियों से स्पष्ट शब्दों में कहा कि आप सभी अपने कार्य शैली में सुधार लाएं तथा पारदर्शी एवं समावेशी तरीके से कार्यों को निपटाएं। प्रोएक्टिव मोड में कार्य करें, ताकि सभी कार्य ससमय निष्पादित हो सके। उन्होंने जिलाधिकारी से कहा कि सभी विभागों कि समीक्षा करें। साथ ही प्रगति यात्रा के दौरान माननीय मुख्यमंत्री द्वारा कि गई घोषणाओं के क्रियान्वयन कार्यों में भी तेजी लाएं। बैठक में कार्यपालक दण्डाधिकारी सदर, नीलाम पत्र वाद सह जिला कल्याण पदाधिकारी मुंगेर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी मुंगेर, महाप्रबंधक उद्योग तथा उप नगर आयुक्त के कार्यकलाप पर असंतोष व्यक्त करते हुए उनके खिलाफ स्पष्टीकरण करने तथा वेतन स्थगित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि गुणवत्तापूर्ण कार्य करें, लापरवाही एवं बहानेबाजी बिल्कुल भी बर्दास्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नीलाम पत्र वाद सह जिला कल्याण पदाधिकारी एवं उप नगर आयुक्त को अपने कार्यों में सुधार के निर्देश देते हुए कहा कि यदि कार्य में सुधार नहीं हुआ तो आप दोनों के खिलाफ प्रपत्र ह्यह्यकह्यह्य की अनुशंसा की जाएगी। आयुक्त ने कष्टहरणी घाट, चण्डिका स्थान एवं खड़गपुर झील के सौंदर्यीकरण एवं तेलडीहा मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य की धीमि गति पर असंतोष व्यक्त करते हुए जिला पर्यटन पदाधिकारी को फटकार लगायी। उन्होंने कहा कि कष्टहरणी घाट के सौंदर्यीकरण का कार्य एक सप्ताह में प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। साथ ही तेलडीहा मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य में जमीन अधिग्रहण होने की कार्रवाई को शीघ्र पूर्ण कर कार्यारम्भ के निर्देश दिए। बासुदेवपुर से चण्डिका स्थान तथा नगर निगम कार्यालय से शास्त्री चैक तथा कोर्णाक मोड़ से शास्त्री चैक रिफ्यूजी कॉलोनी तक सड़क निर्माण कार्य को भी एक सप्ताह के अंदर प्रारंभ करने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित कार्यपालक अभियंता को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि एक सप्ताह के अंदर कार्य प्रारंभ कराएं। आठवें दिन स्वयं उनके द्वारा कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा, जिसमें लापरवाही अथवा कार्य प्रारंभ नहीं होने की स्थिति में कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रगति यात्रा के दौरान ही माननीय मुख्यमंत्री द्वारा इन सड़कों के निर्माण के लिए स्वीकृति तथा आवंटन उपलब्ध करा दी गयी थी, इसके बावजूद अब तक कार्य आरंभ नहीं होना लापरवाही का द्योतक है। उन्होंने इन सभी सड़कों के निर्माण कार्य को दुर्गा पूजा के पूर्व पूर्ण करने का निर्देश दिया। मुंगेर विश्वविद्यालय निर्माण कार्य की भी आयुक्त ने समीक्षा की। उन्होंने सहायक भू-अर्जन पदाधिकारी से कहा कि निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण करने की कार्रवाई पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बहानेबाजी न करें, यह अत्यंत ही महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है, इस लिए स्वयं दौड़ भाग कर जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई पूर्ण करने तथा निर्माण कार्य की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए। साथ ही नए विद्युत शवदाह गृह के जमीन अधिग्रहण के लिए भी निर्देश दिए गए।

मतदाता पुनरीक्षण के नाम पर की जा रही मताधिकार का हनन और लोकतंत्र की हत्या : डॉ सादा

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा बिहार प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ट नेता डॉ तारानंद सादा ने कहा कि भाजपा बिहार विधानसभा में अपनी पराजय देखकर चुनाव आयोग के सहारे गरीब, गुरबों को वोट से वंचित करने का प्लान बनाया है। वह भी यह सम्पूर्ण देश के बजाय सिर्फ बिहार में किया जा रहा है। चुनाव आयोग को सत्तारूढ़ पार्टी के इशारे पर नहीं वल्कि संविधान द्वारा निर्धारित अपनी सीमाओं के भीतर काम करना चाहिए और लोकतंत्र तथा मतदाताओं का गुलाम बनना चाहिए न कि भाजपा का गुलाम? एक महीने के भीतर किसी रूप में पुनरीक्षण संभव नहीं है और आयोग को हर नागरिक के वोट के अधिकार की रक्षा करनी चाहिए। बिहार में सत्ता के इशारे पर हो रहा यह सब देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए ही नहीं हर एक मतदाता के लिए खतरा है और विशेष गहन पुनरिक्षण अभियान के बहाने लोकतंत्र की हत्या की जा रहीं है।आश्चर्य की बात है आयोग माता पिता का जन्म प्रमाण पत्र शैक्षणिक प्रमाण पत्र आदि मांग रहा है लेकिन आम आदमी की पहचान आधार का प्रचार करने वाली भाजपा सरकार में आयोग ने आधार को दस्तावेज नहीं माना है और न ही राशन कार्ड, मनरेगा जाब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस को दस्तावेज माना है। चुनाव आयोग के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी जी का निशाने का शिकार अल्पसंख्यक मतदाताओं के साथ-साथ अनुसूचित जाति, अत्यंत पिछड़ा वर्ग, मजदूरों बाहर रहनेवाले मध्यम वर्गों के युवा होंगे। भारतीय लोकतंत्र के संविधान द्वारा प्रदत राजा और रंक को समानता के एक वोट के अधिकार से बंचित करने की बहुत बडी साजिश है। डॉ सादा ने कहा कि -चुनाव आयोग के इस निर्णय से 20 प्रतिशत वोट का प्रभावित होना निश्चिंत है। इससे आम आदमी को मिले मताधिकार का अधिकार का हनन के साथ-साथ देश के संविधान और लोकतंत्र पर कुठाराघात है। कॉग्रेस पार्टी इसकी घोर निंदा करते हुए मतदाताओं से आगे आने की अपील करती है तथा सरकार और चुनाव आयोग से मांग करती है कि अपने तुगलकी फरमान को वापस लें वरना कांग्रेस सड़क से संसद तक इस फरमान के विरुद्ध लड़ाई लड़ेगी।

नीतीश कुमार सरकार के प्रयास से कलाकारों को मिलेगा तीन हजार की मासिक पेंशन : मनोज

मुंगेर । जिला जनता दल यू के जिला प्रवक्ता मनोज कुमार रघु ने प्रेस बयान जारी कर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने कलाकारों को मासिक पेंशन प्रदान किए जाने के लिए मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना को गुरुवार को कैबिनेट ने स्वीकृति दी । प्रवक्ता मनोज कुमार रघु ने बताया कि राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत संरक्षित रखने में निरंतर योगदान देने वाले वरिष्ठ और आजीविका संकट से जूझ रहे उत्कृष्ट कलाकारों को प्रति माह 3000रु की पेंशन राशि प्रदान की जाएगी यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि बिहार राज्य के वरिष्ठ एवं आर्थिक रूप से कमजोर कलाकारों को मासिक पेंशन प्रदान किए जाने के लिए मुख्यमंत्री को बहुत-बहुत आभार, जिससे कि कलाकारों का उत्साह वर्धन होगा ।

बिहार एवं केंद्र सरकार गठित करे तेली घाणी विकास बोर्ड : डॉ शशांक सुमन विक्की

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा राष्ट्रीय वैश्य महासभा के युवा अध्यक्ष डॉङ्क शशांक सुमन विक्की ने कहा कि बिहार सरकार बहुत सारे नए- नए बोर्ड आयोग का लगातार गठन कर रही है, लेकिन अतिपिछड़े वर्ग अथवा वैश्य समुदाय की सबसे ज्यादा आबादी वाली तेली जाति समाज के लिए तेली घानी विकास बोर्ड का गठन अब तक नहीं किया गया है। अन्य राज्य राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार द्वारा तेली घाणी विकास बोर्ड का गठन पहले से किया गया है। बिहार सहित देश के अलग अलग हिस्सों में तेली समाज की बड़ी आबादी है। आबादी का बड़ा हिस्सा भाजपा को वोट देता है। हम यह राज्य सरकार से मांग करते हैं कि बिहार राज्य में तेली घाणी विकास बोर्ड के गठन एवं पीएम नरेंद्र मोदी से राष्ट्रीय तेली बोर्ड के गठन जल्द से जल्द करें। शशांक विक्की ने कहा की तेली समाज की बड़ी आबादी देश भर के विभिन्न राज्यों में है। बिहार में भी करीब सात प्रतिशत तेली समाज के लोग हैं जिनकी सबसे बड़ी आबादी अपने परंपरागत कार्य तेल घाणी पेरना है।

छत्तीसगढ़ की राजनीति और नक्सलवादः दामाद की संज्ञा में उलझी सियासत

छत्तीसगढ़ की राजनीति में नक्सलवाद एक बार फिर एक बड़े राजनीतिक विवाद का कारण बन गया है। कुरुद के विधायक और भारतीय जनता पार्टी के फायरब्रांड नेता अजय चंद्राकर ने हाल ही में कांग्रेस पर नक्सलियों को दामाद कहकर हमला बोला, जिसके बाद कांग्रेस की ओर से तीखा पलटवार करते हुए पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने पूंजीपतियों अदानी-अंबानी को दामाद बताकर भाजपा पर पलटवार किया। इस बयानबाजी ने न केवल प्रदेश की राजनीतिक बहस को गर्मा दिया, बल्कि एक बार फिर यह सवाल उठाया कि क्या नक्सलवाद को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है? छत्तीसगढ़ विधानसभा में भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पर यह आरोप लगाया कि नक्सली कांग्रेस के दामाद हैं। उनके अनुसार, जब-जब नक्सली आए, कांग्रेस ने वैसा ही स्वागत किया जैसा कोई दामाद का करता है। उनका तर्क है कि 1980 के दशक में जब छत्तीसगढ़ (तत्कालीन मध्यप्रदेश का हिस्सा) पूरी तरह कांग्रेस के अधीन था, तब आदिवासी क्षेत्रों में कोई ठोस विकास कार्य नहीं हुआ, जिसके चलते वहां नक्सलियों की पैठ बनी। वे इसे कांग्रेस की शोषणकारी राजनीति का परिणाम बताते हैं। उनके बयान में यह भी संकेत था कि कांग्रेस की सरकारों ने नक्सल समस्या को गंभीरता से लेने की बजाय कभी-कभी उनके प्रति नरमी दिखाई, जिससे उनकी ताकत बढ़ी। चंद्राकर ने कांग्रेस को आदिवासी हितों का सबसे बड़ा शोषक करार देते हुए कहा कि अगर आज छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद जिंदा है तो उसकी जड़ें कांग्रेस की नीतियों में हैं। अजय चंद्राकर के इस बयान पर कांग्रेस की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई। पूर्व मंत्री अमरजीत सिंह भगत ने कहा कि अजय चंद्राकर का बयान पूरी तरह से निराधार और असत्य है। भगत ने पलटवार करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार (भाजपा) के संरक्षण में छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाकों में वनों की अंधाधुंध कटाई हो रही है और औद्योगिकरण के नाम पर जंगल उजाड़े जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अदानी-अंबानी जैसे पूंजीपतियों का प्रदेश में दामाद की तरह स्वागत हो रहा है। अमरजीत भगत का तर्क था कि आज अगर बस्तर-संरगुजा में विस्थापन, वनाधिकार हनन और औद्योगिक शोषण हो रहा है तो उसकी ज़िम्मेदार भाजपा की आर्थिक नीतियाँ हैं, जिनके केंद्र में कॉर्पोरेट घरानों के हित हैं, न कि आदिवासियों के हक। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद कोई नई समस्या नहीं है। इसकी जड़ें 1970-80 के दशक में उस समय पड़ीं जब आदिवासी क्षेत्रों में भूमि, वन और खनिज संसाधनों की लूट शुरू हुई और राज्यतंत्र की पहुँच वहां नहीं थी। ये क्षेत्र लंबे समय तक विकास से वंचित रहे, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी थी। नक्सलवाद ने शुरू में एक विरोध की आवाज के रूप में स्थान पाया। उसने स्थानीय आदिवासियों की जमीन, जंगल और अधिकारों की रक्षा के नाम पर समर्थन हासिल किया। लेकिन समय के साथ यह आंदोलन भी हिंसा, खून-खराबा और आतंक का पर्याय बन गया। अब यह सवाल उठने लगा है कि नक्सलवाद की पृष्ठभूमि में कौन ज़िम्मेदार है झ्र शोषक सरकारें, कॉर्पोरेट-राजनीति गठजोड़ या आदिवासी हितों की अनदेखी? छत्तीसगढ़ में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही समय-समय पर नक्सलवाद को अपने-अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करते रहे हैं। जब कांग्रेस सत्ता में थी तो भाजपा इसे नक्सलियों के प्रति नरम रवैया बताकर हमला करती थी। अब भाजपा सत्ता में है तो कांग्रेस भाजपा पर पूंजीपतियों के संरक्षण में जंगल उजाड़ने और आदिवासियों को बेदखल करने का आरोप लगा रही है।

यह ह्लदामादह्व शब्द की राजनीति असल में मुद्दों से भटकाव पैदा करती है। नक्सलवाद जैसे गंभीर और जटिल विषय को राजनीतिक तकरार का हिस्सा बनाकर दोनों ही दलों ने साबित किया है कि वे समस्या के समाधान में नहीं, उसे भुनाने में रुचि रखते हैं। छत्तीसगढ़ का बड़ा हिस्सा वन और खनिजों से समृद्ध है। बस्तर, सरगुजा, कांकेर, बीजापुर, दंतेवाड़ा जैसे इलाके अयस्क, कोयला, बॉक्साइट आदि से भरपूर हैं। पर यही संसाधन इन क्षेत्रों के लिए अभिशाप भी बन गए हैं। बड़े-बड़े खनन प्रोजेक्ट्स, स्टील प्लांट्स और औद्योगिक कॉरिडोरों के लिए आदिवासियों को उनकी भूमि से विस्थापित किया गया।

इज ऑफ डूइंग बिजनेस यानि ग्राम सभा माई फुट

प्रधान मंत्री से लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों को इज ऑफ डूइंग बिजनेस का मुहावरा पसंद है। इज ऑफ डूइंग बिजनेस यानि एक ऐसी दुनिया की कल्पना है जिसमें प्रक्रियाएं तेज हों, अनापत्ति प्रमाणपत्र ऑनलाइन मिलें, और जमीन के कागज एक क्लिक पर ट्रांसफर हो जाएँ।इज ऑफ डूइंग बिजनेस विश्व बैंक द्वारा तैयार की जाने वाली एक वैश्विक रैंकिंग है, जिसमें किसी देश में व्यापार शुरू करने, संचालन, लाइसेंसिंग, टैक्सेशन, अनुबंध प्रवर्तन, और दिवालियापन प्रक्रिया जैसी व्यवस्थाओं की सरलता को मापा जाता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को आकर्षित करना और आर्थिक गतिविधियों को सुगम बनाना है। अगर कोई देश विश्व बैंक की सूचियों में ऊपर चढ़े लेकिन अपने जंगल, नदियाँ और लोगों की आवाज खो बैठे—तो क्या वह सचमुच विकसित हो पाया?भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में विकास की गति बढ़ाने के लिए निवेश, औद्योगीकरण और बुनियादी ढांचे का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से सरकारों ने इज ऑफ डूइंग बिजनेस को प्राथमिकता दी है, ताकि देश में व्यापार करना आसान हो, निवेश आकर्षित हो और आर्थिक विकास को गति मिले। दूसरी ओर लोकतांत्रिक व्यवस्था में ग्रामसभा और स्थानीय समुदायों के अधिकार भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, खासकर अनुसूचित क्षेत्रों और आदिवासी बहुल इलाकों में, जहाँ संसाधनों पर स्थानीय लोगों का परंपरागत स्वामित्व रहा है।इज ऑफ डूइंग बिजनेस ने भारत को वैश्विक निवेश नक्शे पर तो उभारा, लेकिन इज ऑफ लिविंग को नजरंदाज कर दिया। लोकतंत्र सिर्फ मतदाता पहचान पत्र नहीं है, वह ग्रामसभा की सामूहिक चेतना में बसता है।अगर विकास के रास्ते पर लोकतंत्र की आवाज बाधा लगे, तो रास्ते को नहीं, सोच को बदलना होगा। आज आवश्यकता है एक ऐसे मॉडल की, जिसमें इज ऑफ डूइंग बिजनेस हो, लेकिन ग्रामसभा की असहमति को विकास की गति नहीं, उसकी दिशा बताने वाला मानें। लैंड कान्फ्लिक्ट वाच की ताजा आंकड़ों के मुताबिक भूमि अधिग्रहण तथा जंगल की जमीन को खनन एवं अन्य कारोबार के लिए इस्तेमाल किये जाने के प्रस्तावों को लेकर छोटे-बड़े 948 संघर्ष चल रहे है। एक करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हैं और साढ़े तीन लाख करोड़ से ज्यादा का पूंजी निवेश फंसा हुआ है। करीब 47 लाख हेक्टेर से ज्यादा जमीन अधिग्रहण की चपेट में है।

आर्थिक स्थिति कमजोर होने पर भी संभव है मानसिक रोगों का इलाज

अंकित श्रीवास्तव

अक्सर यह देखा गया है कि मरीजों के पास पर्याप्त आर्थिक संसाधन नहीं होते, जिससे वे अपना इलाज नहीं करवा पाते और उनकी स्थिति और भी बिगड़ने लगती है। ऐसे मरीजों के लिए मैं यह बताना चाहता हूँ कि भारत में कई ऐसे अस्पताल हैं जहाँ मानसिक बीमारियों का इलाज बहुत ही कम शुल्क में या निःशुल्क किया जाता है। साथ ही, कई गैर-सरकारी संस्थाएँ भी मानसिक स्वास्थ्य के उपचार में सहयोग प्रदान करती हैं।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (बेंगलुरु): यह भारत का प्रमुख मानसिक स्वास्थ्य संस्थान है, जो आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को निःशुल्क या रियायती दर पर उपचार प्रदान करता है। सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ साइकियाट्री (रांची): यह संस्थान भी मानसिक रूप से पीड़ित मरीजों को निःशुल्क या सब्सिडी पर मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराता है। गवर्नमेंट मेंटल हेल्थ सेंटर, कोझिकोडे (केरल): यह केंद्र मानसिक रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा सेवा और भोजन प्रदान करता है। जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम : राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत, जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से देश के अधिकांश जिलों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत मरीजों को आवश्यक दवाएं, परामर्श और उपचार पूरी तरह से निःशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं।

बैंक में जमा राशि का पूर्ण बीमा क्यों नहीं, बैंक उपभोक्ताओं से लूट

बैंक में ग्राहकों की जमा राशि पर पहले एक लाख, बाद में 2 लाख और अब अधिकतम 5 लाख रुपए तक का बीमा किया जाता है। इस बीमा की वर्तमान पाँच लाख रुपए की सीमा को दस लाख तक करने की चर्चाएँ संसद ओर वित्त मंत्रालय में हो रही हैं

सनत जैन
लेखक

भारतीय बैंकों में करोड़ों लोगों की राशि बचत खाते और एफडी के रूप में जमा है। सरकार ने बैंकों को अब दिवालिया कानून के अंतर्गत ला दिया है। बैंक में ग्राहकों की जमा राशि पर पहले एक लाख, बाद में 2 लाख और अब अधिकतम 5 लाख रुपए तक का बीमा किया जाता है। इस बीमा की वर्तमान पाँच लाख रुपए की सीमा को दस लाख तक करने की चर्चाएँ संसद ओर वित्त मंत्रालय में हो रही हैं। सवाल यह है, कि जब सरकारी बैंकिंग को सबसे सुरक्षित समझा जाता था। अब बैंक दिवालिया कानून की जद में आ गए हैं। बैंकों में जमाकर्ता की पूरी रकम सुरक्षित होनी चाहिए। बैंकों में जो राशि जमा है। बैंक डूबने की स्थिति में जमा करता को बैंक में जमा पूरी राशि वापस मिलनी चाहिए। बैंकों के साथ अनुबंध के तहत नागरिक अपनी जीवनभर की बचत बैंकों को सौंपते हैं। डिपॉजिट इंश्योरेंस योजना 1962 से लागू है। आरंभिक सीमा 1,500रुपए थी। बढ़ते-बढ़ते 1993 में इस राशि को एक लाख और 2020 में 5 लाख किया गया। अब वित्त मंत्रालय इस सीमा को संशोधित करने पर विचार कर रहा है। आँकड़े बताते हैं, कि 97.8 प्रतिशत बैंक खाते पूरी तरह से बीमित हैं। इसके बाद भी कुल जमाराशि का केवल 43.1प्रतिशत राशि ही बीमा के दायरे में आती है। बैंक के खाते भले सुरक्षित लगें, पर 500000 से अधिक जमा राशि आज भी जोखिम में है। बीमा का मूल उद्देश्य प्रत्येक जमाकर्ता के धन वापसी की गारंटी होनी चाहिए। बीमित बैंक खाते में ह्लमिनिमम गारंटीह्व का औचित्य बैंक ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी है। बैंकों का जोखिम आम जमाकताओं के कंधों पर क्यों डाला जा रहा है।

मार्च 2024 तक डिपॉजिट इंश्योरेंस फंड में 1,98,753 करोड़ रुपए उपलब्ध थे। वर्ष 2024 मे बैंकों ने 23,879 करोड़ प्रीमियम जमा किया। बीमा दावों का भुगतान केवल 1,432 करोड़ का हुआ। ये आँकड़े दशार्ते हैं, कोष के पास पर्याप्त राशि उपलब्ध है। बैंक यदि दिवालिया होते हैं, तो अनियंत्रित दावों की स्थिति में यह राशि ऊंट के मुंह में जीरे के समान हो सकती है। इसलिए सरकार और बीमा फंड, बैंकों में जमा राशि को एक निश्चित राशि तक ही बीमा से कवर करने की बात करता है। हालिया मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सरकार 10 लाख या उससे अधिक के विकल्प पर विचार कर रही है। इससे अधिकांश मध्यमवर्गीय खाताधारकों की पूँजी कुछ हद तक सुरक्षित हो जाएगी। मौजूदा निःशुल्क सीमा 10 लाख के ऊपर की राशि के लिए जमाकर्ता को एक ऐड-ऑन कवर की सुविधा दी जानी चाहिए। जैसे वाहन बीमा में ऐक्सेसरी को कवर किया जाता है। पिछले 10 साल से बैंकों में जिनके खाते हैं। उन खाता धारकों से सुनयोजित रूप से लूट की जा रही है। पहले एटीएम पर चार्ज लगाया, फिर बैलेंस, एसएमएस, चेक, मिनिमम बैलेंस एवं तरह-तरह के शुल्क वसूल कर बैंक अपने उपभोक्ताओं का शोषण कर रहा है। जिन लोगों की जमा राशि के ब्याज से उनका मासिक खर्च चलता है। बैंक ब्याज दरें घटती चली जा रही हैं। लोग अपना जरूरी खर्च भी पूरा नहीं कर पा रहे हैं। अब बैंकों में जमा राशि भी सुरक्षित नहीं रही। करोड़ों लोगों की जीवन भर की कमाई बैंकों में जमा है। ऐसी स्थिति में लोगों की चिंता बढ़ रही है। केंद्र सरकार जितने भी नियम कायदे कानून बना रही है, उसमें उपभोक्ताओं के हितों का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा है। केंद्र सरकार बैंकों और कॉर्पोरेट हितों का ध्यान रखते हुए बैंक उपभोक्ताओं को बैंक की कमाई का जरिया बना रही है। आयकर के नियम इस तरीके के बना दिए गए हैं। हर लेन-देन बैंक के माध्यम से होते हैं। एक निश्चित राशि से ज्यादा नगद राशि घर पर नहीं रखी जा सकती है। एक निश्चित राशि से ज्यादा का नगद लेन-देन नहीं हो सकता है। बैंकों में जमा रकम से ऑनलाइन धोखाधड़ी हो रही है। सरकार ने बैंक के उपभोक्ताओं को भगवान के भरोसे छोड़ दिया है। हर साल अरबों रुपए की धोखाधड़ी बैंकों से हो रही है। जिनके खाते से धोखाधडी हुई है, वह साइबर क्राइम ब्रांच, पुलिस और बैंकों के चक्कर लगा रहे हैं। न उन्हें पैसा मिल रहा है। उल्टा उनका पैसा मुकदमेबाजी और शिकायतों में खर्च हो रहा है। बैंक खाते अब लोगों के लिए जी का जंजाल बन रहे हैं। बैंक बिना बताए खाते से राशि काट लेता है। उपभोक्ता अपनी लड़ाई लड़ ही नहीं सकता है। बैंक उपभोक्ताओं की शिकायत सुनते नहीं हैं। बैंकिंग लोकपाल के हाथी के दांत हैं। लोकपाल के पास शिकायत करने के बाद उपभोक्ता के हितों का ध्यान नहीं रखा जाता है। बैंकिंग लोकपाल बैंकों का बनकर रह गया है। रिजर्व बैंक के भी बड़े-बड़े दांत दिखाने के जरूर हैं। सरकारी बैंक हों, या प्राइवेट बैंक हों, सब अपनी मनमानी कर रहे हैं। रिजर्व बैंक थोड़ा-मोड़ा जुमार्ना करके उन्हें छोड़ देता है। बैंक उपभोक्ता हर तरफ से लूट के शिकार हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में अब बैंकों के खिलाफ जनाक्रोष पनपने लगा है। केंद्र सरकार और वित्त मंत्रालय को इस दिशा में सजगता के साथ निर्णय करने की जरूरत है। समय रहते यदि स्थितियों में सुधार नहीं किया गया, तो बैंकिंग व्यवस्था और अर्थव्यवस्था डगमगाते हुए देर नहीं लगेगी।

हिन्दू राष्ट्र का ढोल और जातिवाद का आतंक

इसी हिन्दू राष्ट्र की दुहाई देकर समाज में धर्म के आधार पर नफरत फैलाई जा रही है। सत्ता संरक्षित नफरती लोग धर्म विशेष के विरुद्ध जमकर जहर उगल रहे हैं और इसी बहाने देश के बहुसंख्य समाज को हिंदुत्व के नाम पर संगठित होने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। जिस देश में सभी धर्मों के लोग सदियों से मिलकर रहते आ रहे हों उस देश के बहुसंख्य समाज को अब अल्पसंख्यक समाज का भय दिखाकर शेष बहुसंख्य समाज को एकजुट होने का पाठ केवल और केवल अपने राजनैतिक लाभ के लिए पढ़ाया जा रहा है

निर्मल रानी
लेखिका

स्वयंभू हिन्दू राष्ट्रवादियों द्वारा गत एक दशक से देश के बहुसंख्यक समाज को भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने का सपना दिखाया जा रहा है। देश के अनेक दक्षिणपंथी नेताओं से लेकर तमाम कथावाचक व संत समाज से जुड़े लोग इसी प्रोपेगण्डे को प्रचारित करने में जुटे हुये हैं। इसी हिन्दू राष्ट्र की दुहाई देकर समाज में धर्म के आधार पर नफरत फैलाई जा रही है। सत्ता संरक्षित नफरती लोग धर्म विशेष के विरुद्ध जमकर जहर उगल रहे हैं और इसी बहाने देश के बहुसंख्य समाज को हिंदुत्व के नाम पर संगठित होने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। जिस देश में सभी धर्मों के लोग सदियों से मिलकर रहते आ रहे हों उस देश के बहुसंख्य समाज को अब अल्पसंख्यक समाज का भय दिखाकर शेष बहुसंख्य समाज को एकजुट होने का पाठ केवल और केवल अपने राजनैतिक लाभ के लिए पढ़ाया जा रहा है। और इन्हीं दक्षिणपंथी शक्तियों द्वारा इसी हिन्दू राष्ट्रवाद के नाम पर छेड़ी गयी मुहिम के मध्य, देश के उस संविधान को भी बदलने का प्रयास किया जा रहा है जो भारतवसियों को समानता, समरसता, समाजवाद व धर्मनिरपेक्षता का अधिकार देता है। साथ ही इन्हीं स्वयंभू हिन्दू राष्ट्रवादियों द्वारा विवादित मनुस्मृति को भातीय संविधान के रूप में थोपे जाने की वकालत भी की जा रही है। यह शक्तियां उसी मनुस्मृति को देश पर थोपने के लिये प्रयासरत हैं जिसे संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर ने 25 दिसंबर 1927 को महाराष्ट्र के महाड में सार्वजनिक रूप से जलाया था। मनुस्मृति का विरोध करने वाले लोग आज भी उस ऐतिहासिक दिन को मनुस्मृति दहन दिवस के रूप में याद करते हैं। डॉ अंबेडकर ने मनु स्मृति का दहन इसलिये किया था क्योंकि यह ग्रंथ सामाजिक असमानता और जाति व्यवस्था को प्रोत्साहित करने वाली शिक्षाओं को बढ़ावा देता है। जबकि मनु स्मृति का विरोध व इसके दहन का उद्देश्य दलितों और शोषित वर्गों के लिए समानता और न्याय की मांग को प्रतीकात्मक रूप से व्यक्त करना था।

सवाल यह है कि दक्षिणपंथियों द्वारा जिस मनुस्मृति की पैरवी की जा रही है क्या वह हिन्दू राष्ट्रवादियों द्वारा दिखाये जा रहे हिन्दू राष्ट्र निर्माण के स्वप्न को पूरा करने में सहायक साबित हो सकती है? यदि हाँ तो पहला सवाल तो यही की बाबा साहब जैसी शख़्सियत को इसे जलाने की नौबत ही क्यों आई? और दूसरे यह कि आखिर हिन्दू धर्म में वह कौन सी व्यवस्था थी जिसका विरोध करते हुये डॉ. भीमराव आंबेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में एक ऐतिहासिक धर्म परिवर्तन समारोह में बौद्ध धर्म स्वीकार किया। और इस सामूहिक धर्म परिवर्तन समारोह में डॉ. आंबेडकर के साथ उनके लगभग 3,80,000 अनुयायियों ने जिनमें मुख्य रूप से दलित समुदाय के लोग शामिल थे, बौद्ध धर्म स्वीकार किया। आज भी इस सामूहिक धर्म परिवर्तन को भारत में सामाजिक समानता और दलित आंदोलन का एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है।

परन्तु दुःख का विषय तो यह है कि शोषित वर्ग द्वारा किये गये इस धर्म परिवर्तन के बावजूद आज भी मनुवादियों की सोच में कोई अंतर नहीं आया है। बल्कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह जातिवादी विचारधारा गत दस वर्षों में और भी सिर चढ़ कर बोलने लगी है। और तो और अब इस जातिवादी सोच का शिकार केवल दलित समाज के लोग ही नहीं बल्कि पिछड़ी जातियों के लोग भी होने लगे हैं। इसका जीता जागता प्रमाण पिछले दिनों उत्त र प्रदेश के इटावा जिले में केवर थाना क्षेत्र के दादरपुर गांव में देखने को मिला। यहाँ भागवत कथा कहने आए यादव समाज से सम्बन्ध रखने वाले एक कथावाचक भागवताचार्य व्यास मुकुट मणि के साथ ब्राह्मण समाज के लोग अत्यंत क्रूरता से पेश आये। कथावाचक को अपमानित किया उनके साथ मारपीट की और उनकी चोटी काटकर इस क्रूरता का वीडियो भी वायरल कर दिया गया। उनका कुसूर यही बताया गया कि कथा वाचन कर रहे व्यास, ब्राह्मण समुदाय के नहीं थे इसलिए उनकी चोटी काट दी गई और उनका वीडियो वायरल किया गया। इतना ही नहीं बल्कि बाल काटने के बाद 5 घंटे तक उन्हें बंधक बनाकर भी रखा गया। जातिवादी क्रूरता का अध्याय यहीं समाप्त नहीं हुआ बल्कि पीड़ित कथावाचक के अनुसार भागवत कथा के दौरान जो ब्राह्मण महिला परीक्षित थी, उसके पैरों पर कथावाचक की जबरन नाक रगड़वाई गई और उसी ब्राह्मण महिला के मूत्र से उस पर छिड़काव भी किया गया। उस पंडितानी महिला का मूत्र छिड़कने के बाद इन जातिवादियों द्वारा उससे कहा गया कि ब्राह्मण का मूत्र तुम्हारे ऊपर पड़ गया अब तुम पवित्र हो गए। जरा सोचिये कि कौन सी शिक्षा व संस्कार हैं जो इस क्रूरता के लिये जाति विशेष के लोगों दूसरी जातियों के विरुद्ध प्रोत्साहित करते हैं?

दलितों के साथ तो ऐसी घटनाएं गोया आम बात हो चुकी हैं। पिछले दिनों ऐसी ही एक ह्रदय विदारक घटना उड़ीसा में हुई जहाँ गोतस्करी का आरोप लगाकर कुछ जातिवादी गुंडों द्वारा पहले तो उनसे पैसे वसूलने की कोशिश की गयी। जब दलित युवक पैसे देने में असमर्थ हुये तो उन दोनों युवाओं को 2 किलोमीटर तक घुटने के बल चलने के लिये मजबूर किया गया। इनके सर के बाल भद्दे तरीके से काटे गये उन्हें मारा पीटा गया, उनके कपड़े फाड़े गये, उन्हें घास फूस खिलाई गयी। इतना ही नहीं बल्कि उन्हें नाले का गन्दा पानी पीने के लिए भी मजबूर किया गया। इस तरह की घटनाएं भी आम हो चुकी हैं।

बनेगा संचार का नया माध्यम - एयर बबल

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

आर्कटिक और अंटार्कटिका, दुनिया की सबसे ठंडी, निर्जन और दुर्गम जगहें। यहां न संचार टावर होते हैं, न ही इंटरनेट की पहुंच। ऐसी जगहों पर जब कोई प्राकृतिक आपदा आती है या वैज्ञानिक शोधकर्ता फंसे होते हैं, तो उनसे संपर्क साधना मुश्किल हो जाता है। लेकिन अब, इन बफीर्ली सर्द हवाओं में छुपे हुए बुलबुले, हवा के छोटे-छोटे कण, एक नई उम्मीद बनकर उभरे हैं।

बीजिंग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने एयर बबल मैसेजिंग सिस्टम की मदद से एक नई तकनीक विकसित की है, जिससे बर्फ में बने बुलबुलों के जरिए संदेश भेजे जा सकते हैं। विज्ञान की यह उपलब्धि न सिर्फ भविष्य के गोपनीय संचार को आसान बनाएगी, बल्कि यह संकट की घड़ी में जीवन रक्षक साबित हो सकता है।

अंटार्कटिका में तापमान -80 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है, वहीं आर्कटिक में भी सर्द हवाएं कंपकंपी छुड़ा देती हैं। यहां सामान्य स्मार्टफोन, रेडियो डिवाइस और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जम जाते हैं, बैटरी काम करना बंद कर देता है और संचार एकदम ठप हो जाता है। न टावर, न तार, न वाई-फाई।

आपातकालीन स्थितियों में रेस्क्यू टीमों को वैज्ञानिकों या मिशन दल से संपर्क करना होता है। दूरदराज इलाकों में कोई घटना हो, तो जानकारी भेजना नामुमकिन हो जाता है। परंपरागत संचार उपकरणों की ऊर्जा की मांग अधिक होती है, जो इन स्थानों पर चुनौतीपूर्ण है।बीजिंग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकताओं ने एक सरल लेकिन चमत्कारी विचार पर काम किया है, जमते समय पानी में बनने वाले बुलबुलों को नियंत्रित करके सूचना को कोड में बदलना। यह खोज जर्नल में प्रकाशित हुई है।

जब पानी जमता है, तो उसमें घुली गैसें छोटे-छोटे बुलबुले बनाकर फंस जाती हैं। वैज्ञानिकों ने पानी की एक पतली परत को दो पारदर्शी प्लास्टिक शीट के बीच रखा। इसे विशेष तापमान पर जमाया गया। फ्रीजिंग स्पीड को बदलकर तय किया गया कि कहां बुलबुला बनेगा और कहां नहीं। जिन हिस्सों में बुलबुला था, उसे माना गया और जहां नहीं था, उसे । इस तरह एक बाइनरी कोड तैयार हुआ।

कैमरे से इस बफीर्ले टुकड़े की फोटो ली जाती है। एक सॉफ्टवेयर उस फोटो को स्कैन करता है और जहां बुलबुला दिखते हैं, वहां पढ़ता है, और अन्य जगहों पर इस तरह एक पूरा मैसेज बर्फ के टुकड़े में दर्ज हो जाता है, न कोई वायर, न इंटरनेट।

पारंपरिक संचार माध्यम जैसे सैटेलाइट, रेडियो, फोन को बैटरी या बिजली की जरूरत होती है। यह बबल मैसेजिंग सिस्टम किसी भी ऊर्जा स्रोत पर निर्भर नहीं करता, यह महज पानी, ठंडा तापमान और कैमरा चाहता है। बर्फ में छिपा संदेश न तो किसी नेटवर्क पर होता है और न ही कोई हैक कर सकता है। बिना सही डिकोडिंग सॉफ्टवेयर के कोई समझ ही नहीं सकता है कि बर्फ का टुकड़ा असल में एक संदेश है। बर्फ में बंद ये बुलबुले वर्षों तक सुरक्षित रह सकते हैं, बशर्ते तापमान नियंत्रण में हो। यह तकनीक संग्रहण के लिए भी अत्यंत उपयोगी है, जैसे कि पुरालेख या गुप्त सैन्य दस्तावेज।

आपदाग्रस्त क्षेत्रों में जहां कोई उपकरण काम नहीं करता है, वहां बबल मैसेजिंग से लोकेशन या मदद की मांग भेजा जा सकता है। बफीर्ले तूफान में फंसे वैज्ञानिक, बर्फ की एक परत को संदेश में बदलकर हेलिकॉप्टर से उड़ती टीम को संकेत दे सकता हैं।

सरकारें या एजेंसियां, जिन्हें किसी दस्तावेज को बिना डिजिटल ट्रेस के सुरक्षित रखना हो, वे इसे बबल कोड में बदलकर आर्कटिक लैब्स में स्टोर कर सकता हैं। सीमाओं पर या दुर्गम पहाड़ी इलाकों में जहां डिजिटल उपकरण ट्रैक किए जा सकते हैं, वहां यह कोड सुरक्षित और गोपनीय संदेशों के आदान-प्रदान के लिए वरदान है।

भविष्य में मंगल या चंद्रमा मिशन पर जहां तापमान चरम पर होता है, वहां यह बबल टेक्नोलॉजी एक सस्ते, टिकाऊ और ऊर्जा रहित संचार विकल्प के रूप में काम आ सकता है।

अभी यह तकनीक केवल ठंडे क्षेत्रों में ही प्रभावी है, जहां तापमान 0त्ड से नीचे होता है। गर्म जलवायु वाले देशों में इसका सीधा उपयोग नहीं हो सकता है जब तक कृत्रिम रूप से फ्रीजिंग सिस्टम न हो। हर संदेश में सीमित अक्षर ही भेजे जा सकते हैं, क्योंकि एक बफीर्ले टुकड़े में ज्यादा डेटा स्टोर करना संभव नहीं है। लेकिन वैज्ञानिक इस पर काम कर रहे हैं कि कैसे एक से ज्यादा परतें बनाकर, थ्री-डायमेंशनल मैसेजिंग संभव बनाई जाए।अब वैज्ञानिक बबल्स के आकार, प्रकार और रंग पर काम चल रहा हैं ताकि इससे जटिल कोडिंग किया जा सके। अगला प्रयोग (तेल आधारित बुलबुले) और विभिन्न गैसों जैसे नाइट्रोजन, ऑक्सीजन, हाइड्रोजन आदि के साथ किया जाएगा ताकि इसकी कार्यक्षमता बढ़ सके।कभी कल्पना नहीं की गई थी कि जमी हुई हवा के बुलबुले संवाद करेंगे। जब प्रकृति की चुप्पी, विज्ञान के स्पर्श से बोल उठेगी? यह तकनीक केवल एक वैज्ञानिक खोज नहीं है, बल्कि मानव की अद्भुत क्षमता का प्रमाण है, कि वह मौन से भी शब्द निकाल लेता है, जमी हुई सांसों से भी सन्देश भेज सकता है।बर्फ में फंसे बुलबुलों को पढ़कर संदेश भेजने की यह तकनीक हमें यह सिखाती है कि समाधान वहां भी मिल सकता है, जहां सबकुछ जम चुका हो।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

पटना, शनिवार, 05 जुलाई, 2025

जिला पदाधिकारी द्वारा लोक शिकायत निवारण के 12 मामलों की गई सुनवाई

सुनवाई करते जिला पदाधिकारी अमन समीर

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जिलाधिकारी अमन समीर द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत द्वितीय अपील में शिकायतों की सुनवाई की गई, और शिकायत का निवारण किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा आज कुल 12 मामलों की सुनवाई की गई,जिसमें 4 मामले में अंतिम रूप से आदेश पारित किया गया। जबकि शेष 8 मामले में पूर्ण प्रतिवेदन के साथ अगली तिथि पर लोक प्राधिकार को उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। साथ ही परिवादी संजीव कुमार सिंह के अतिक्रमण सम्बन्धी मामले में सुनवाई के दौरान अंचलाधिकारी तरैया द्वारा अस्पष्ट प्रतिवेदन प्रस्तुत करने तथा कार्यों में शिथिलता बरते जाने के कारण उनपर 1000 रुपए का आर्थिक दंड लगाने का निदेश दिया गया। जिला पदाधिकारी अमन समीर ने कहा कि लोक शिकायतों का ससमय तथा गुणवत्तापूर्ण निवारण अत्यावश्यक है। लोक प्राधिकारों को तत्परता प्रदर्शित करनी होगी। उन्होंने कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 का सफल क्रियान्वयन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग, संवेदनशील तथा सक्रिय रहें।

लोजपा जिला संगठन की बैठक सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा, सदर। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की जिला संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को जिला अतिथि गृह के सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दीपक कुमार सिंह ने की, वहीं कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक राजू तिवारी के दिशा-निर्देशन में सम्पन्न हुआ। बैठक में मुख्य रूप से 6 जुलाई 2025 को छपरा के राजेन्द्र स्टेडियम में आयोजित होने वाले नव संकल्प महासभा को ऐतिहासिक बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यह महासभा सारण ही नहीं, पूरे बिहार की राजनीति में एक नया संदेश देगा। उन्होंने कहा, ह्लराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान युवाओं के लिए एक प्रेरणा हैं। ह्लबिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्टह्व का विजन आज प्रदेश के नौजवानों की उम्मीद बन चुका है। जिला अध्यक्ष दीपक कुमार सिंह ने कार्यकताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सारण की धरती हमेशा ऐतिहासिक आयोजनों की साक्षी रही है और इस बार भी नव संकल्प महासभा को अभूतपूर्व बनाया जाएगा। उक्त अवसर पर रानी चौधरी , रोशन सिंह भवानी, कमलेश पांडे, दिग्विजय सिंह, प्रदीप कुमार, भानु सिंह, नंदकिशोर पासवान, राजेश सिंह, अमित बोध, आलोक पांडे, कौशल सिंह, गोलू सिंह, शिवम सिंह, बिट्टू पासवान, प्रमोद सिंह, शशि भूषण, देवेंद्र सिंह, विकास सिंह, कन्हैया राम, सोनू माझी, नीरज माझी, विकास कुमार, अभिमन्यु सिंह, रवि पासवान, सोनू सागर, प्रवीण कुमार राजन, गुंजेश माझी, संजय माझी, भुवन कुमार, गोलू कुमार, अनिमेष सिंह गोलू आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सात फिट लंबे बेड़रूम में घुसे कोबरा सांप का रेस्क्यू

बगहा। बरसात और गर्मी के कहर आम इंसानों के साथ साथ जन जीवों पर भी देखनो को मिल रहा है.एक तरफ इंसान गर्मी से बेचैन नजर आ रहे है तो दूसरी तरफ गर्मी और भूख से जंगली जीवों को इंसानी बस्ती के तरफ आने के लिए मजबूर कर रहे हैं इसी क्रम में एक विषैला 7 फिट लम्बा कोबरा जलसंसाधन विभाग के कर्मचारी ई टाइप कॉलोनी निवासी शाहनवाज मोहम्मद के बैडरूम में घुस आया,जिसे देखकर अफरातफरी मच गई।फौरन वन विभाग को सूचित किया गया। वनकर्मी शंकर यादव के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम पहुंची और रेस्क्यू में जुट गई। बेडरूम होने के कारण रेस्क्यू टीम को रेस्क्यू करने में भारी मशक्कत करनी पड़ी।रेंजर श्रीनिवासन नवीन ने बताया कि जब ये जीव आसपास दिखे तो इनसे दूर बना ले और वन विभाग को सूचित करें।

पूर्व मुखिया ने पत्नी और खुद को मारी गोली,आनन फानन में हुआ दाह संस्कार पुलिस जांच में जुटी

बगहा। चौतरवा थाना क्षेत्र के रायबारी महुअवा डीह टोला में मंगलवार रात एक दर्दनाक घटना हुई। पूर्व मुखिया अरविंद लाल श्रीवास्तव (65) ने आर्थिक तंगी और बीमारी से परेशान होकर पहले पत्नी आशा देवी (60) को गोली मार दी,फिर खुद को भी गोली मार ली। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के पहुंचने से पहले परिजनों ने शवों का अंतिम संस्कार कर दिया,जिससे कई अहम सुराग मिट गए। मामला संदिग्ध मानते हुए पुलिस ने जांच तेज कर दी है। बतादें,बुधवार शाम तलाशी में पुलिस को दो बंदूक और एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें पूर्व मुखिया ने बीमारी और आर्थिक तंगी को आत्महत्या का कारण बताया। नोट को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। ग्रामीणों के मुताबिक,मुखिया के पास 350 बीघा जमीन थी जो नदी में कट गई। इसके बाद उन्हें कैंसर हो गया और इलाज में काफी पैसा खर्च हुआ। इससे वे मानसिक रूप से टूट गए। घटना के बाद गांव में सन्नाटा है। परिजन सदमे में हैं। कुछ लोग इसे मानसिक तनाव का नतीजा मान रहे हैं।

दो वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

बगहा। बगहा पुलिस जिला अंतर्गत वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर रमपुरवा पंचायत के रमपुरवा गांव निवासी रमेश राम पिता बिशुनदेव राम व संतोष दास पिता बनारसी दास को न्यायालय से निकले वारंट के आधार पर वाल्मीकिनगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायालय में पेश कर दिया है। संतोष दास को प्रथम श्रेणी न्यायालय से वारंट निर्गत हुआ था। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि रमेश राम एसीजेएम द्वितीय न्यायालय का अभियुक्त था। पुलिस को कई दिनों से चकमा दे रहा था। जिसे शुक्रवार को गिरफ्तार कर संतोष दास के साथ ही न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

नगर निगम बोर्ड की बैठक आगामी 9 जुलाई को आयोजित : नगर आयुक्त

छपरा। नगर निगम बोर्ड की बैठक आगामी 9 जुलाई को 11:00 बजे आहुत की गई है। इस आशय की जानकारी संबंधी पत्र नगर आयुक्त सुनील कुमार पांडेय ने जारी करते हुए बताया कि बोर्ड की बैठक गर्ल्स स्कूल कैंपस स्थित पेक्षा गृह में आयोजन किया गया है। बैठक की जानकारी महापौर लक्ष्मी नारायण गुप्ता, उप महापौर रागिनी कुमारी एवं सभी वार्ड पार्षदों को दे दी गई है। बोर्ड की बैठक 11:00 से आयोजन किया गया है। इस बैठक के एजेंडा में 14 दिसंबर 2024 को हुए बोर्ड की बैठक की संपुष्टि, 2025- 26 बजट पर चर्चा एवं संपुष्टि तथा स्ट्रीट लाइट एवं तिरंगा लाइट तथा स्पैरो टैक्स एजेंसी के कार्य प्रणाली की समीक्षा आदि शामिल है। बोर्ड की बैठक संबंधित पत्र जारी करने के बाद नगर आयुक्त ने महापौर एवं उपमहापौर सहित सभी पार्षदों से बैठक में शामिल होने का अनुरोध किया है।

श्रावणी माह में वाल्मीकिनगर आने वाले शिव भक्तों के सुरक्षा में तैनात होंगे रात्रि प्रहरी

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। पावन नगरी वाल्मीकिनगर में आगामी 11 जुलाई से शुरू होने वाले श्रावणी मेले में जलभराव के लिए शिव भक्तों का जमावड़ा लगने लगता है। शिव भक्त नारायणी के त्रिवेणी घाट पर गंगा स्नान कर जल भरते हैं। एक महीने तक वाल्मीकिनगर में भक्ति का माहौल बना रहता है। वाल्मीकिनगर पहुंचने वाले शिव भक्त रात्रि विश्राम के दौरान भजन कीर्तन से माहौल को शिवमय बना देते हैं। शुक्रवार की सुबह शिव भक्तों की सेवार्थ की जाने वाली कार्यों को लेकर वाल्मीकिनगर के सामाजिक संगठनों ने ऊपरी शिविर तीन नंबर पहाड़ पर एक बैठक की। बैठक की अध्यक्षता भावी मुखिया प्रत्याशी व समाजसेवी अमित कुमार सिंह ने किया। इस बैठक में समाजसेवी मोनू कुमार सिंह, बिट्टू सिंह,सुमन कुमार गुप्ता,रंजीत कुमार,विनय कुशवाहा एवं दीपक कुमार शामिल हुए। सामाजिक संगठनों द्वारा शिव भक्तों के विश्राम स्थल पर विशेष रूप से पेयजल की व्यवस्था कराने पर जोर दिया गया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे अमित कुमार सिंह ने संगठन के सभी सदस्यों को शिव भक्तों की सुरक्षा,अल्पाहार सहित नारायणी तट पर रहने वाले भक्तों के लिए टेंट की व्यवस्था कराने की योजना बनाई गई। उन्होंने कहा कि सावन के पवित्र माह में जल भरने के लिए जो भी शिव भक्त चाहे पुरुष हो या महिला वाल्मीकिनगर आएंगे,उनकी सेवा और सुरक्षा के लिए हम सभी तत्पर रहेंगे। ध्यान रहे की जो भी शिव भक्त आए उन्हें यह महसूस ना हो कि महर्षि की तपो भूमि पर आवश्यक व्यवस्था नहीं है।

अजगर के लपेटे से बकरी को राहगीरों ने छुड़ाया, निगलने की फिराक में था अजगर

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वीटीआर परिक्षेत्र विचित्रताओ से भरा पड़ा है। अजीबोगरीब घटनाएं वीटीआर परिक्षेत्रों में घटित होती रहती है।बतादें की शुक्रवार की दोपहर वाल्मीकिनगर स्थित टीना शेड कॉलोनी के समीप (गोल चौक से मरीन ड्राइव की जाने वाले रास्ते में) राहगीरों ने एक विचित्र नजारा देख हैरान हो गए। जंगल से निकलकर एक विशालकाय अजगर अपने लपेटे में ले बकरी को मौत के घाट उतार दिया। बकरी को मारने के बाद अजगर उसे निगलने की कोशिश कर रहा था लेकिन राहगीरों द्वारा शोर मचाने के बाद अजगर अमृत बकरी को छोड़ जंगल की तरफ अपना रुख कर लिया। प्रत्यक्षदर्शी मुनटुन हसन ने बताया कि अजगर द्वारा अपने चपेट में लेने के बाद बकरी चिल्ला रही थी। रिहायशी क्षेत्र से दूरी होने के कारण लोग समझ नहीं पाए। जब तक इस दृश्य को देख हम लोग कुछ कर पाते तब तक बकरी के प्राण पखेरू उड़ चुके थे। शोर गुल होने पर नजदीक के लोग वहां पहुंचे। उसके बाद पशुपालक रमेश कुमार द्वारा बकरी को उठाकर ले जाया गया। रेंजर श्रीनिवासन नवीन ने बताया कि परिजनों द्वारा लिखित आवेदन देने के बाद मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

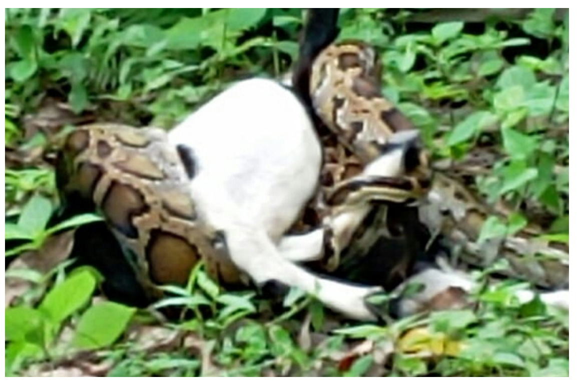

शराबबंदी छापेमारी अभियान कर्यवाई में दो महिला कारोबारी गिरफ्तार,भेजे गए जेल

बगहा। बगहा पुलिस जिला अंतर्गत पुलिस प्रशासन ने शराबबंदी छापेमारी अभियान चला रखी है है इसी क्रम में वाल्मीकिनगर थाना पुलिस ने क्षेत्र के धंगड़हिया गांव में सब इंस्पेक्टर रेशमी कुमारी व आशीष रंजन सिंह द्वारा की गई छापेमारी में दो अलग-अलग जगह से 2 लीटर और 5 लीटर देसी शराब के साथ दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। शराब कारोबार में संलिप्त रोशनी कुमारी पति हीरालाल उरांव एवं रानी देवी पति गौतम उरांव धंगड़हिया गांव के रहने वाले हैं। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी के दौरान रोशनी कुमारी एवं रानी देवी के घर से 5 लीटर और 2 लीटर शराब जब्त किया गया है। दोनों को बिहार मद्य निषेध अधिनियम के तहत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बतादें की बिहार पुंर्णतः ड्राई प्रदेश घिषित है यहां शराब बनाने,बेचने पीने,परिवहन करने आदि पर पुंर्णतः पाबंदी लगी हुई है।उक्त मामले में पकड़े जाने पर बिहार मधनिषेध धारा के तहत दंड के भागी होंगे।

टीबी मरीजों की जांच और इलाज में सहयोग व लोगों को जागरूक करते है सूर्य नारायण

जिला यक्ष्मा केंद्र में डीपीसी पद पर हैं कार्यरत, टीबी मरीजों को देते हैं पोषण संबंधी सहायता

- टीबी के मरीजों को इलाज के दौरान हर माह 1000 रुपए उनके खाते में भेजे जाते हैं

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। जिला यक्ष्मा कार्यालय में डीपीसी पद पर 7 वर्षों से कार्यरत सूर्य नारायण साह टीबी मरीजों के सहयोग में मानवता का फर्ज निभा रहे हैं। उन्होंने निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीज को गोद लेकर उसे निर्धारित मानक के अनुरूप 6 माह तक पोषण पोटली देकर मदद की। जिला यक्ष्मा केंद्र आए मरीजों को टीबी जाँच, इलाज और दवाएं उपलब्ध कराते हुए उन्हें खाने के तरीके बताते हैं तथा सरकार से आर्थिक लाभ दिलवाने में अग्रिम भूमिका निभाते हैं। सूर्य नारायण साह ने बताया कि वे आम लोगों से भी निक्षय मित्र बनकर पोषण संबंधी मदद करने का आग्रह करते हैं। टीबी के कारण रोगी का इम्यून सिस्टम काफी कमजोर हो जाता है। इससे सुरक्षित रहने के लिए दवा सेवन के साथ ही संतुलित आहार का सेवन जरूरी होता है। उन्होंने बताया कि जब भी मौका मिलता है, ग्रामीण क्षेत्रों में संभावित लक्षण वाले लोगों को बताता हूँ कि अगर दो हफ्ते से ज्यादा समय से खांसी, बलगम के साथ बुखार जैसे लक्षण हैं तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या जिला टीबी अस्पताल जाएँ। वहाँ निःशुल्क जाँच, इलाज के साथ मुफ्त दवाएं दी जाती हैं। उसका सेवन करें। दवाओं के पूरा सेवन कर ही टीबी के गंभीर खतरों से बचा जा सकता है। सूर्य नारायण साह ने बताया कि अब सरकार ने बहुत ही बढ़िया पहल की है। अब टीबी के मरीजों को इलाज के दौरान हर माह 1000 रुपए उनके खाते में भेजी जाती है। ताकि वे दवाओं के साथ पौष्टिक आहार का सेवन कर सकें। टीबी रोगियों की पहचान में हो रही है आसानीः टीबी संक्रमित रोगियों की पहचान के लिए मरीजों के सम्पर्क में रहने वाले लोगों को सीवाई इंजेक्शन दी जा रही है ताकि यह पहचान हो सके कि उनके अंदर टीबी का बैक्टीरिया है या नहीं। उन्होंने बताया कि अगर इंजेक्शन लेने वाले व्यक्ति में टीबी रोग पाई जाती है तो उन्हें टीबी की दवा खिलाई जाएगी। सम्पर्क में रहने वाले लोगों को टीपीटी दवा चलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान के अन्तर्गत तीव्र गति से जिले में टीबी मरीजों की खोज की जा रही है। संतुलित आहार का सेवन करें व संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से बचें: जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ रमेश चंद्रा ने बताया कि भोजन में प्रोटीन तथा विटामिन से भरपूर भोज्य पदार्थ जैसे रोटी, पनीर, दही, दूध, फल, हरी सब्जी, दाल, अंडा, मछली का सेवन करना चाहिए। टीबी संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाकर रहना चाहिए और मास्क लगाना चाहिए। शराब व मादक पदार्थ जैसे सिगरेट, गुटखा का सेवन नहीं करना चाहिए, स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता बेहद आवश्यक है।

राखी गुप्ता वरुण प्रकाश ने तेनुआ पंचायत में लगाया निःशुल्क आँख जांच शिविर

हजार से अधिक लोगों ने पाया परामर्श, दवा और चश्मा दिया गया निःशुल्क

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। शहर के बाद अब गांव में उषा श्रीप्रकाश मेमोरियल एजुकेशनल एवं सोशल वेलफेयर ट्रस्ट, लायंस क्लब छपरा टाउन और अखंड ज्योति आँख अस्पताल के द्वारा निशुल्क जांच शिविर का आयोजन छपरा विधानसभा के तेनुआ गांव में किया गया। शिविर का उद्घाटन छपरा नगर निगम की पूर्व मेयर राखी गुप्ता, मुखिया कृष्णा राम, उपमुखिया राहुल कुमार सिंह, बीडीसी संतोष कुमार सिंह, वार्ड सदस्य सोनू कुमार राम, छोटू कुमार पंडित, कलावती देवी, तेजप्रताप सिंह, विकास मित्र बिंदु देवी, प्रभु जी, उमा शर्मा, अर्जुन बैठा, पवन बैठा, राजनाथ राय, कृष्ण राय, सतेंद्र राय, अशोक सिंह, चंदन कुमार सिंह, पवन बैठा, मेघनाथ साह अनिल कुमार सिंह, सौदागर महतो द्वारा किया गया। शिविर के माध्यम से लगभग 7 सौ से अधिक लोगों ने चिकित्सीय परामर्श पाया। दवा और चश्मा निशुल्क लोगों को दिया गया। भारतीय जनता पार्टी की नगर निकाय प्रकोष्ठ भाजपा बिहार की प्रदेश उपाध्यक्ष व छपरा नगर निगम की पूर्व मेयर राखी गुप्ता ने बताया कि यह आयोजन 42वीं बार किया गया है। शहर के बाद गांव की जनता की बारी है। बहुत सारे लोग गांव से मेरे घर पहुंचकर लाभ लेते थे। अब गांव की जनता का सेवा करना है। जनता की सेवा के लिए लगातार कैंप का आयोजन किया जा रहा है। मेरे द्वारा चुनाव से पहले और चुनाव के बाद भी लगातार आम जनता के लिए कैंप लगाकर लोगों को सेवा प्रदान किया जा रहा है। अब तक लगभग 4 हजार से अधिक लोगों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन निशुल्क कराया जा चुका है। जिन लोगों को मेजर प्रॉब्लम आंखों से है उन लोगों का ऑपरेशन भी प्राइवेट अस्पताल में कराया गया है। जनता की सेवा में हम तत्पर हैं। राखी गुप्ता ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ मेरे द्वारा चलाए जा रहे कैंप में लोगों को दिया जा रहा है। सरकार की सभी महत्वपूर्ण योजनाएं हैं जो जनता को जानकारी नहीं है इस कैंप के माध्यम से सभी लोगों को सभी योजनाओं के बारे में बताया भी जा रहा है। 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का आयुष्मान बनाया जा रहा है। पिछली बार आवास पर कैंप का आयोजन किया गया था जिसमे बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ लिया था। दो सौ से अधिक लोगों का ऑपरेशन भी कराया गया था।

डेंगू व मच्छर के बढ़ रहे प्रकोप को ले एंटी लार्वा एवं फॉगिंग का छिड़काव हुआ शुभारंभ : नगर आयुक्त

जिला प्रशासन द्वारा इस संदर्भ में लिया गया था निर्णय

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। शहर में बढ़ रहे मच्छर के प्रकोप व डेंगू को लेकर जिला प्रशासन ने सभी वार्डों में एंटी लार्वा एवं फॉगिंग कराने का निर्णय लिया है। यह कार्य शहर में शुक्रवार से ही प्रारंभ कर दिया गया है। नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार जिलाधिकारी के आदेश के बाद नगर आयुक्त सुनील कुमार पांडेय ने एंटी लार्वा एवं फागिंग के लिए 45 वार्ड में 4 टीम गठित की है। नगर आयुक्त द्वारा जारी आदेश पत्र के अनुसार वार्ड संख्या 1 से 16 तक एंटी लार्वा कर्मी के रूप में शिवकुमार एवं टार्जन की प्रतिनियुक्ति की गई है, जबकि वार्ड संख्या 17 से 27 तक संजय कुमार, सुरेंद्र राम एवं हरेंद्र यादव की प्रतिनियुक्ति की गई है। उपरोक्त दोनों टीम एंटी लार्वा- डेंगू का छिड़काव करेंगे। जबकि फॉगिंग- मच्छर की दवा का छिड़काव वार्ड संख्या 1 से 33 वार्ड के लिए वाहन सहित प्रतिनियुक्त फागिंग कर्मी के रूप में संतोष सिंह एवं कृष्णा सिंह तथा 34 वार्ड से 45 वार्ड के लिए अनिल कुमार चौधरी एवं शिवकुमार की प्रतिनियुक्ति की गई है। एंटी लार्वा एवं फागिंग कार्य 4 जुलाई से ही प्रारंभ कर दिया गया है। और आगामी 17 जुलाई तक सभी वार्डों में कार्य संपन्न करा दिया जाएगा। नगर आयुक्त द्वारा जारी निर्देश के अनुसार इन सभी कार्यों के लिए अरविंद कुमार फागिंग मशीन की दवा वितरण एवं मशीनों का रख-रखाव कार्य सुनिश्चित करेंगे। जबकि इन सभी कार्यों के लिए सुमित कुमार को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। इस आशय की जानकारी नगर आयुक्त के हवाले से सुधीर कुमार हिमांशु ने दी।

अमरनाथ यात्रा के लिए छपरा से 1500 लोगों का जत्था हुआ रवाना

मां कामाख्या देवी मंदिर समिति ने सभी श्रद्धालुओं को सत्तू का पैकेट उपलब्ध कराया

- पूरा रेलवे परिसर हर हर महादेव जय बाबा बफार्नी बम भोले के नारों से गूंजायमान हो उठा
- स्वयंसेवी धार्मिक संस्थाओं ने पानी की बोतल सहित अन्य रास्ते में उपयोगी सामान उपलब्ध कराया

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। जय भोले भंडारी सेवादल छपरा के तत्वाधान में 1500 श्रद्धालुओं का जत्था छपरा से प्रस्थान किया। हजारों की संख्या में लोग ने छपरा स्टेशन पर स्वागत किया। विशाल भंडारे का भी आयोजन हुआ। विभिन्न सामाजिक धार्मिक संस्थाओं ने श्रद्धालुओं को पानी और रास्ते में उपयोगी सामान की भेंट दी। मां कामाख्या देवी मंदिर समिति के सचिव चंद्र मोहन प्रसाद अध्यक्ष अजय कुमार गुप्ता ,कोषाध्यक्ष सतीश कुमार अग्रवाल उर्फ बबलू जी विकास कुमार उर्फ भोला जी संस्थापक अरुण पुरोहित वैगरह ने सभी श्रद्धालुओं को सत्तू का पैकेट उपलब्ध कराया। हर हर महादेव ,जय भोले, जय बाबा बफार्नी के नारों से पूरा परिसर गूंजायमान हो उठा । खास से लेकर आम लोगों तक ले श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर स्थानीय विधायक डॉक्टर सी एन गुप्ता, समाजसेवी भाजपा नेता राणा यशवंत सिंह, धर्म प्रचारक अरुण पुरोहित, गोपाल जी प्रसाद, नवीन कुमार मन्नू, दीपक कुमार गुप्ता मनोज कुमार ने अमरनाथ यात्रियों का अभिनंदन किया। जय भोले भंडारी सेवा दल के सैकड़ो कार्यकर्ता सेवा में लग रहे हजारों लोगों कीउपस्थिति रही।

राजकीय सम्मान के साथ जवान का हुआ अंतिम संस्कार

रिविलगंज। टेकनिवास पोखरा में बुधवार को डूबकर हुई सेना की जवान बसंत राम की मौत के बाद गुरुवार को देर संध्या सेमरिया स्थित श्मशान घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। श्मशान घाट पर सेना की जवानों ने मृत साथी को सलामी दी। मृतक के पुत्र ऋतू राज ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। विदित हो कि टेकनिवास गांव निवासी लाल बहादुर राम के 39 वर्षीय पुत्र बसंत राम की मौत बुधवार को टेकनिवास पोखरा में डुबने से हो गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची रिविलगंज थाना के पुलिस ने शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम कराने के परिजनों को सौंप दिया। मिली जानकारी के अनुसार आसाम में पोस्टेड सेना के जवान बसंत राम कुछ दिन पहले छुट्टी लेकर घर आये थे। बसंत राम को गुरुवार को ड्यूटी पर वापस जाना था। लेकिन बुधवार को ही घटना घटित हो गयी। हंसमुख व मिलनसार स्वभाव के धनी बसंत राम की असामयिक निधन से घर-परिवार सहित गांव-जवार में शोक की लहर है। उनकी शादी करीब पंद्रह साल पहले हुई थी। दो बच्चे एक पुत्र ऋतु राज एवं पुत्री अनन्या कुमारी है।

वार्षिक अवार्ड समारोह में क्लब ने लोगों को किया सम्मानित

छपरा कार्यालय। शहर में स्थित पार्टी क्लब में कार्यक्रम की शुरूआत अध्यक्ष शिल्पी कुमारी को कॉलर पहना कर और कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित करके हुआ। सदस्यों ने इनर व्हील प्रार्थना प्रस्तुत की । कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष शिल्पी कुमारी ने किया और अपने कार्यकाल में हुए प्रोजेक्ट और सामाजिक कार्य के बारे में अतिथियों और सदस्यों को विस्तृत जानकारी दी और देवघर में हुए डिस्ट्रिक्ट अवार्ड सेरेमनी ह्लआभारह्व में मिले अवार्ड के बारे में सविस्तार बताया। तत्पश्चात अध्यक्ष ने अपने 1 साल के पूरे कार्यकाल में सहयोग देने वाली क्लब की सदस्यों और प्रेस तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को स्टॉल तथा मोमेंटो देकर सम्मानित किया। अतिथियों में आए हुए रोटरी क्लब छपरा के भूतपूर्व अध्यक्ष रोटेरियन राजेश्वर प्रसाद को अध्यक्ष ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। राजेंद्र कॉलेजिएट के प्राचार्य महेश प्रसाद चौरसिया और राजकीय प्राथमिक विद्यालय के प्राचार्य अनिल सिंह को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। रोटरी सारण से आए 2024-25 के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता,पूर्व अध्यक्ष डॉ मदन प्रसाद,पूर्व अध्यक्ष विकास कुमार और रोटेरियन आशुतोष कुमार दीपक को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। योगा टीचर रोहित कुमार को भी मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष ने प्रेस तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से आए हुए प्रतिनिधि डॉ.विद्या भूषण श्रीवास्तव शकील हैदर किशोर कुमार , उमेश शर्मा, चंदन कुमार, विकास कुमार को अंगवस्त्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। उसके बाद अध्यक्ष शिल्पी कुमारी ने संस्थापक अध्यक्ष, सभी पूर्व अध्यक्ष, और कार्यकारिणी सदस्यों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। फिर अध्यक्ष ने बेस्ड अटेंडेंस के लिए प्रिया साह, एक्टिव मेंबर के लिए निष्ठा मोदनवाल, बेस्ट सपोर्ट के लिए प्रीति सिंह और बेस्ट फेलोशिप के लिए सुषमा गुप्ता और रूपा गुप्ता को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। अध्यक्ष ने इन सभी का धन्यवाद और आभार जताया । उसके बाद अध्यक्ष शिल्पी कुमारी ने 2025-26 की अध्यक्ष और उनकी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दिया। धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष अंजू फैशन ने दिया और मंच संचालन पूर्व अध्यक्ष अनीता राज ने किया। कार्यक्रम की समाप्ति राष्ट्रगान से हुआ। इस मौके पर संस्थापक अध्यक्ष अनु जायसवाल, रूपा गुप्ता, तनु जायसवाल, सुषमा गुप्ता, सचिव अंकिता जयसवाल, कोषाध्यक्ष रिंकी सिन्हा, एडिटर रचना कुमारी, सदस्य संजू गोल्ड, मंजू गुप्ता, संध्या उपाध्याय, रीना गुप्ता, शालिनी अग्रवाल, सोनी गुप्ता, रजनी गुप्ता, सीमा देवी, गीता गुप्ता और ज्योति गुप्ता की उपस्थिति रही।

पार्टी के बीएलए मतदाता गहन पुरनिरीक्षण कार्य में बीएलओ को सहयोग करेंगे

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने पार्टी के जिला संगठन प्रभारी विधानसभा प्रभारी विधानसभा के ब्लीडो एवं पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार के द्वारा मतदाता गहन पुरनिरीक्षण एक चैलेंज के रूप में सभी साथियों को लेना होगा तभी जाकर ससमय मतदाताओं का मतदाता सूची में नाम जोड़ा जा सकेगा इस अभियान में पार्टी के सभी जिला से लेकर प्रखंड पंचायत बूथ अस्तर तक के सभी समर्पित कार्यकताओं को लगना होगा तभी जाकर मतदाता गहन पुननिरीक्षण अभियान को सफल बनाया जा सकेगा आप सभी समर्पित साथियों को बदौलत हम लोग इस अभियान को सफल बनाएंगे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह माननीय मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि मतदाता गहन पुनरीक्षण में विधानसभा प्रभारी एवं बीएलए 2 का जवाब दे ही है कि कोई भी मतदाता का नाम छुटे नहीं अपने-अपने विधानसभा में कैंप कर इस अभियान को सफल बनाएंगे प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि आगामी 8 जुलाई को सुबह में सभी पंचायत में पार्टी के समर्पित कार्यकताओं के द्वारा साइकिल रैली निकाल कर मतदाता गन पुनरीक्षण कार्य को जागरूक करेंगे और साथ ही साथ पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता मतदाताओं के घर पर जाकर मतदाताओं का पूर्ण निरीक्षण कार्य में सहयोग करेंगे पूर्व में बनाए गए पार्टी के द्वारा सभी बूथों पर बीएलए का सत्यापित कर उस सूची को पुनः जिला निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय में जमा कराना सुनिश्चित करेंगे पार्टी के द्वारा सभी विधानसभा वार पंचायत स्तर पर आयोजित बूथ कमेटी की बैठक अगले आदेश तक स्थापित कर दी गई है वर्चुअल बैठक में मुख्य रूप से जिला संगठन प्रभारी रणविजय कुमार ,जिला अध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू ,विधानसभा प्रभारी राजेंद्र जॉर्ज,महेश्वर चौधरी ,रवि ज्योति ,मनोज पटेल,संजय गिरी ,मन्नू गिरी ,संदेश महतो ,अब्दुल बाकी,लालबाबू कुशवाहा, ई प्रभास शंकर,देव शंकर पाल ,चंद्रभूषण पंडित,संतोष कानन ,कुसुम देवी,गुलाम गौस राइन ,सत्यनारण सिंह ,अख्तर अली ,इम्तेयाज परवेज ,मनोज सिंह,संजीत कुमार सोनी,इत्यादि सम्मिलित थे

मुहर्रम पर विधि व्यवस्था बनाए रखने को ले डीसी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ संयुक्त ब्रीफिंग की

प्रात: किरण संवाददाता

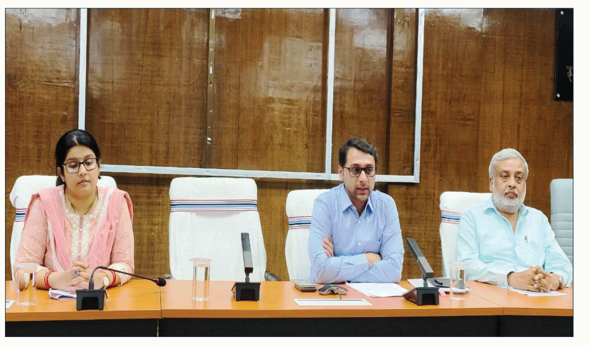

आरा। मुहर्रम पर्व के शांतिपूर्ण आयोजन एवं विधि व्यवस्था संधारण को लेकर समाहरणालय सभागार में जिला दंडाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया एवं पुलिस अधीक्षक राज द्वारा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ संयुक्त ब्रीफिंग की गई।मुहर्रम के अवसर पर पारंपरिक रूप से निकाले जाने वाले ताजिया जुलूस को देखते हुए प्रशासन ने पूर्ण सतर्कता बरतने और हर स्तर पर निगरानी बढ़ाने का निर्णय लिया है। ताजिया जुलूस में झंडा, परंपरागत हथियार, ढोल-नगाड़े और खेल प्रदर्शन होते हैं, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। इस दौरान सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।ब्रीफिंग में सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि धार्मिक भावनाओं को भड़काने, अफवाह फैलाने या नफरत का माहौल बनाने वालों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखते हुए अफवाहों का त्वरित खंडन और नियंत्रण सुनिश्चित करने को कहा गया। ताजिया जुलूस के मार्गों का संबंधित थाना अध्यक्ष एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से भौतिक सत्यापन किया जाएगा। साथ ही सभी जुलूसों की अनिवार्य वीडियोग्राफी कराई जाएगी और जुलूस के आगे-पीछे सुरक्षा स्कॉर्ट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि सदर अस्पताल, रेफरल अस्पताल एवं सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर मेडिकल टीम को आवश्यक उपकरणों के साथ तैनात किया जाए। जिला नियंत्रण कक्ष में एंबुलेंस समेत एक चिकित्सा दल की प्रतिनियुक्ति भी अनिवार्य की गई है। नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों को पर्व के दौरान विशेष सफाई अभियान चलाने,कर्बला स्थलों पर पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।प्रशासन ने जिला समाहरणालय परिसर में स्थायी नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है, जिसका दूरभाष नंबर 06182-248702 है।इस ब्रीफिंग में जिला भू अर्जन पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पदाधिकारी सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी,सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुहर्रम के शांतिपूर्ण आयोजन को ले अनुमंडल कार्यालय, जगदीशपुर में एक संयुक्त बैठक हुई

ब्रीफिंग बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी जगदीशपुर एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जगदीशपुर द्वारा की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी भोजपुर एवं पुलिस अधीक्षक भोजपुर द्वारा प्राप्त दिशा-निदेशों से उपस्थित सभी पदाधिकारियों को अवगत कराया गया। अधिकारियों को मुहर्रम जुलूस के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, शांति-सद्भाव एवं साम्प्रदायिक सौहार्द सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक स्थल पर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।बैठक के दौरान जुलूस मार्ग, संवेदनशील स्थलों की निगरानी, रूट चार्ट, गश्ती दल की तैनाती एवं नियंत्रण कक्ष की स्थापना जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही सभी पदाधिकारियों से अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में पूरी मुस्तैदी से तैनात रहने एवं किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तत्पर रहने का निर्देश दिया गया।बैठक में जगदीशपुर अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

सेमरिया में नित्या लाइब्रेरी को समाजसेवी अजय सिंह ने सैकड़ों प्रतियोगी पुस्तकें दान की

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। सेमरिया। क्षेत्र के सक्रिय समाजसेवी अजय सिंह ने आज एक सराहनीय पहल करते हुए सेमरिया स्थित नित्या लाइब्रेरी को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में उपयोगी पुस्तकों का बड़ा संग्रह भेंट किया। पुस्तकालय के संचालक के अनुसार, इन पुस्तकों की अनुमानित कुल कीमत लगभग 37,000 है।दान की गई पुस्तकों में 130 विविध विषयों की विशेष पुस्तकें और 80 एनसीईआरटी की किताबें शामिल हैं, जो छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होंगी। यह पुस्तकें बिहार स्टेट पीसीएस (इढरउ), रेलवे, बैंकिंग, एसएससी, और यूपीएससी जैसी केंद्रीय सेवाओं की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को ध्यान में रखकर चयनित की गई हैं।

यह पुस्तकालय क्षेत्र के सैकड़ों छात्रों के लिए एक प्रमुख अध्ययन केंद्र है, जहाँ प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं।इस अवसर पर समाजसेवी अजय सिंह ने कहा,ह्लप्रतियोगी परीक्षा में बिहार और भोजपुर के बच्चे हमेशा आगे रहते है और फिर भी हमारे बच्चे केवल इसलिए न पढ़ सकें क्योंकि उनके पास किताबें खरीदने के पैसे नहीं हैं, तो यह हम सबके लिए बेहद शर्मनाक बात होगी। मेरा उद्देश्य यही है कि आर्थिक कारणों से किसी भी छात्र की पढ़ाई बाधित न होउन्होंने आगे कहा,शिक्षा ही समाज को आगे ले जाने का सबसे मजबूत माध्यम है। हर सक्षम व्यक्ति को अपने स्तर पर छात्रों की मदद करनी चाहिए।

लाइब्रेरी के संचालकों और विद्यार्थियों ने अजय सिंह के इस योगदान का हृदय से स्वागत किया और आभार प्रकट किया। विद्यार्थियों ने कहा कि अब उन्हें महंगी किताबें खरीदने की चिंता नहीं करनी पड़ेगी और वे पहले से बेहतर ढंग से अपनी परीक्षा की तैयारी कर सकेंगे।इस अवसर पर पुस्तकालय के सभी छात्राओं ने अजय सिंह को सम्मानित कर उनको रामचरितमानस भेट दिया, साथ में स्थानीय नागरिकों, अभिभावकों ने अजय सिंह का धन्यवाद किया। सभी ने अजय सिंह के इस योगदान की प्रशंसा की और उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।इस योगदान से एक बार फिर यह सिद्ध हुआ कि अजय सिंह समाज सेवा में अग्रणी हैं, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका समर्पण अनुकरणीय है।

जनतंत्र आवाज पार्टी के बैनर तले धनुपरा में लकड़ी कारीगरों की बैठक आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। प्रदेश अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित इस वर्चुयल बैठक में जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में कृषि विभाग के सभागार में भोजपुर जिला से जिला संगठन प्रभारी, महानगर अध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी एवं इछअ - 1 शामिल हुए।

इस वर्चुयल बैठक के माध्यम से दल के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, बिहार सरकार के माननीय मंत्री विजय कुमार चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, विधानपार्षद ललन श्राफ, विधानपार्षद रविन्द्र सिंह, अनिल हेगड़े एवं मुख्यालय प्रभारी चंदन सिंह द्वारा मतदाता पुनरीक्षण कार्य के संबंध में महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही कार्यकताओं से साइकिल जुलूस निकाल कर मतदाताओं को जागरूक करने के साथ साथ सोशल मीडिया के द्वारा भी प्रचार प्रसार करने का कार्यकताओं को निर्देश दिया गया, जिससे कि किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची में जुड़ने से छुटे नहीं।

इस कार्यक्रम में उपस्थित नव मनोनीत राज्य नागरिक परिषद के महासचिव उर्फ छोटू सिंह को जिला अध्यक्ष संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में अंगवस्त्र एवं बुके से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में जिला संगठन प्रभारी राजकिशोर दांगी, महानगर जिलाध्यक्ष जयप्रकाश चौधरी, प्रवक्ता शंभु प्रसाद सोनी, प्रदेश महासचिव मीडिया सेल विकास कुमार पांडे, मिडिया सेल जिलाध्यक्ष प्रियांशु कुशवाहा, विधानसभा प्रभारी मंटू उपाध्याय, प्रभात कुमार आर्य, अरुणा देवी, विनोद कुमार राय, कमल नोपनी, विधानसभा इछअ - 1 जियाउल वारसी, मनोज कुमार झमन, शिवजी सिंह,दुर्गा पटेल, अवधेश कुमार, संजय चौधरी उपस्थित थे।

बीईओ द्वारा विभिन्न योजनाओं एवं बेहतर शिक्षा के लिए बैठक आयोजित निपुण बिहार, पीबीएल, मशाल एवं ऑनलाइन एंट्री पर दिया गया बल

प्रात: किरण संवाददाता

रक्सौल। प्रखंड अंतर्गत अवस्थित सभी प्रकार के विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों, सीआरसी संचालकों एवं समन्वयकों की एक आवश्यक बैठक स्थानीय प्रखंड स्थित प्रखंड संसाधन केंद्र में आयोजित की गई। प्रखंड संसाधन केंद्र के सभागार में आयोजित इस बैठक में सरकार के निदेशांनुसार सम्बंधित विभाग द्वारा प्रायोजित विभिन्न शैक्षणिक क्रियाकलापों को विद्यालय स्तर पर सफल करने का निर्देश बीईओ ब्रजेश कुशवाहा ने दिया। इसके तहत अधिकाधिक बच्चों को नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु फॉर्म भरवाने, निपुण बिहार कार्यक्रम को क्रियान्वित करने, मशाल-टू के आयोजन को सफल बनाने का भी निर्देश श्री कुशवाहा के द्वारा दिया गया। वहीं यू-डायस पर प्रोग्रेशन कार्य एवं ई-शिक्षकोष पर नए नामांकित बच्चों की प्रविष्टि पूर्ण करने को कहा गया। साथ ही प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग को शीघ्रतापूर्ण समाप्त कर प्रमाणपत्र अपलोड करने को कहा गया। वही सभी प्रधानाध्यापको ने विद्यालयों में विभिन्न समस्याओं से बीईओ को अवगत कराया।

तत्पश्चात बीआरसी कार्यालय द्वारा मांगे गए सभी प्रकार के लंबित प्रतिवेदन, उपयोगिता एवं अन्यान्य सूचनाओं को वांछित प्रपत्र में भरकर जमा कराया गया। मौके पर पीएम पोषण योजना प्रखंड साधनसेवी योगेश प्रसाद, बीआरपी विभूतिभूषण चौबे, लिपिक मनोज कुमार एवं निशांत कुमार सहित सभी प्रधानाध्यापक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक सहित अन्य मौजूद थे।

बिस्कोमान अध्यक्ष विशाल से मिलकर पैक्स प्रतिनिधियों ने दी बधाई

उदवंतनगर - नव निर्वाचित बिस्कोमान अध्यक्ष विशाल सिंह से मिलने व जीत की शुभकामनाए देने को लेकर आरा से पैक्स प्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकताओं का दल पटना पहुंचा तथा मिलकर विशाल सिंह को जीत की बधाई दी। पैक्स प्रतिनिधियों ने उनके बेहतर कार्य काल की ईश्वर से कामना किया। शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे छोटी सासाराम पैक्स अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने कहा कि सहकारिता के पुरोधा थे स्व तपेश्वर सिंह। विशाल को सहकारिता की सेवा का अवसर विरासत में मिला है। भोजपुर खासकर उदवंतनगर के लोगों को विशाल सिंह से बहुत आशा है। इनके नेतृत्व में सहकारिता का मान बढ़ेगा। शिष्टमंडल में शामिल लोगों में डा संजीव कुमार सिंह उर्फ मियां सिंह, शशि चौधरी, राकेश रंजन उर्फ पुतुल, अधिवक्ता मुकुल सिंह,मन्तोष कुमार, कन्हैया सिंह, प्रकाश चौधरी मुख्य थे।

ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण में देश के 62 हवाई अड्डों में गया हवाई अड्डे को मिला द्वितीय स्थान

गया जी।भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा आयोजित ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण में गया हवाई अड्डे को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। प्राधिकरण द्वारा नियमानुसार, प्रत्येक वर्ष में दो बार, सलाहकार की नियुक्ति कर, देश के 62 हवाई अड्डों पर, ग्राहकों के संतुष्टि का सर्वेक्षण कराया जाता है। इस सर्वेक्षण में, यात्रियों के सेफ़्टी व सेक्युर्टी सहित सभी सुविधाओं के पैरामिटर्स पर, सीधे यात्रियों से संवाद स्थापित कर सर्वेक्षण किया जाता है। वर्ष 2025 के पहले छमाही में, देश के कुल 62 हवाई अड्डों ने इस सर्वेक्षण में भाग लिया, जिनमे से परिणाम के आधार पर, गया हवाई अड्डे को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है।बंगजीत साहा, हवाई अड्डा निदेशक द्वारा बताया गया कि पिछले सर्वेक्षणों के परिणामों के आधार पर, यात्री सुविधाओं से संबन्धित विभिन्न बिन्दुओं पर संबन्धित विभागों व हितधारकों के मध्य समन्वय स्थापित कर, आवश्यक कार्य किया गया है। जिसके फलस्वरूप सर्वेक्षण में अभूतपूर्व परिणाम दिखे हैं।

अम्बेडकर सेवा समिति ने शुरू किया नि:शुल्क वाहन सेवा

आरा में टेम्पू संघ द्वारा जारी हड़ताल को देखते हुए अम्बेडकर सेवा समिति ने रोगियों एवं वृद्ध के लिए निःशुल्क वाहन सेवा प्रारंभ किया है जिसकी शुरूआत आज की गई है। समिति के अध्यक्ष यशवन्त नारायण ने बताया की समाज को जब भी ऐसे किसी भी प्रकार की सेवा जरूरत महसूस होगी अम्बेडकर सेवा समिति एक कदम आगे बढ़ कर सेवा कार्य के लिए तत्पर दिखेगी हम लोग समाज की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है बिगत दो दिनों से टेम्पो चालक के अनिश्चित कालीन हड़ताल के वजह से रोगियों एवं वृद्ध को अस्पताल जाने में काफी कठिनाई हो रही थी। जिसके कारण हमलोगों ने निःशुल्क वाहन सेवा प्रारम्भ किया हैं । इन्होंने बताया कि जब तक हड़ताल रहेगा तब तक समिति द्वारा वाहन सेवा उपलब्ध कराया जाएगा। आज लगभग 7 गाड़ी से सैकड़ो लोगो को यह सुविधा प्रदान की गई। इस कार्य मे क्रिकेट एकेडमी के सचिव कुमार विजय, सत्य चैरिटेबल ट्रस्ट के संजय राय, तीरंदाजी संघ के नीरज सिंह, युवा नेता रविश सिंह समेत कई लोग थे।

गुप्त नवरात्र के नवमी के अवसर पर पाठ के समापन के साथ कराया गया हवन

आरा। दश महा विद्या मंदिर, महावीर मंदिर परिसर रमना आरा में गुप्त नवरात्र के नवमी के अवसर पर पाठ के समापन के साथ मंदिर के पुजारी जितेंद्र बाबा द्वारा भक्तों का हवन कराया गया। ,इसके बाद कुवारी कन्या पूजन व भोज कराया गया,जिसमें 111 कन्या उपस्थित रहीं,इसके बाद प्रसाद वितरण हुआ, महंत सुमन बाबा ने बताया कि आज गुप्त नवरात्र का समापन दिवस है,तंत्र शास्त्र के अनुसंधान का नवम दिवस है,दशमी को प्रयोग दिवस मनाया जाता है,दसों द्वार खुला रहता है,अष्ट सिद्धी,नव निधी कि साधना कितना कर पाये,इसको समझने का दिन दशमी तिथी है,उक्त अवसर पर सतेन्द्र नारायण सिंह, सुनिल सिंह अधिवक्ता,यशवंत नारायण, कुमार मोहित, मधुसूदन वर्मा,संजय राय, अभय विश्वास भट्ट ,रवि सहाय संगीता देवी ,ऋचा कुमारी,प्रिया पाण्डेय, पवन पाण्डेय, डा सत्य नारायण उपाध्याय ,श्री एस के सिंह ,ठाकुर राजकिशोर सिंह, जादूगर महानंद, नन्द किशोर सिंह कमल, आदित्य पाण्डेय ,युवराज, शुभम कुमार आदि का सक्रिय योगदान रहा।

गया-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस में जमकर हुई मारपीट, एक हिरासत में, बाउंसर बुलवाकर दिया घटना को अंजाम

गयाजी। गया-कोडरमा ग्रैंडकॉर्ड रेलखंड पर गया-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस में जमकर एक यात्री की पिटाई कर दी गई। झगड़ा गया जंक्शन से ट्रेन में सीट को लेकर शुरू हुआ और यह बड़ी घटना में तब्दील हो गई है। घटना गुरुवार की है। बताया गया कि पहाड़पुर स्टेशन पहुंचने के पहले एक यात्री जो कि जमहेता का रहने वाला था सीट को लेकर दूसरे यात्री से उलझ गया। बात बढ़ते बढ़ते मारपीट तक पहुंच गई। इस बीच पहाड़पुर का रहनेवाला यात्री ने फोन कर अपने कुछ साथियों को पहाड़पुर स्टेशन पर बुला लिया। बाउंसर के रूप में आए करीब एक दर्जन से अधिक लोग पहाड़पुर स्टेशन पर ट्रेन आने का इंतजार करने लगे। जब ट्रेन शाम करीब सात बजे के आसपास प्लेटफॉर्म पर रुकी तो जमहेता के यात्री ने हाथों से इशारा करते हुए अपने कोच में बुला लिया।सभी बाउंसर कोच में यात्री की जमकर धुनाई कर दीट्रेन के ठहरते ही सभी बाउंसर कोडरमा जा रहे यात्री की जमकर धुनाई करने लगे। पीड़ित यात्री परिवार के साथ यात्रा कर रहे थे, बीच बचाव की कोशिश की लेकिन बाउंसरों ने एक न सुनी और धुनाई कर दी।ट्रेन खुली तो एक बाउंसर को बोगी में खींच लिया गया। दो मिनट के ठहराव के बाद ट्रेन जब खुलने लगी तो पीड़ित यात्री अन्य यात्रियों के सहयोग से एक बाउंसर, जिसका नाम हिमांशु कुमार बताया गया है को बोगी में खींचकर अपने साथ कोडरमा लेते चले गए। आरोपी हिमांशु के बारे में बताया गया कि वह पहाड़पुर का रहनेवाला है। जिसे कोडरमा रेल थाना में हिरासत में रखा गया है।प्लेटफॉर्म पर आरपीएफ के जवान नजर नहीं आएस्थानीय लोगों में इस बात की चर्चा हो रही है कि पहाड़पुर स्टेशन पर हुई मारपीट की घटना के वक्त प्लेटफॉर्म पर न तो आरपीएफ घटनास्थल पर पहुंचे और न ट्रेन में स्कोर्ट कर रही टीम को इस घटना की भनक लगी।

इस सम्बंध में कोडरमा आरपीएफ पोस्ट प्रभारी निरीक्षक दीपक कुमार ने कहा कि मारपीट की घटना की जानकारी उन्हें मिली है। रेल थाना के स्तर से अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

भारत में अवैध रूप से प्रवेश करते बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

रक्सौल। भारत-नेपाल सीमा स्थित मैत्री पुल पर शुक्रवार को एसएसबी 47वीं बटालियन ने एक बांग्लादेशी नागरिक को नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश करते हुए गिरफ्तार किया है। भारत में प्रवेश के लिए उसके पास कोई वैध वीजा या दस्तावेज नहीं था। एसएसबी के जवानों ने उसे जांच के दौरान पकड़ा। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान बांग्लादेश के चमोला निवासी सैयद सफीकुर रहमान के पुत्र 43 वर्षीय सैयद इकबाल के रूप में हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक इकबाल ने बताया कि वह आठ दिन पहले बांग्लादेश की राजधानी ढाका से फ्लाइट द्वारा नेपाल की राजधानी काठमांडू पहुंचा था। इसके बाद वह भारत-नेपाल की खुली सीमा का फायदा उठाकर अवैध रूप से भारत में प्रवेश करना चाह रहा था। एसएसबी द्वारा जब उससे भारत में प्रवेश के उद्देश्य के बारे में पूछा गया तो उसने बताया कि वह इलाहाबाद, प्रयागराज होते हुए अजमेर शरीफ जाने की योजना बना रहा था। एसएसबी ने उसे तत्काल हिरासत में ले लिया और पूछताछ के लिए खुफिया एजेंसियों को जानकारी दी गई। इसके बाद विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और इकबाल से पूछताछ शुरू कर दी गई। हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान ने बताया कि इकबाल से गहनता से पूछताछ की जा रही है कि वह भारत में किस उद्देश्य से प्रवेश करना चाहता था और उसके पीछे कोई साजिश तो नहीं है। इस घटना के बाद से बॉर्डर पर सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता और बढ़ा दी गई है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में इसी सीमा से कई विदेशी नागरिकों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिनमें चार चीनी नागरिक भी शामिल हैं।

गरीबों को वैकल्पिक व्यवस्था कर भूमि और पक्का मकान बनाए सरकार! :मनोज मंजिल

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। कोइलवर के सैकड़ों परिवार का वैकल्पिक व्यवस्था किए बगैर अतिक्रमण मुक्त करने के सरकार के तुगलकी फरमान के खिलाफ ज़िलाधिकारी, भोजपुर के समक्ष भाकपा माले और खेग्रामस के नेतृत्व में हुआ एकदिवसीय धरना !

धरने की अध्यक्षता कोईलवर प्रखंड सचिव विष्णु ठाकुर ने किया और संचालन कॉमरेड भोला यादव ने किया रेलवे की जमीन पर सालों से बसा किन्नर समाज भी हुआ शामिल !

मनोज मंजिल ने कहा कि कोईलवर नगर पंचायत के गरीबों को अतिक्रमण के नाम पर जमीन खाली करने तुगलकी फरमान रेलवे विभाग द्वारा जारी किया गया है जिसमें सैकड़ों लोगों को के भविष्य संकट में पड़ गई है यहां तक कि कई अपने रैयती जमीन में बसे लोगों को भी नोटिस जारी कर दिया है ।

सभी भूमिहीन गरीबों को वैकल्पिक व्यवस्था करने सहित 5 डिसमिल जमीन और पक्का मकान की मांग को लेकर भाकपा माले के नेतृत्व में जिलाधिकारी के समक्ष एकदिवसिय धरना किया जा रहा है जिसमें किन्नर समुदाय ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है ,सैकड़ों महिला पुरुष नौजवान शामिल हैं । जब तक हमें पूर्ण आश्वासन नहीं मिल जाता ये धरना जारी रहेगा ,कोई वार्ता नहीं करने आया तो हमलोग सड़क जाम करेंगे एवं जिलाधिकारी का घेराव करेंगे।खुशबू किन्नर ने कहा कि हमलोग 20 साल से ज्यादा समय से कोईलवर में रेलवे की जमीन पर जोकि सोन नदी के किनारे स्थित है बसे हुए हैं, हमलोगों हमेशा से भेदभाव के शिकार रहे हैं,हमलोगों का घर उजड जाएगा तो हम कहाँ जाएंगे । सरकार हमारे लिए 5 डिसमिल जमीन और पक्का मकान की व्यवस्था करे, हमलोगों का नाम वोटरलिस्ट में जोड़े,हमारा आधार कार्ड बनाया जाए,हम कागज कहाँ से लाएं,क्या हमें इस देश मे रहने का अधिकार नहीं है । चाहे सरकार हमलोगों पर बुलडोजर चला दे लेकिन हमलोग अपने मकान को बिना वैकल्पिक व्यवस्था किये तोड़ने नहीं देंगे । मंजू किन्नर,प्रिया किन्नर, खुशबू किन्नर,कल्पना किन्नर और शिला किन्नर ने धरने को किया संबोधित।करीब 5 घंटे के धरने के बाद एसडीएम भोजपुर ने की वार्ता और आश्वस्त किया कि किसी का घर नहीं टूटेगा और ना ही जमीन खाली करायी जाएगी, सभी को जमीन उपलब्ध कराकर आवास योजना के तहत मकान बनवाया जाएगा ।

धरने में भाकपा माले केंद्रीय कमिटी सदस्य सह अगिआंव के पुर्व विधायक कॉमरेड मनोज मंजिल बड़हरा विधानसभा प्रभारी नंद कुमार, कोईलवर प्रखंड सचिव विष्णु ठाकुर, जिला कमिटी सदस्य विशाल कुमार,संजय चौधरी, सुरेंद्र साह, खुशबू किन्नर, अंजु किन्नर, मंजू किन्नर,प्रिया किन्नर,कल्पना किन्नर, शिला किन्नर,कमलेश कुमार, अजीत सिंह भागीरथ मांझी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

बाल संरक्षण विषय पर जिले में नुक्कड़ नाटक से किया जा रहा लोगों को जागरूक

बाल विवाह, पॉक्सो अधिनियम, गोद लेने आदि के कानूनी नियमों का हो रहा प्रचार

प्रात: किरण संवाददाता

आरा । समाज कल्याण विभाग बिहार सरकार के अंतर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई भोजपुर एवं जिला प्रशासन के सौजन्य से तरारी प्रखण्ड मुख्यालय सहित जेठवार और सेदहा पंचायत में कला जत्था के कलाकारों के द्वार नुक्कड़ नाटक ह्लयही हमारे भविष्य ह्ल प्रस्तुत कर बाल संरक्षण पर लोगो को जागरूक किया गया। यह कार्यक्रम दिनांक 23 जून से जिले के प्रत्येक प्रखंडो में चलाया जा रहा है. उक्त कार्यक्रम जिला बाल संरक्षण इकाई,भोजपुर के सहायक निदेशक श्री अलोक कुमार गौतम की देख रेख में किया जा रहा हैं. सहायक निदेशक श्री आलोक कुमार गौतम ने बताया कि समाज कल्याण विभाग का लक्ष्य जिले के सभी बालक - बालिकाओं को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। इस उदेश्य से बाल संरक्षण कानून का प्रभावी कार्यान्वयन करना है और साथ ही जिले के बालक - बालिकाओं को कानूनी सुरझा प्रदान करना है. उनके हितार्थ विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देना हैं. वही नुक्कड़ नाटक में विद्या कला उत्थान के कलाकारों द्वारा नाटक ह्य यही हमारे भविष्य ह्यकी प्रस्तुती कर लोगों को जागरूक किया गया. जिसमें बाल विवाह , पॉक्सो अधिनियम गोद लेना ट्रांसजेंडर समुदाय जैसे विषयों कानूनी नियमों के बारे में गीत -संगीत और अभिनय के माध्यम से आम जनों को बताया गया। कलाकारों में दल नायक मुकेश कुमार , नागेश्वर नयन,दुर्गा प्रसाद,हरेंद्र कुमार,सुनील सिंह,रूबी देवी आदि शामिल थे।

बड़हरा में ग्रामीण चिकित्सकों के लिए कालाजार और फाइलेरिया उन्मूलन पर प्रशिक्षण, पिरामल फाउंडेशन की रही अहम भूमिका

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा (भोजपुर)। बड़हरा स्थित समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभागार में शुक्रवार को कालाजार और फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से ग्रामीण चिकित्सकों को इन संक्रामक रोगों की रोकथाम, पहचान और उपचार की जानकारी देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. स्वरूप शंकर ने की। उन्होंने कालाजार और फाइलेरिया से जुड़ी चुनौतियों, सरकारी प्रयासों, और चिकित्सकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्हें सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

इस कार्यक्रम में पिरामल फाउंडेशन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। फाउंडेशन की ओर से हिमांशु शेखर और रितेश राज ने संयुक्त रूप से प्रशिक्षण सत्र का संचालन किया। उन्होंने एक्टिव केस मैनेजमेंट, हाइड्रोसिल सर्जरी, दिव्यांग प्रमाण पत्र प्रक्रिया, और एमडीए राउंड के दौरान दवा कंजंप्शन की निगरानी जैसे विषयों पर व्यापक जानकारी दी।

हिमांशु शेखर, जो पिरामल फाउंडेशन में स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्षेत्रीय समन्वयक हैं, ने सरकार और समुदाय के बीच सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

वहीं रितेश राज ने नीतिगत क्रियान्वयन और फील्ड पर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि किस तरह पिरामल फाउंडेशन, सरकार के साथ मिलकर स्वास्थ्य कार्यक्रमों को जमीनी स्तर पर लागू करने में तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

दोनों प्रतिनिधियों ने जोर दिया कि ग्रामीण चिकित्सकों की जागरूकता और सक्रिय भागीदारी ही कालाजार व फाइलेरिया उन्मूलन की सफलता की कुंजी है। उन्होंने चिकित्सकों को क्ढउ कार्ड और हैंडबिल वितरित किए ताकि वे अपने कार्यक्षेत्र में आम लोगों को जागरूक कर सकें।

प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए वेक्टर जनित रोग नियंत्रण अधिकारी श्री अजीत कुमार एवं अनुज कुमार ने कालाजार, फाइलेरिया के अतिरिक्त डेंगू और अएर (अ्४३ी एल्लूीस्रँ२ ८ल्लशिङ्गी) पर भी महत्वपूर्ण जानकारी दी।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम, सरकारी तंत्र और पिरामल फाउंडेशन जैसे डेवलपमेंट पार्टनर्स के समन्वय से, ग्रामीण स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने और गंभीर बीमारियों के उन्मूलन की दिशा में एक ठोस और प्रभावशाली पहल साबित हो रहा है। कार्यक्रम में प्रखण्ड स्वास्थ्य प्रबंधक शिवशंकर जी तथा सामुदायिक उत्प्रेरक रंजीत द्वारा सभी ग्रामीण चिकित्सकों को स्वास्थ्य संस्थान से समन्वय बनाकर कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, शनिवार, 05 जुलाई 2025

अंचलाधिकारी को कहा कि ये ज्यादा लोगों को न दौड़ाए, समाधान करें : जिलाधिकारी

जनता दरबार में जिलाधिकारी ने जिले के लोग कि समस्या का किया समाधान

प्रातः किरण संवाददाता

गया। आज शुक्रवार को आयोजित जिला पदाधिकारी का जनता दरबार में जिला पदाधिकारी गया श्री शशांक शुभंकर ने सुबह 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक लगातार उपस्थित लगभग 300 से अधिक व्यक्तियों के मामले को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को जांच यथाशीघ्र कराते हुए जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। आवेदकों के कई मामलों में जिला पदाधिकारी द्वारा जिले के वरीय पदाधिकारी यथा उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी संबंधित प्रखंड के नामित जिला स्तरीय पदाधिकारी आदि द्वारा मामले को जांच कराने का भी जिम्मा दिया गया है। जनता दरबार में प्रधानमंत्री आवास ,मुख्यमंत्री आवास योजना से संबंधित आए मामलों को जिला पदाधिकारी ने उप विकास आयुक्त, डीआरडीए को संबंधित आवेदनों को यथाशीघ्र जांच करते हुए पात्रता रखने वाले व्यक्तियों को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ देने हेतु अग्रेतर कार्य करने का निर्देश दिया गया है।कई व्यक्तियों ने भूमि विवाद, आपसी बटवारा, अतिक्रमण, जमीन संबंधी दिक्कते आदि से संबंधित आवेदन दिए हैं। उन सभी आवेदन के आलोक में जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी तथा थानाध्यक्ष एवं अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के अध्यक्षता में थाना स्तर एवं अनुमंडल स्तर पर हर शनिवार को आयोजित होने वाले जनता दरबार में दोनों पक्षों के व्यक्तियों को बुलाकर संबंधित मामलों को प्राथमिकता देते हुए निराकरण करने का निर्देश दिए हैं। जमीन से संबंधित अत्यधिक मामले को देखते हुए जिला पदाधिकारी ने सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता को निर्देश दिया कि अच्छे तरीके से आए आवेदनों को जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमानुसार उचित कार्रवाई करने हेतु आदेशित करें। इसके साथ ही प्राप्त कई आवेदनों के विरुद्ध वरीय पदाधिकारी नामित कर जांच हेतु निर्देशित किया है। इसके साथ ही जिला पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि प्राप्त आवेदन को अधिकतम सात दिनों में जांच करते हुए दोषी कर्मी, पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई हेतु प्रेषित करें। कई व्यक्ति परिमार्जन के संबंध में आवेदन दिए, जिसपर जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी एवं राजस्व पदाधिकारी को सख्त निर्देश दिया कि परिमार्जन हेतु लंबित आवेदनों को तेजी से निष्पादन करें। जमीन से संबंधित आये मामलों में डीएम ने सभी अंचलाधिकारी को कहा कि ये आम जनता ज्यादातर गाँव के ही होते हैं और किसान होते हैं, इन्हें सरकारी कागजी प्रक्रिया के बारे में हर तरह से मदद करें। जरूरत पड़े तो ग्रामीणों की जो उनकी समस्या है, उसके आलोक में उन्हें आवेदन लिखवाने में मदद करे, किसी को बेवजह दौड़ना न पड़े इसका पूरा ख्याल रखें। मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना संबंधित वंचित आवेदक आये देख, डीएम ने अपर समाहर्ता राजस्व को निर्देश दिया है कि आवेदनों को जांच करते हुए पात्रता रखने वाले आवेदकों को मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना का लाभ दिलवाए। अपने जमीन का जमाबंदी कायम करने के लिए दो बार ऑनलाइन आवेदन दाखिल किया गया परंतु बिना नोटिस बताएं ऑनलाइन आवेदन को अस्वीकृत कर दिया जा रहा है।

टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स समूह के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स,ट्विटर पर फॉलोवर्स की संख्या 10000 के पार

प्रातः किरण संवाददाता

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शैक्षिक बेहतरी के लिए टीचर्स ऑफ बिहार का प्रयास निरंतर जारी

गया जी। टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स समूह बिहार के सरकारी विद्यालयों, शिक्षकों एवं छात्रों के लिए एक बेहतरीन मंच के रूप में विगत छह वर्षों से काम कर रहा है। यह समूह अपने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से शिक्षकों एवं छात्रों के लिए प्रतिदिन विभिन्न प्रकार की शैक्षिक सामग्री साझा करती है जिससे राज्य के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं विद्यालय के छात्र लाभान्वित होते हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिहार के साथ साथ अन्य राज्य के शिक्षक एवं छात्र जुड़े हुए हैं जो प्रतिदिन उपलब्ध कराए गए शैक्षिक सामग्री से अपने विद्यालय में अन्य शिक्षकों एवं छात्रों को प्रेरित करते हुए बेहतर शैक्षिक माहौल तैयार करने में मदद करते हैं।विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में टीचर्स ऑफ बिहार की पहचान इतनी बढ़ी की आज फेसबुक ग्रुप,कुटुंब ऐप, फेसबुक पेज, इंस्टाग्राम के बाद अब एक्स,ट्विटर पर भी लगातार शिक्षक जुड़ रहे हैं और अपने नवाचारी गतिविधि साझा कर रहे हैं जिसके फलस्वरूप अब फॉलोवर्स की संख्या यहां 10000 के पार पहुंच गई है।

समूह के संस्थापक पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर एक्स/ट्विटर ग्रूप टीम लीडर के साथ साथ सभी मॉडरेटर्स की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनके समर्पन एवं मेहनत की बदौलत एक्स/ट्विटर भी अब एक नये आयाम गढ़ते हुए आगे बढ़ रहा है।टेक्निकल टीम लीडर ई.शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार की शिक्षा व्यवस्था में जो परिवर्तन दिख रहा है उसमें कहीं न कहीं टीचर्स ऑफ बिहार समूह का भी योगदान है और खासकर उन शिक्षकों का जो प्रतिदिन अपने विद्यालय में कराए जा रहे नवाचार, गतिविधि या अन्य शैक्षणिक क्रियाकलाप से संबंधित पोस्ट इस मंच पर साझा करते हैं।प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर टीम के सभी सदस्यों के साथ साथ राज्य के सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि आइए,जुड़िए टीचर्स ऑफ बिहार के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ और योगदान दीजिए अपना बदलते बिहार एवं बदलते शिक्षा व्यवस्था में।आइए,हम सब मिलकर बिहार के शिक्षकों की ऊर्जा,नवाचार और प्रेरणादायक कार्यों को एक मंच पर लाएं।

स्वामी विवेकानंद के 123वीं पुण्यतिथि पर आध्यात्मिक संवाद

प्रातः किरण संवाददाता

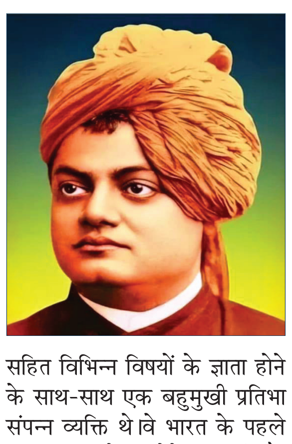

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद की महत्वपूर्ण साहित्यिक संस्था जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के तत्वावधान में भारत के महान आध्यात्मिक संत स्वामी विवेकानंद जी की 123वीं पुण्यतिथि के मौके आध्यात्मिक संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह, उपाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र एवं महामंत्री धनंजय जयपुरी के आह्वान पर संवाद करते हुए जिला उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि स्वामी विवेकानंद भारतीय सनातन साहित्य दर्शन के साथ-साथ पश्चिम दर्शन सहित विभिन्न विषयों के ज्ञाता होने के साथ-साथ एक बहुमुखी प्रतिभा संपन्न व्यक्ति थे वे भारत के पहले हिंदू सन्यासी थे जिन्होंने हिंदू धर्म और सनातन धर्म के संदेश को पूरे विश्व में फैलाकर सनातन मूल्यों,हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति की सर्वोच्चता स्थापित की। स्वामी विवेकानंद के अनुसार सच्चा ज्ञान और कर्म व्यक्ति को सशक्त बनाते हैं इस संदर्भ में ताकत सिर्फ शारीरिक नहीं बल्कि इससे मानसिक,भावनात्मक और आध्यात्मिक लचीलापन में शामिल है जो चीज साहस आत्मविश्वास और आंतरिक दृढ़ता पैदा करती है वह सत्य से जुड़ी होती है विवेकानंद के कारण पूरे विश्व में आध्यात्मिक क्षेत्र में विशेष पहचान बनी लोगों ने सनातन को जानने समझने के लिए विवेकानंद के विचारों पर चलने का बीड़ा उठाया।वैश्विक साहित्य में विवेकानंद के विचारों को संजोकर उसे सहज एवं सरल बनाकर पूरी दुनिया के सामने आध्यात्मिक संवाद को स्थापित करने का कार्य किया था।

प्रोफेसर टीएन सिंहा के निधन से साहित्यिक सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद के महाराणा प्रताप चौक परिक्षेत्र में अवस्थित सिद्धपीठ पर औरंगाबाद जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन,समकालीन जवाबदेही परिवार एवं बतकही परिवार के संयुक्त तत्वावधान में सच्चिदानंद सिंहा महाविद्यालय के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर टी एन सिंहा के आकस्मिक निधन पर उनके सम्मान में एक शोकसभा का आयोजन किया गया।जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह के नेतृत्व में उपस्थित लोगों ने प्रो टी एन सिंहा के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा एवं उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।कहा गया कि इस संकट घड़ी में भगवान उनके परिवार को संबल प्रदान करें।समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रोफेसर टी एन सिंहा शिक्षाविद् के साथ-साथ एक महान समाजसेवी के रूप में जाने जाते थे।सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाले व्यक्ति थे। उनके आकस्मिक निधन से साहित्यिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। मौके पर डॉ शिवपूजन सिंह,दोमुहान मंदिर के अध्यक्ष सिहेश सिंह, इंजीनियर अर्जुन सिंह, अलखदेव सिंह, अशोक कुमार सिंह,रिटायर्ड डीएसपी उदय प्रताप सिंह, प्रो रामविलास सिंह, राम सुरेश सिंह, नारायण सिंह, लवकुश प्रसाद सिंह, बतकही परिवार के संयोजक पुरुषोत्तम पाठक, डॉ सूर्यपत सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

दीपक राज का महत्पूर्ण कागजात खोने से कई महत्वपूर्ण कामों मे हो रहा है बाधा

गयाजी । गया जी विार्ड संख्या 49 स्थित मानपुर के गोपालगंज रोड कच्ची संगत के स्थानीय निवासी स्वर्गीय कैलाश सिंह के पुत्र 36 वर्षीय दीपक राज के महत्वपूर्ण कागजात मानपुर बाजार जाते समय खो गया। जिसमें मकान का केवाला, आधार कार्ड, पैन कार्ड और चेक बुक सहित कई महत्वपूर्ण कागजात शामिल हैं। दीपक राज ने बताया कि कागजात खोने के बाद काफी खोजबीन की। लेकिन कागताज नहीं मिले। दीपक राज ने यह भी कहा कि उन्हें किसी पर शक नहीं है और न ही किसी को दस्तावेज लेते हुए देखा है। कई जगह ढूंढने स्त्रं१ प्रयास करने के बाद भी हासिल नही हुआ। तब जाकर थक हारकर इस संबंध में बुनियादगंज थाना में कागजात खोने का आवेदन देकर सनहा दर्ज कराया है। इस घटना की जांच थाने की पुलिस प्रशासन की ओर से किया जा रहा है।

पितृपक्ष तैयारी के कारण बिजली आपूर्ति गोवाल बिगहा, नुतन नगर इलाकों में बाधित रहेगी

गया जी। साउथ बिहार बिजली विभाग द्वारा गया जी शहर में पेड़ कंटिंग के कारण 11 के वी गोवाल बिगहा फिडर मेंटेनेंस और पेड़ कटने के कारण शनिवार पाच जुलाई को सुबह 10.30 से 12.30 दोपहर तक बंद रहेंगे जिससे विधुत आपुर्ती वाधीत रहेगी मुन्नी मस्जिद,बोली पार, रामचंद्र भवन,गैवाल बिगहा, मुस्लिम होटल, अखाड़ा पर,एस पी आवास, मोहन नगर,चांद मार्केट इलाके में।वही नुतन नगर फिडर भी पेड़ कंटिंग और मेंटेनेंस के कारण कल दोपहर 1.30 दोपहर से 3.30 दोपहर तक विधुत आपुर्ती वाधीत रहेगी जिससे नुतन नगर,चिरानजीवी भवन, गांधी किराना, न्यू एरिया बिसार तलाब,बस स्टैंड सरकारी, हरीदास सेमनरी स्कूल बाधित रहेगी।

मोटरसाइकिल के साथ 35 लीटर महुआ निर्मित शराब बरामद

कुर्था। अरवल पुलिस अधीक्षक डॉ0 इनामुल हक मैगनु के निर्देश पर अवैध शराब कारोबारी एवं शराबियों के खिलाफ चलाए जा रहे छापेमारी अभियान के तहत मानिकपुर थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के कोनी डाक स्थान के समीप से अज्ञात बाइक से 35 लीटर महुआ निर्मित शराब बरामद किया। इस संबंध में मानिकपुर थानाध्यक्ष सुमित कुमार ने बताया कि अरवल एसपी के निर्देश पर मानिकपुर गया बॉर्डर स्थित कोनी डाक स्थान पर चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान देर रात एक बाइक सवार 35 लीटर महुआ निर्मित शराब लेकर जा रहा था शक के बाद उस बाइक को रोका गया जिसके बाद बाइक सवार बाइक छोड़कर फरार हो गया हालांकि बाइक के डिक्की से प्लास्टिक में पैक 35 लीटर महुआ निर्मित शराब बरामद किया गयाजिस थाने लाया गया वहीं उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी चेकिंग अभियान में थानाध्यक्ष के अलावे अपर थानाध्यक्ष दीपक कुमार,नवल भारती, नीरज कुमार समेत कई पुलिसकर्मी शामिल थे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अरवल नगर इकाई का पुनर्गठन किया गया

अरवल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अरवल जिला के अरवल नगर इकाई का पुनर्गठन किया गया, नई नगर इकाई की घोषणा जिला संयोजक अमर कीर्ति ने किया, विभाग छात्रा प्रमुख गुड़िया कुमारी ने बताया कि अइश्ढ की स्थापना 9 जुलाई, 1948को हुई थी। यह वह कालखंड था जब देश नवस्वतंत्र था और अपनी पहचान, एकता और प्रगति के मार्ग पर अग्रसर हो रहा था। ऐसे में, छात्रों की ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण की दिशा में लगाने, उनमें राष्ट्रभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और समाज सेवा का भाव जगाने के उद्देश्य से इस महान संगठन की नींव रखी गई। रत्रद्ध प्रांत सह संयोजक विकाश कुमार ने बताया कि समाज में व्याप्त कुरीतियों, असमानता और अंधविश्वास के खिलाफ आवाज उठाना, सामाजिक एकता और सद्भाव को बढ़ावा देना।

आपदा राहत से लेकर रक्तदान अभियान तक, श्ढ हमेशा समाज के साथ खड़ा रहता है। नई नगर इकाई में नगर अध्यक्ष निशांत कुमार और नगर मंत्री रौनक कुमार बनाए गए, नगर सह मंत्री , शुभम मिश्रा, अमित कुमार ,मोहम्मद अफरीदी, सत्यम कुमार, बनाए गए ,वही कार्यालय मंत्री राहुल कुमार तो नगर कोषाध्यक्ष सोनू यादव को बनाया गया, आयाम कार्य गतिविधि में जिला एसएफडी संयोजक गोलू यादव, जिला रत्रद्ध संयोजक सोनू कुमार,सह संयोजक प्रवीण कुमार जिला राष्ट्रीय कला मंच संयोजक विकास कुमार,खेलो भारत जिला संयोजक प्रिंस कुमार, जिला सोशल मीडिया प्रमुख दीपक कुमार को बनाया गया,नगर कार्यकारणी सदस्य दीपू कुमार,रंजन कुमार,संजीत कुमार, गोविंदा कुमार,नारायण कुमार,सूरज कुमार, लक्ष्मीकांत कुमार,, कुंदन कुमार को बनाया गया ,इस मौके पर रत्रद्ध प्रांत सह संयोजक विकाश कुमार, विभाग छात्रा प्रमुख गुड़िया कुमारी, जिला संयोजक अमर कृति,जिला सह संयोजक अमरकांत यादव, उपस्थित रहे।

डीएम .एसपी ने मुहर्रम पर्व को लेकर किया बैठक, दिए निर्देश

जुलूस में डीजे बजाना व अस्त्र-शस्त्र के प्रदर्शन की अनुमति नहीं

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। समाहरणालय सभाकक्ष में जिला पदाधिकारी अरवल कुमार गौरव एवं पुलिस अधीक्षक अरवल इनामुल हक की संयुक्त अध्यक्षता में मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सदभाव के वातावरण में मनाने हेतु बैठक संपन्न की गई। इस दौरान जिला पदाधिकारी द्वारा मुहर्रम पर्व को व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण महौल में संपन्न कराने के लिए पदाधिकारियों को जरूरी निदेश दिये। उनके द्वारा निदेशित किया गया कि कोई भी जुलूस बिना पूर्व अनुमति के निकाला नहीं जायेगा। जुलूस के लिए एस.डी.पी.ओ द्वारा लाइसेंस जारी किया जायेगा साथ ही जुलूस में डीजे बजाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र के प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जायेगी। जिला पदाधिकारी द्वारा निदेशित किया गया कि लाईसेंस के लिए आवेदन में मार्ग और समय का स्पष्ट उल्लेख करें रूटचार्ट एवं समय का उल्लंघन कदाचार माना जाएगा एवं कार्रवाई की जाएगी। सभी थानाध्यक्ष, अंचलाधिकारी एवं प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को व्यक्तिगत रूप से सभी मार्गों का दौरा करने हेतु निदेशित किया गया एवं किसी भी प्रकार की समस्या संज्ञान में आने पर यथाशीघ्र अपने वरीय पदाधिकारी को सूचित करने हेतु निदेशित किया गया। ताजिया विसर्जन के समय रूट से विचलन की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस विभाग एवं उत्पाद विभाग को शराब से संबंधित जाँच एवं रेड को सख्त एवं तेज करने के निदेश दिये गये (

साथ ही बताया गया कि इस अवसर पर ब्रेथ एनालाईजर से जाँच एवं ट्रैफिक बैरिकेड की व्यवस्था करना सुनिश्चित करेंगे। सभी पदाधिकारियों को निदेशित किया गया कि सोशल मीडिया पर फैलने वाले अफवाहों पर भी दृष्टि बनायें रखेंगे एवं उसकी सत्यता की जाँच करते हुए खंडन करना भी सुनिश्चित करेंगे।

मतदाताओं के बीच यथाशीघ्र करें विपत्र वितरण करना सुनिश्चित : डीएम

प्रातः किरण संवाददाता

कुर्था (अरवल) वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नाम है तो नहीं चाहिए किसी प्रकार का कोई दस्तावेज उक्त बातें शुक्रवार को मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का निरीक्षण करने पहुंचे अरवल जिलाधिकारी कुमार गौरव ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कही उन्होंने कहा कि जिले के सभी मतदाता भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल वोटर्स डाउट ईसीआई डाउट गवर्नमेंट डाउट इन पर जाकर यह जांच कर सकते हैं कि उनका नाम 01 जनवरी 2003 की मतदाता सूची में शामिल है या नहीं। आयोग द्वारा वर्ष 2003 की मतदाता सूची इस पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी कुमार गौरब ने मतदाताओं से अपील की है कि वे स्वयं या बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) की सहायता से 2003 की सूची में अपना नाम जांच लें। जिन मतदाताओं का नाम एक जनवरी 2003 की अहर्ता तिथि तक की मतदाता सूची में शामिल है।इ

उन्हें विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत किसी भी प्रकार का दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी, चाहे उनकी जन्म तिथि कुछ भी हो। इसके लिए मतदाता वोटर्स डाउट ईसीआई डाउट गवर्नमेंट डाट इन लिंक पर जाकर, राज्य बिहार जिला अरवल संबंधित विधानसभा क्षेत्र और भाग संख्या डालकर पीडीएफ डाउनलोड कर सकते हैं।

यह सूची सभी बीएलओ को हार्ड कापी में भी उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि स्थानीय स्तर पर भी जांच सुविधा उपलब्ध हो। यदि किसी व्यक्ति का नाम वर्ष 2003 की सूची में नहीं है, लेकिन उनके माता या पिता का नाम उस सूची में दर्ज है। ऐसे मामलों में माता-पिता के नाम का प्रासंगिक अंश ही प्रमाण स्वरूप मान्य होगा। ऐसी स्थिति में संबंधित मतदाता को केवल अपना गणना प्रपत्र व अन्य सामान्य दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देश दिया है।

अनुदान नहीं वेतनमान वित्तरहित शिक्षकों ने की बैठक

गयाजी । मगध विश्व विद्यालय, बोधगया, गयाजी के एक मान्यता प्राप्त महाविद्यालय में अनुदान नहीं वेतनमान फोरम बिहार प्रदेश के बैनर तले वित्तरहित शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने एक बैठक प्रो० रामकृत यादव की अध्यक्षता में की है।वित्त रहित कॉलेजों के शिक्षक अनुदान नहीं, वेतनमान की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार द्वारा दी जाने वाली वित्त रहित शिक्षा नीति, जिसमें अनुदान दिया जाता है, एक छलावा है, और उन्हें नियमित वेतनमान दिया जाना चाहिए।

बिहार में, वित्त रहित कॉलेजों के शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी लंबे समय से वेतनमान की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे वर्षों से बिना वेतन के काम कर रहे हैं और सरकार द्वारा दी जाने वाली अनुदान राशि भी समय पर नहीं मिलती है।शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी अनुदान नहीं, वेतनमान फोरम के बैनर तले अपनी मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि अनुदान की कमी के कारण, उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है और वे अपने परिवार का भरण-पोषण भी ठीक से नहीं कर पाते हैं।

मोहर्रम को लेकर एसडीओ व डीएसपी ने संवेदनशील इलाकों का लिया जायजा

शेरघाटी।मोहर्रम पर्व को लेकर संवेदनशील इलाके एवम अन्य जगहों का शेरघाटी के एएसपी शैलेंद्र सिंह, एसडीओ मनीष कुमार बीडीओ स्नेहिल आनंद, कार्यपालक पदाधिकारी संतोष कुमार, सीओ ऊषा कुमारी ने लिया जायजा एसडीओ मनीष कुमार ने कहा कि जगह जगह पर पुलिस की तैनाती रहेगी साथ ही मंदिर के परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे नगर परिषद की ओर से लाईट की व्यवस्था रहेगी पुर्व में जो क्षेत्र संवेदनशील है उस जगह पर कैमरे लगाए जाएंगे जो रूढ़ है, उसी रूढ़ से ही जुलूस निकाला जाएं अगर कोई भी व्यक्ति अन्य देशों का झंडा लेकर धुमता है तो कार्रवाई की जाएगी किसी भी हाल में भड़काऊ भाषण अथवा गाना नहीं बजें जो निर्धारित समय है। उसी समय पर संपन्न कराएं शुमाली मुहल्ला में जिस समय गोल उठेगा बड़ी गाड़ी या छोटी गाड़ी मुख्यमार्ग से न जाकर रिंग रोड से जायगा।

ड्यूटी कर गया जंक्शन पर उतरे ट्रेन के गार्ड का पैर हुआ फ्रैक्चर

गया जी।गया जंक्शन के प्लेटफॉर्म उबड़ खाबड़ रहने की वजह से एक गार्ड का पैर फ्रैक्चर कर गया है। ट्रेन मैनेजर(गार्ड) का इलाज गया रेल अनुमंडल अस्पताल में चल रहा है। प्लेटफॉर्म नंबर एक पर पैर उबड़ खाबड़ में पड़ गया । गया हेडक्वार्टर में कार्यरत गार्ड अमित कुमार ने बताया कि एस्पेयर होकर वे 22499 किउल-गया सवारी गाड़ी से गया जंक्शन आए थे। ट्रेन से उतर कर प्लेटफॉर्म नंबर एक पर चल रहे थे कि अचानक पैर उबड़ खाबड़ जगह पर पड़ गया और पैर में मोच सी आ गई। दर्द ज्यादा महसूस हुआ तो रेलवे अनुमंडल अस्पताल में इलाज के लिए आए तो उन्हें भर्ती कर लिया गया है।चिकित्सक ने जब जांच की तो बताए कि पैर की हड्डी फ्रैक्चर कर गया है। उनकी सलाह पर अस्पताल में इंडोर(भर्ती) होना पड़ा। उन्होंने कहा कि प्लेटफॉर्म पर पैदल चलने वक्त इसका ख्याल रखना पड़ता है कि संभल कर चलना होगा।

स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात कर एक समरस, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर राष्ट्र की कल्पना को साकार करना है

स्वामी विवेकानन्द की पुण्यतिथि पर याद किए गए : राजेंद्र प्रसाद ,अधिवक्ता

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने आज स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद न केवल भारत के एक महान संत थे, बल्कि वे भारत की आत्मा, संस्कृति और युवाशक्ति के प्रतीक भी थे। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा, आत्मबोध और मानवता की सेवा के लिए समर्पित रहा है।स्वामी विवेकानंद जी ने विश्व मंच पर भारत की सनातन संस्कृति और दर्शन का जो गौरवमयी प्रस्तुतीकरण किया, विशेषकर 1893 में शिकागो धर्म महासभा में, वह आज भी प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाएद्ध जैसा मंत्र देकर युवाओं को जागरूक और कर्मशील बनने का आह्वान किया है।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि आज जब भारत अमृतकाल की ओर अग्रसर है, तब हमें विवेकानंद के विचारों को आत्मसात कर एक समरस, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर राष्ट्र की कल्पना को साकार करना है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उनके समय में थे।

उनका जीवन हमें सिखाता है कि आध्यात्मिक चेतना के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता भी जरूरी है। हम सबको चाहिए कि उनके बताए मार्ग पर चलकर देश, समाज और मानवता की सेवा करें।इस पुण्यतिथि पर हम स्वामी विवेकानंद को कोटि-कोटि नमन करते हैं और उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेते हैं। आज इनके चित्र पर श्रद्धा सुमन करने वाले डॉ मिहिर कुमार सपना राजमणि,नेहा कुमारी,मिराज अहमद,शिव कुमार सिंह,श्याम किशोर मिश्रा, श्रमानन्द मिश्रा,विनोद सिंह,महेश मिश्रा,इंदुभूषण मिश्रा,कल्पना झा,कंगन सिंह,संतोष कुमार,प्रशांत प्रकाश,बबलू गुप्ता, मंटू कुमार, महेश यादव।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का दिया गया निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी गया शशांक शुभंकर द्वारा निर्वाचक सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के बारे में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, आईसीडीएस, कल्याण, पंचायती राज, समाज कल्याण, जीविका, सभी नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारी, एनयूएलएम एवं अन्य के गया जिला-स्तरीय तथा सभी प्रखंडों में पदस्थापित अधिकारियों तथा कर्मियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक करते हुए सेंसिटाइज किया गया है। गणना फॉर्म के वितरण एवं संग्रहण में सहयोग प्रदान करने हेतु सभी अनुसूचित जाति टोलों में विकास मित्र, गया नगर निगम क्षेत्र में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन एनयूएलएम के कॉम्युनिटी रिसोर्स पर्सन तथा सदस्य; ग्रामीण क्षेत्रों में बूथ पर जीविका के कैडर; जिला में आईसीडीएस के सभी सेविका फैसिलिटेटर की भूमिका निभा रहे हैं। सभी अधिकारियों को अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित कर समयबद्ध ढंग से काम करते हुए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित प्रखंड एवं पंचायत के पदाधिकारियों को कहा कि अगले दो दिनों में अपने अपने विभाग के जुड़े सभी को गणना फॉर्म के वितरण एवं संग्रहण करने को कहा है। डीएम ने कहा कि अपने क्षेत्र के बीएलओ से गणना फॉर्म प्राप्त करते हुए अपने परिवारों का गणना फॉर्म को भरते हुए उसे वापस बीएलओ को उपलब्ध करवाए। डीएम ने कहा कि जीविका के 479962 परिवार जिले में रजिस्टर्ड हैं, एक परिवार में औषतम 4 लोग जो 18 वर्ष से ऊपर होंगे अर्थात 1919704 लोग को तेजी से गणना पत्र वितरण करवाने को कहा है और फॉर्म भरने के पश्चात वापस संग्रहण भी करवाने को कहा है।

डीएम ने कहा कि हर प्रखंड में बड़ी संख्या में जीविका के कम्युनिटी मोबिलाइज हैं, प्रखण्ड जीविका पदाधिकारी के माध्यम से आज ही बैठक आयोजित करवाते हुए गणना पत्र बीएलओ से प्राप्त होते ही भरने के पश्चात वापस संग्रहण करवाने को कहा गया है। इसके लिये हर बीएलओ के साथ जीविका की ओर से एक नोडल नामित ककरने को कहा है ताकि जीविका की दीदियों तक बिना देरी के गणना प्रपत्र मिल जाये। इसी प्रकार आईसीडीएस में 8329 कर्मी है, एक घर मे औषतम 4 लोग अर्थात 33316 लोग को तेजी से गणना पत्र वितरण करवाने को कहा है और फॉर्म भरने के पश्चात वापस संग्रहण भी करवाने को कहा है।इसी प्रकार विकास मित्र रजिस्टर में अंकित महादलित टोलो को भी तेजी से बीएलओ जाकर प्रपत्र वितरण करवाये।

प्रखंड कल्याण पदाधिकारी इसे हर हाल में सुनिश्चित करेंगे। इस बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता विभागीय जांच, उप निर्वाचन पदाधिकारी, डीपीओ आईसीडीएस, डीपीएम जीविका सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

पटना, शनिवार, 05 जुलाई, 2025

संक्षिप्त खबरें

पीएसएस कर्मी के साथ मारपीट करने का जेई ने दर्ज कराई प्राथमिकी

बनियापुर। बनियापुर कोल्हुआ पावर ग्रिड कर्मी से गाली गलौज मारपीट का मामला जेई ने दर्ज कराई। सहाजितपुर थाना मे दर्ज प्राथमिकी मे जेई पंकज कुमार मे बताया है कि ड्यूटी मे लगे रंजन कुमार,राहुल कुमार को सिसई गाव निवासी अन्यास खेदु ठाकुर असरफ अली ने कार्य मे बाधा डालते गाली गलौज करते मारपीट कर जख्मी कर दिए।पुलिस मामले जाच कर रही है।

मां श्यामा मंदिर में आषाढ़ी नवरात्रा का हुआ भव्य शुभारंभ

दरभंगा। माँ श्यामा मंदिर न्यास समिति द्वारा आषाढ़ी नवरात्रा का माधवेश्वर परिसर में यजमान के रूप में न्यासी सह संस्कृत विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर साहित्य प्रभारी विभागाध्यक्ष प्रो.संतोष पासवान के संकल्प से विधिपूर्वक शुरू किया गया। इस अवसर पर न्यास समिति के उपाध्यक्ष पंडित कमलाकांत झा ने कहा कि नवरात्रा के दौरान प्रत्येक दिन नौ पंडितों द्वारा सविधि दुर्गा सप्तशती का संपुट पाठ किया जायेगा। प्रभारी सह सचिव मधुबाला सिन्हा ने बताया कि संपुट पाठ के बाद न्यास समिति के सौजन्य से उपस्थित श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों के बीच कढ़ी-चावल प्रसाद वितरण किया जायेगा। न्यासी प्रो.संतोष पासवान ने श्रद्धालुओं से नवरात्रा पाठ व आरती के दौरान अधिक से अधिक भक्त भाग लेने की अपील की। मौके पर माँ श्यामा मंदिर न्यास समिति के प्रभारी प्रबंधक रमानाथ झा, पंडित ताराकांत झा, भजन गायक शिव कुमार गुप्ता, उज्ज्वल कुमार, सुनील कुमार पासवान ,पंकज ठाकुरआदि मौजूद थे।

विश्वविद्यालय की पहचान है पंचांग : कुलपति

दरभंगा। शुक्रवार को उत्सवी माहौल में कुलपति प्रो0 लक्ष्मीनिवास पांडेय की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय पंचांग का विमोचन कर दिया गया। मौके पर कई विद्वान भी उपस्थित थे। अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित विमोचन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि यह पंचांग सिर्फ मुहूर्त व शुभ दिन देखने के लिए नही है बल्कि यह विश्वविद्यालय की स्मिता व पहचान है। यहां के विद्वान विशेषज्ञों द्वारा कठिन मेहनत कर इसे तैयार किया जाता है। ये सभी धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि आगे से और पहले ही इसे प्रकाशित कराने की व्यवस्था की जाएगी। वहीं शोध व प्रकाशन प्रभारी प्रो0 दिलीप कुमार झा ने कहा कि विश्वविद्यालय पंचांग के जनक महरूम कुलपति प्रो0 रामकरण शर्मा थे। उन्हीं के संरक्षण में पहली बार 1977-78 में इसका प्रकाशन शुरू हुआ। यह सिलसिला अनवरत जारी है। आज हर्ष का विषय है कि पंचांग का 48वां अंक हमलोगों के हाथों में है। वहीं, पंचांग के निदेशक ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ कुणाल कुमार झा ने पंचांग प्रकाशन की गुणवत्ता पर सवाल उठाया। इसी क्रम में डीन डॉ शिवलोचन झा ने कहा कि विश्वविद्यालय पंचांग का इंतजार देश-विदेशों में रहता है। यह सम्पूर्ण देश के लिए गौरव है। मौके पर प्रो दयानाथ झा, प्रो0 पुरेन्द्र वरिक, डॉ सुनील कुमार झा, डॉ महानन्द ठाकुर, डॉ ध्रुव मिश्र, डॉ उमेश झा, डॉ धीरज कुमार पांडेय, डॉ नरोत्तम मिश्रा, डॉ रामसेवक झा, डॉ अनिल कुमार झा, डॉ रविन्द्र मिश्र भी उपस्थित थे।

कोरेक्स कफ सिरप तस्कर को 5 साल की सजा, 1 लाख रुपया का जुमार्ना

सहरसा । सहरसा सदर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीनाथ नगर सराही वार्ड नंबर 40 निवासी कौशिक आनंद को कोडीन युक्त कफ सिरप रखने के मामले में दोषी पाया गया। कोर्ट ने उसे 5 साल की सजा और 1 लाख रूपया जुमार्ना सुनाया। जुमार्ना नहीं देने पर 6 माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। यह फैसला अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह विशेष उत्पाद न्यायाधीश द्वितीय संतोष कुमार की अदालत ने सुनाया। विशेष लोक अभियोजक राजीव रंजन पाण्डेय ने बताया कि मामला 10 सितंबर 2024 का है। संध्या गश्ती के दौरान पुलिस को मुख्यालय और आसूचना केंद्र से सूचना मिली थी। इसके आधार पर कौशिक आनंद के घर छापेमारी की गई। छापेमारी में एक कमरे से 420 लीटर कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद हुआ। बरामदगी के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत जब्ती की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस मुख्यालय और कोसी प्रक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक के निर्देश पर मामले को त्वरित विचारण हेतु चुना गया। न्यायालय में अभियोजन पक्ष ने दस्तावेजी और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य पेश किए। पांच प्रत्यक्षदर्शियों की गवाही करवाई गई। प्रतिरक्षा पक्ष ने दो गवाहों को प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान अदालत ने अभियोजन और साक्ष्यों को स्वीकार किया। अदालत ने माना कि कौशिक आनंद बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30 ए के तहत दोषी है। अदालत ने कहा कि पह अपराध न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि समाज के लिए भी घातक है।

आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर डीएम की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय !जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, मिथिलेश मिश्र के द्वारा आगामी बिहार विधान सभा निर्वाचन-2025 की तैयारी से संबंधित समीक्षात्मक बैठक विभिन्न कोषांगों के वरीय पदाधिकारी,नोडल पदाधिकारी के साथ समाहरणालय लखीसराय स्थित मंत्रणा कक्ष में आयोजित की गई। जिला पदाधिकारी के द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि आगामी बिहार विधानसभा निर्वाचन-2025 में मतदान हेतु चिन्हित सभी बूथों पर स्वच्छ पेयजल, शौचालय, टॉयलेट, दिव्यांग मतदाताओं हेतु रैंप की व्यवस्था सुनिश्चित करें। जिला पदाधिकारी द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की भी समीक्षा की गई। कार्मिक कोषांग की समीक्षा के क्रम में कर्मियों के डाटा की जानकारी ली गई, और यह निदेश दिया गया कि लखीसराय जिला स्थित जिस भी कार्यालय से कर्मी का डाटा उपलब्ध नहीं कराया गया है उनसे जल्द प्राप्त कर लें। आज की बैठक में उप विकास आयुक्त सुमित कुमार,उप निर्वाचन पदाधिकारी राहुल कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी सुश्री पम्मी रानी,वरीय उपसमाहर्ता शिव कुमार, निदेशक ठएढ नीरज आनंद, निदेशक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण नीरज कुमार, वरीय उप समाहर्ता सुश्री प्राची कुमारी एवं संबंधित कोषांग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया के माध्यम से आपसी सद्भाव में खलल उत्पन्न करने वाले पोस्ट शेयर करने पर होगी कार्रवाई : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा । जिलाधिकारी दीपेश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक हिमांशु की संयुक्त अध्यक्षता में आहुत जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में आसन्न मुहर्रम पर्व के शांतिपूर्ण सद्भावपूर्ण वातावरण में आयोजन सुनिश्चित करने निमित जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों के संबंध में शांति समिति सदस्यों को अवगत कराया गया। जानकारी दी गई की वर्णित पर्व के अवसर पर विधि व्यवस्था के समुचित संधारण के उद्देश्य से जिलांतर्गत अनुमंडलों से संबंधित चिन्हित स्थलों पर दंडाधिकारियों पुलिस पदाधिकारियों एवं पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। सूचना संप्रेषण एवं प्राप्त सूचना के आधार पर त्वरित कारवाई के उद्देश्य से जिला नियंत्रण कक्ष सतत कार्यशील रहेगा। जिला प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया की सतत निगरानी की जा रही है। सोशल मीडिया के माध्यम से आपसी सद्भाव में खलल उत्पन्न करने निमित पोस्ट शेयर करने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कठोरतम कारवाई सुनिश्चित की जाएगी। शांति समिति सदस्यों से वातालर्प क्रम में जानकारी दी गई की मुहर्रम पर्व आयोजन क्रम में पूर्व से चिन्हित अनुमोदित/अनुसंशित मार्ग एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र अंतर्गत वर्णित प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य अपेक्षित होगा। बैठक के दौरान शांति समिति सदस्यों द्वारा पूर्व की भांति पर्व के शांतिपूर्ण आयोजन में सहभागिता के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त किया गया।

भगवान बाजार वार्ड 13 में नगर निगम की लापरवाही के कारण हुआ जल जमाव

सेवा निवृत रेल अधिकारी ने नगर आयुक्त को दिया आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर नगर निगम की लापरवाही के कारण शहर के भगवान बाजार, छपरा, वार्ड संख्या 13 में स्थित प्रभु कालोनी में पहले से बने पश्चिम तरफ के सरकारी नाला में जल जमाव निकासी नहीं करके सरकारी निधि से बने ईटाकरण वाले वास्ते को नगर निगम द्वारा तोड़कर गड्ढा बनाकर जल जमाव कर दिया गया है।जिसके खिलाफ रिटायर्ड रेल अधिकारी ओम प्रकाश सिंह पाराशर ने नगर आयुक्त को आवेदन देकर विरोध जताया है। उन्होंने अपने आवेदन में लिखा है कि छपरा नगर निगम अंतर्गत वार्ड 13 में स्थित प्रभु कॉलोनी ,भगवान बाजार में जल निकासी नहीं बनाने से जल जमाव हो रहा था। कॉलोनी में करीब पचासों वर्ष पूर्व बना पश्चिम तरफ हथुआ राज का नाला जो उत्तर तरफ रेलवे में नाले में मिल जाता है। कालोनी के जल जमाव को उस सरकारी नाले में जोडने से जल जमाव नही होता लेकिन नगर निगम द्वारा जल जमाव की निकासी उस नाले में नहीं किया गया एवं पूरब तरफ सरकारी निधि से किये गये इटीकरण के रास्ते को दिनांक 22.06.25 की तोड़कर गड्ढा बना दिया गया जिसके कारण मुख्य सड़क से कालोनी में आने जाने वाला सड़क गड्ढा बनकर एवं जल जमाव के कारण बाधित हो गया है। गड्ढे में जल जमाव के कारण कभी भी कोई व्यक्ति फिसलकर गिर सकता है जिससे गम्भीर चोट आ सकती है। ज्ञातव्य हो कि कालोनी में भारतीय स्टेट बैंक, अपर आयुक्त, राज्य_कर(अपील) , सारण प्रमण्डल का कार्यालय एवं कॉलोनी वासी तथा एक नर्सिंग होम परिचालित है। रास्ता बाधित होने से आम जन को काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने अपने आवेदन में लिखा है कि वर्णित तथ्यों की गम्भीरता को देखने हुए जल्द से जल्द उचित सकारात्मक पहल कर कार्रवाई की जाए ताकि नागरिकों को कोई कठिनाई नहीं हो ।साथ ही, कोई अप्रिय घटना घटित न हो तथा राजकीय राजस्व की क्षति न हो।

प्रखंड 20 सूत्री की बैठक संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

रिविलगंज। रिविलगंज प्रखण्ड 20 सूत्री की बैठक अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान की अध्यक्षता में प्रखण्ड सभागार में हुई बैठक का शुभारंभ में प्रखण्ड पदाधिकारी सह 20 सूत्री सचिव रितेश कुमार ने 20 सूत्री अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंहः चौहान , विधायक डॉ सी एन गुप्ता, प्रमुख डॉ राहुल राज , सारण सांसद राजीव प्रताप रूडी के प्रतिनिधि ई सतेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष पवन सिंह , जिला परिषद सदस्य गुड्डु साह सहित सभी सदस्यों को स्वागत किया एवं 20 सुत्री के एजेंडा को सदन में रखा उसके बाद सभी विभागों के अधिकारियों का परिचय कराया गया। बैठक में सांसद प्रतिनिधि ई सतेंद्र सिंह ने बैठक में सात निश्चय, बिजली,स्वास्थ्य, मनरेगा,जन वितरण प्रणाली, प्रधानमंत्री आवास योजना,पी0एच0ई0डी0,लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान,पोषाहार वितरण, राजस्व,आर0टी0पी0एस0,थाना से संबंध, कृषि,शिक्षा,श्रम ,पशुपालन, सिचाई,जल नल,जीविका, पर एक एक कर अधिकारी से रिपोर्ट लिये। छपरा के भाजपा विधायक डॉ सी एन गुप्ता ने कहा कि 20 सूत्री का बहुत बड़ा कार्य है सरकार ने बहुत दिनों के बाद इसका गठन किया है इससे सरकार के योजनाओं में पारदर्षिता होगी। प्रमुख्य डॉ राहुल राज ने आंगनबाड़ी ,जल नल जैसे मुद्दे को उठाया कहा कि आज जनहित में कार्य करे एवं लोगो को कार्य करे। सांसद प्रतिनिधि ई सत्येंद्र सिंह ने कहा कि सरकार ने 20 सूत्री का गठन किया है सरकार के योजनाओं का निगरानी करनी है। उन्होंने कहा कि आप जनता के योजनाओं को सत्यता से कार्य करे। अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंहः चौहान ने कहा कि आप जनता के दाखिल खारिज, आन लाइन ने गलत नामो को जल्द जल्द सुधारने को कहा ताकि जनता को परेशानी न हो । उन्होंने कहा बिजली विभाग में कृषि कनेक्शन में हो रही विलम्ब को जल्द से कनेक्शन कराने को कहा ताकि सरकार के हर किसान के खेत मे बिजली जाय उसको पूरा करे। पहली बैठक था जिसके लिये सभी बातों को रजिस्टर में दर्ज किया गया। बैठक का धन्यवाद ज्ञापनउपाध्यक्ष पवन सिंह ने किया। बैठक में अंचल अधिकारी ,बीओ, कृषि पदाधिकारी ,बिजली विभाग सहित सभी अधिकारी उपस्थित हुए। साथ में 20 सुत्री सदस्य गामा सिंह,सतेंद्र शर्मा,धीरज कुमार,मनु लाल बैठा, पूर्व मण्डल अध्यक्ष अनुरंजन कुमार, बीडीसी मनोज कुमार, सुशांत कुमार,गुड्डू कुमार ,राकेश सिंह,सहित सभी सदस्य उपस्थित रहे।

मोहर्रम पर्व को लेकर शेरघाटी में निकाली गई फ्लैग मार्च

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी।आपसी सद्भावना व सौहार्दपूर्ण पूर्ण वातावरण में त्योहार मनाये जाने को ।लेकर शुक्रवार को शेरघाटी एएसपी शैलेंद्र सिंह एवं थानाध्यक्ष अजित कुमार के नेतृत्व में शहर में निकाला गया फ्लैग मार्च अप्रैल मार्च यह मार्च थाना परिसर से मुख्य मार्ग होते हुए लिपगंज चट्टी रोड, काली मंदिर, जेपी चौक, राम मंदिर, बढ़ई टोला, लोदी सहीद, सोनार टोली मोहल्ला होते हुए हटिया मोहल्ला से रंगलाल हाई स्कूल के मैदान गया। उक्त दौरान के पुलिस पदाधिकारी के पुलिस बल के लोग शामिल रहे।

गुरु प्रेम और भक्तिः मुक्ति का सहज मार्ग : परमहंस दयाल जी महाराज

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। हिंदू आध्यात्मिकता में अद्वैत वेदांत आत्मा और परमात्मा की अभेदता का सिद्धांत है। यह संसार माया का भ्रम है, और जीव अज्ञान के कारण 84 लाख योनियों के चक्र में भटकता रहता है। इस चक्र से मुक्ति का एकमात्र मार्ग गुरु भक्ति है। संत कबीरदास ने कहाः गुरु वह आलोक है जो अज्ञान के तम को नष्ट कर जीव को ब्रह्म में लीन करता है। परमहंस दयाल स्वामी अद्वैतानंद जी महाराज ने अपने जीवन और शिक्षाओं के माध्यम से इस सत्य को सहज और सरल रूप में जन-जन तक पहुंचाया। अद्वैत सिद्धांत में गुरु वह कुंजी है जो आत्मा को परम सत्य के द्वार तक ले जाती है। बिना गुरु भक्ति के न ज्ञान संभव है, न मुक्ति। परमहंस दयाल जी के अनुसार, गुरु वह सच्चा मार्गदर्शक है जो जीव को 84 लाख योनियों के बंधन से मुक्त करता है। उनकी शिक्षाओं में गुरु भक्ति को सर्वोपरि माना गया, क्योंकि यह आत्मा को माया के भ्रम से मुक्त कर परमात्मा से एकरूप करती है। यदुनंदन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.पुष्पराज गौतम बताते है परमहंस दयाल स्वामी अद्वैतानंद जी (जन्मः 5 अप्रैल 1846, छपरा, बिहार) अद्वैत मत के प्रथम गुरु थे। राम नवमी को जन्मे, उन्हें राम याद नाम मिला। बचपन में अनाथ होने पर लाला नरहरी प्रसाद ने उनकी शिक्षा का दायित्व संभाला। संस्कृत, हिंदी, और अरबी में निपुण, उन्होंने 16 वर्ष की आयु में गृहत्याग कर बिहार के जंगलों में तपस्या शुरू की। 1883 में जयपुर में स्वामी आनंदपुरी जी से भेंट के बाद उन्होंने सहज योग, प्राणायाम, और अद्वैत सिद्धांत की गहन साधना की। डॉ.गौतम ने जानकारी दी कि परमहंस दयाल जी का दृष्टिकोण सहजता और भक्ति पर आधारित था। उनका मानना था कि सच्चा संन्यासी वह है जो माया और वासना से परे होकर आत्म-ज्ञान का प्रचार करे। उन्होंने प्रसिद्धि और ऐश्वर्य को ठुकराकर सादगी और सेवा को अपनाया। उनके उपदेशों में सहज योग को विशेष स्थान था, जो सामान्य जन को भी आध्यात्मिक मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता था। वे कहते थेः उनके द्वारा स्थापित कृष्ण द्वार आश्रम, जैसे संत मत-अनुयायी आश्रम (वाराणसी) और श्री आनंदपुर सत्संग आश्रम, भक्ति और आत्म-ज्ञान के केंद्र बने। 1919 में तेरि (पाकिस्तान) में समाधि लेने से पूर्व उन्होंने स्वामी स्वरूपानंद जी को उत्तराधिकारी बनाया। उनकी समाधि 2020 में करक मंदिर हमले में क्षतिग्रस्त हुई, किंतु उनकी शिक्षाएं आज भी जीवंत हैं। परमहंस दयाल जी का दर्शन अद्वैत सिद्धांत पर आधारित था, जिसमें आत्मा और ब्रह्म की एकता सर्वोपरि है। वे मानते थे कि माया का भ्रम ही जीव को बंधन में रखता है, और गुरु की कृपा से प्राप्त ज्ञान इसे नष्ट करता है। उनकी शिक्षाओं में सुरत शब्द योग का विशेष महत्व था, जो आत्मा को परमात्मा से जोड़ने की सहज प्रक्रिया है। वे कहते थे कि साधना का उद्देश्य केवल बाहरी कर्मकांड नहीं, बल्कि आत्म-बोध और परमात्मा में लीन होना है। संत कबीरदास की बानी परमहंस दयाल जी के विचारों से गहराई से जुड़ी है। कबीर कहते हैंः कबीर और परमहंस दयाल जी दोनों ने गुरु को परमात्मा का स्वरूप माना। कबीर की शिक्षाएं माया को भ्रम और गुरु भक्ति को मुक्ति का मार्ग बताती हैं। उनकी बानी में प्रेम, भक्ति, और आत्म-ज्ञान का समन्वय है, जो परमहंस दयाल जी के सहज योग और अद्वैत दर्शन से पूर्णतः मेल खाता है। परमहंस दयाल जी और कबीरदास दोनों ने प्रेम को भक्ति का आधार माना। कबीर कहते हैंः परमहंस दयाल जी ने प्रेम को आत्म-शुद्धि और परमात्मा से मिलन का साधन बताया। उनके अनुसार, गुरु और परमात्मा के प्रति प्रेममयी भक्ति ही जीव को ब्रह्म में लीन करती है। उनकी शिक्षाओं में प्रेम और सेवा को विशेष स्थान था, जो सामान्य जन को भी आध्यात्मिकता के निकट लाती थी। परमहंस दयाल जी ने सहज योग को अद्वैत सिद्धांत का सरल रूप बनाया। यह योग जटिल कर्मकांडों से मुक्त होकर आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है। सुरत शब्द योग उनकी शिक्षाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा था, जो ध्यान और भक्ति के माध्यम से जीव को माया से मुक्त कर ब्रह्म में लीन करता है। वे कहते थे कि सहज योग प्रत्येक व्यक्ति के लिए सुलभ है, बशर्ते वह गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण और प्रेम रखे। परमहंस दयाल स्वामी अद्वैतानंद जी का दृष्टिकोण अद्वैत सिद्धांत, गुरु भक्ति, और प्रेम पर आधारित था। उनकी शिक्षाएं और कबीरदास की बानी हमें सिखाती हैं कि बिना गुरु के मार्गदर्शन और प्रेम के न ज्ञान संभव है, न मुक्ति। 84 लाख योनियों से छुटकारा और परम सत्य की प्राप्ति सहज योग और गुरु भक्ति से ही संभव है। परमहंस दयाल जी का जीवन और उनके आश्रम आज भी लाखों लोगों को आत्म-ज्ञान का मार्ग दिखाते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार ने डीएम को लिखा पत्र, मतगणना प्रपत्र प्रारूप में सांकेतिक शब्द को लेकर जताई आपत्ति

● डीएम से मान्य दस्तावेजों की सम्पूर्ण सूची उपलब्ध कराने की मांग

प्रात : किरण अब्दुल कादिर

गया। जिले के वरिष्ठ पत्रकार अब्दुल कादिर ने मतगणना प्रपत्र प्रारूप में सांकेतिक शब्द को लेकर जताई आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि बीएलओ द्वारा उन्हें उपलब्ध कराए प्रपत्र में जिन ग्यारह दस्तावेजों की सूची दी गई है वह सांकेतिक है संपूर्ण नहीं है। गया जिलापदधिकारी सह निवार्ची पदाधिकारी को संबोधित अपने पत्र में व्हाइट हाउस कंपाउंड, गया जी के रोड नंबर के निवासी श्री कादिर का कहना है कि वे एक वरिष्ठ नागरिक हैं। शिक्षा तथा सामाजिक सरोकारों के कारण बहुत सारे सरकारी पत्रों,अभिलेखों के अध्ययन का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। डीएम से उन्होंने दस्तावेजों की पूर्ण सूची (सांकेतिक नहीं) उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि कल बीएलओ द्वारा मुझे गणना प्रपत्र प्रारूप उपलब्ध कराया गया। इस प्रपत्र में यह बताया गया है कि जिन ग्यारह दस्तावेजों की सूची दी गई है वह सांकेतिक (symbolic) है सम्पूर्ण नहीं। उन्होंने आगे कहा है कि वे एक वरिष्ठ नागरिक हैं और शिक्षा तथा सामाजिक सरोकारों के कारण बहुत सारे सरकारी पत्रों/अभिलेखों के अध्यन का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि अभी तक मैं इस भ्रम में था कि आधिकारिक भाषा स्पष्ट तथा साधारण जन के समझने योग्य होनी चाहिए विशेषकर उन परिस्थितियों में जिनका संबंध उस जनमानस से हो जिसे शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में आर्थिक अभाव और असमान सामाजिक व्यवस्था के कारण उपेक्षा तथा अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ता हो। ऐसी परिस्थिति में सांकेतिक शब्द का उपयोग कुछ अटपटा सा लगता है। आगे कहा है चूँकि हम धीरे धीरे आपदा में अवसर ढूंढने का प्रयास कर रहे हैं इसलिए सांकेतिक सूची में मुझे आशा की एक किरण भी दिखाई देती है । उन्होंने कहा कि मुझे अब विश्वास हो चला है कि सम्पूर्ण सूची में आधार कार्ड, पैन, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड तथा जॉब कार्ड जैसे दस्तावेजों को अवश्य मान्यता मिलेगी। ऐसा अगर शुरू में ही कर दिया जाता तो बहुत सारी भ्रांतियों और दुष्प्रचार से बचा जा सकता था। उनका कहना है कि संपूर्ण सूची को गुप्त,अस्पष्ट रखने के पीछे का तर्क भी समझ से परे है । प्रपत्र से यह भी स्पष्ट नहीं होता कि मतदाताओं द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले दस्तावेजों के सत्यापन की क्या प्रक्रिया होगी। विशेषकर उस परिस्थिति में जहां असली से भी असली दिखने वाले जाली दस्तावेज की बाजार में सस्ते मूल्य पर उपलब्धता की प्रबल आशंका हो। यदि एक भी व्यक्ति संदिग्ध,जाली दस्तावेज के आधार पर मतदाता सूची में प्रवेश पाने में सफल हो जाता है तो इसे व्यवस्था की असफलता माना जाएगा और साथ ही प्रजातांत्रिक व्यवस्था भी प्रदूषित होगी । उन्होंने उपर्युक्त तथ्यों और परिस्थितियों के आलोक में डीएम सह निवार्ची पदाधिकारी से अनुरोध किया है कि मान्य दस्तावेजों की सम्पूर्ण सूची उपलब्ध कराने की कृपा की जाए।

जयनगर में एसएसबी और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई तीन वाहन और नेपाली शराब की बोतलें जब्त

नेपाल से लाई जा रही शराब की बड़ी खेप बरामद, तीन तस्कर गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी की रोकथाम के लिए 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा चलाए जा रहे सतत निगरानी अभियान के तहत बीती रात एक बड़ी सफलता मिली। जयनगर स्थित ह्यएफह्न समवाय अंतर्गत बीओपी पर्सा के सतर्क जवानों ने मधवापुर समवाय और बिहार पुलिस के सहयोग से विशेष नाका चेकिंग अभियान में नेपाली शराब की एक बड़ी खेप बरामद की। इस कार्रवाई के दौरान तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया।यह कार्रवाई 04 जुलाई 2025 को रात्रि लगभग 12:30 बजे गुप्त सूचना के आधार पर सीमा स्तम्भ संख्या 297 के समीप, भारत-नेपाल सीमा से लगभग 180 मीटर भीतर भारतीय क्षेत्र में की गई। तलाशी के दौरान गौरव ब्रांड की 1140 बोतल नेपाली शराब (300 एमएल) बरामद की गई, जिसकी कुल मात्रा लगभग 342 लीटर है। साथ ही, तीन वाहन झ्र एक मारुति वैगनआर, एक मारुति बलेनो एवं एक महिंद्रा बोलेरो पिकअप को भी जब्त किया गया।गिरफ्तार तस्करों की पहचान मनोज कुमार साहनी (उम्र लगभग 19 वर्ष), मुकेश साहनी (उम्र लगभग 21 वर्ष) तथा बल गोविंद साहनी (उम्र लगभग 30 वर्ष) के रूप में हुई है। ये तीनों दरभंगा जिले के कमतौल थाना क्षेत्र के टटैला गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। जब्त सामग्री तथा गिरफ्तार अभियुक्तों को अग्रेतर विधिक कार्रवाई हेतु मधवापुर थाना को सुपुर्द कर दिया गया है। इस सफलता पर 48वीं वाहिनी के कमांडेंट श्री गोविंद सिंह भंडारी ने कार्रवाई में शामिल जवानों की सराहना करते हुए कहा कि, ह्लभारत-नेपाल सीमा पर हर प्रकार की अवैध तस्करी को रोकने के लिए सशस्त्र सीमा बल सदैव सतर्क और कर्तव्यनिष्ठ है। ऐसे अभियान आगे भी पूरी निष्ठा से जारी रहेंगे।यह कार्रवाई न केवल सीमा की सुरक्षा में एसएसबी की प्रतिबद्धता को दशार्ती है, बल्कि तस्करी जैसे अपराधों पर लगाम लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी साबित हुई है।

कलाकारों को 3000 रुपए मासिक पेंशन चालू पर मुख्यमंत्री को दिया साधुवाद, किया हर्ष व्यक्त, दिया वधाई

खगड़िया। देश बचाओ अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने बिहार सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा कलाकारों को 3000 रुपए मासिक पेंशन चालू करने की घोषणा करने पर हर्ष व्यक्त किया है तथा विहार सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को साधुवाद दिया है वहीं सभी कलाकारों को बधाई दिया। ऑल इंडिया आर्टिस्ट एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष किरण देश यादव द्वारा विगत दिनों मुख्यमंत्री के नाम मांग पत्र प्रेषित कर सांस्कृतिक विरासत को संवर्धन संरक्षण एवं समृद्ध करने तथा कलाकारों को सम्मान पेंशन देने की मांग किया गया था। श्री यादव ने कहा कि देश बचाओ अभियान की पहल संघर्ष एकता एकजूटता रंग लाया एवं सतत समग्र प्रयास का जीत हुआ। ऑल इंडिया आर्टिस्ट एसोसिएशन के द्वारा प्रेषित मांग पत्र के मद्देनजर बिगत दिनों दी गई आश्वासन बाद सरकार द्वारा मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना की शुरूआत की गई, जो वरिष्ठ एवं आर्थिक रुप से कमजोर कलाकारों के भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा। तथा शास्त्रीय संगीतकार, गीतकार, कत्थक नृत्यकार, लोक कलाकार, चित्रकार , पारंपरिक कलाकार लाभांवित होंगे। समाजसेवी किरण देव यादव ने नाबालिक लड़की द्वारा आर्केस्ट्रा में अश्लील गीत नृत्य पर रोक लगाने संबंधी सरकार द्वारा आदेश निर्गत करने पर हार्दिक स्वागत किया है।

जनभागीदारी से शहर बनेगा स्वच्छ, आप भी समझें अपनी जिम्मेदारी : नगर निगम

सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के तहत दूसरे दिन गया जी के सभी अस्पतालों में एंटी लार्वा का किया गया छिड़काव

● नगर आयुक्त ने स्वयं विभिन्न अस्पताल परिसरों का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था, दवा छिड़काव की गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता का बारीकी से किया मूल्यांकन

प्रात : किरण संवाददाता

गयाजी। गया नगर निगम स्वच्छ गयाजी और सुंदर गयाजी बनाने में गंभीर और कृत संकल्पित है। इसी क्रम में सोशल मीडिया एक्स (ट्विटर) के माध्यम से एक व्यक्ति ने गंदगी की तस्वीर पोस्ट कर शिकायत प्रेषित किया है। इस संबंध में बताया गया कि यह गन्दगी की तस्वीर भुसुंडा मोड़ स्थित की है। चंद घंटे में हीं नगर निगम के द्वारा पहल करते हुए उपरोक्त स्थान की पूर्ण रूप से सफाई करा दी गई एवं सोशल मीडिया के माध्यम से उस व्यक्ति को सूचित भी कर दिया गया है। लेकिन ध्यान देने वाली यह बात है कि सूचित करने के साथ साथ निगम ने ये संदेश भी दिया कि निगम की जिम्मेदारी सफाई करवानी थी जो निगम ने किया। परन्तु, अब इस जगह को इस तरह से साफ रखने की जिम्मेवारी, वहां के स्थानीय लोगों की है। यह शहर आपका है। सफाई को अपनाइएगा तभी बीमारी भी भगा पाइएगा। साथ में, शहर की छवि भी सुधरेगी। निगम ने हीं शिकायतकर्ता से चुनौती के माध्यम से अपील की, अब इस सफाई को बरकरार करके दिखाइए। इसके साथ ही नगर निगम प्रशासन ने अपील करते हुए कहा कि जिस तरह से हम अपने घर को स्वच्छ रखने में प्रबंधन करते हैं और जिम्मेदारी से काम करते हैं। ठीक उसी तरह शहर को सुंदर व स्वच्छ रखने में भी हमें अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा। शहर को स्वच्छ रखने में नगर प्रशासन के साथ ही जनभागीदारी भी बहुत जरूरी है। शहर को स्वच्छ रखने में निगम प्रशासन का सहयोग करें ताकि हमारा शहर में स्वच्छता में अव्वल हमेशा बने। नागरिक टैक्स देते हैं और उसके बदले में उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होती है। स्वच्छता ऐसा काम है, जिसमें टैक्स देने बस से काम पूरा नहीं होता है बल्कि उसमें सभी की सहभागिता भी जरूरी है। इसलिए शहरवासी आप अपनी जिम्मेदारी निभाइए और खुद एवं आस-पास के लोगों को इसे साफ रखने के लिए जागरूक कीजिए।शहर आपका है, सफाई अपनाई और बीमारी भगाइए में जन नगर आयुक्त कुमार अनुराग ने बताया कि यह एक सबसे बड़ी चुनौती है निगम के लिए की लोग 24 घंटे गंदगी सड़क पर या इधर उधर फेंकते रहते है। जब निगम के द्वारा सुबह कचरा संग्रहण करने वाली गाड़ी जाती है तो उसमें सभी कचरे को नहीं डाला जा रहा है। अपने मन के हिसाब से कचरा जब मन तब फेंका जाता है। सबसे ज्यादा गंदगी मार्केट एवं ठेले वाले सड़क के किनारे फैलाते है। एक कूड़ेदान तक कई दुकानदार नहीं रखते है। चूंकि, 24 घंटे सफाई नहीं हो सकती, इस से शहर में कई जगह शाम में गंदगी दिख जाती है और छवि खराब होती है। इस व्यवहार को बदलने की जरूरत है। अभी लोगों को सचेत और जागरूक किया जा रहा है। अगर जल्द बदलाव नहीं आता है तो इंटेंसिव फाइन एवं पेनल्टी अभियान लगाया जाएगा। वहीं इसके अलावा नगर निगम द्वारा ह्लसफाई अपनाओ, बीमारी भगाओह्व अभियान के तहत दूसरे दिन शुक्रवार को शहर के समस्त अस्पताल परिसरों में एंटी-लावार्साइड का सघन एवं व्यापक छिड़काव कराया गया है। इस अभियान के टीम ने जय प्रकाश नारायण अस्पताल परिसर, प्रभावती अस्पताल एवं अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल परिसर व नालों में एंटी लार्वा सीड का छिड़काव कराया गया। जिससे मच्छर जनित रोगों की रोकथाम सुनिश्चित की जा सके। नगर आयुक्त कुमार अनुराग ने स्वयं विभिन्न अस्पताल परिसरों का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था, दवा छिड़काव की गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता का बारीकी से मूल्यांकन किया गया है। उन्होंने कहा कि मॉनसून के बीच जन-स्वास्थ्य के प्रति नगर निगम प्रतिबद्ध है। इसी क्रम नगर निगम ने युद्व स्तर पर सफाई अपनाओ-बीमारी भगाओ अभियान के तहत एंटी लार्वा सीड का छिड़काव किया है। पहले दिन शहर के 349 नालों की छिड़काव कराया गया था। वहीं दूसरे दिन शहर के सरकारी तीन बड़े. अस्पताल परिसर व नालों में एंटी लार्वा सीड का छिड़क व हुआ है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ, स्वच्छ और रोगमुक्त गयाजी के निर्माण हेतु गया नगर निगम पूर्ण रूप से संकल्पित एवं सतत प्रयासरत है। मौके पर मुख्य सफाई निरीक्षक चंद्रमोहन चिंटू, जमादार सहित अन्य मौजूद रहे हैं।

269 रन बनाने पर शुभमन को मिला स्टैंडिंग ओवेशन

जडेजा का सोर्ड सेलिब्रेशन

बर्मिंघम टेस्ट में भारत ने 587 रन बनाने के बाद इंग्लैंड के 5 विकेट गिरा दिए थे। टीम इंडिया 510 रन से आगे है। दूसरे दिन रवींद्र जडेजा ने फिफ्टी लगाने के बाद बैट को तलवार की तरह लहराकर सेलिब्रेशन किया। डबल सेंचुरी लगाने के बाद शुभमन गिल के लिए दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाई।

जडेजा का सोर्ड सेलिब्रेशन –रवींद्र जडेजा ने फिफ्टी लगाने के बाद अपने बैट को तलवार की तरह लहराकर सेलिब्रेशन किया। वे फिफ्टी या सेंचुरी लगाने के बाद अक्सर सोर्ड सेलिब्रेशन करते हैं। जडेजा टेस्ट में 23 फिफ्टी और 4 शतक लगा चुके हैं।

269 रन बनाने पर गिल को स्टैंडिंग ओवेशन मिला – शुभमन गिल ने बर्मिंघम में अपने टेस्ट करियर की पहली डबल सेंचुरी लगाई। दोहरा शतक पूरा करने के बाद उन्होंने एग्रेसिव सेलिब्रेशन किया। उनके 269 रन बनाने के बाद बर्मिंघम के दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाई और गिल को स्टैंडिंग ओवेशन दिया।

जडेजा ने तोड़ा बीसीसीआई का नियम

● टीम बस छोड़कर कार से पहले पहुंचे स्टेडियम,अकेले मैदान में प्रैक्टिस की, बर्मिंघम में बनाए 89 रन

बर्मिंघम (एजेंसी)। बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन,रवींद्र जडेजा ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के नए नियमों को तोड़ दिया।

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद नियम बनाया था कि कोई भी खिलाड़ी अकेले मैदान पर

नहीं आएगा-जाएगा, सभी खिलाड़ी टीम बस के साथ एकसाथ जाएंगे। लेकिन जडेजा ने यह नियम तोड़ा और गुरुवार को उन्होंने बर्मिंघम के एजबेस्टन ग्राउंड में जल्दी मैदान पर पहुंचकर बैटिंग की प्रैक्टिस की।

पहले दिन 41 रन बना कर लौटे थे जडेजा – दरअसल बुधवार को एजबेस्टन टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल जब खत्म हुआ तो शुभमन गिल के साथ रवींद्र जडेजा नॉटआउट लौटे थे। जडेजा के लिए ये टेस्ट मैच बहुत अहम था क्योंकि लीड्स में टीम इंडिया के हारने के बाद क्रिकेट एक्सपर्ट्स उनकी टीम में जगह को लेकर सवाल खड़े कर रहे थे। इसीलिए जडेजा जब 41 रन बनाकर नाबाद लौटे तो वो इस पारी को और बड़ा करना चाहते थे।

इसीलिए वो सुबह जल्दी उठकर टीम बस का इंतजार किए बिना स्टेडियम निकल गए। जहां पर उन्होंने लोकल गेंदबाजों के साथ नेट्स पर लगभग 40 मिनट बल्लेबाजी की। बाद में उन्होंने अपनी पारी 41 रन से बढ़ा कर 89 रन तक लेकर गए।

लीड्स टेस्ट में भारतीय टीम के टॉप पांच बल्लेबाजों ने 721 रन बनाए, लेकिन निचले क्रम के छह बल्लेबाजों ने मिलकर केवल 65 रन ही जोड़े थे। भारतीय टीम ने पहली पारी में आखिरी सात विकेट 41 रन पर गंवा दिए थे, जबकि दूसरी पारी में भारतीय टीम ने आखिरी छह विकेट 31 रन पर गंवा दिए थे।

नोवाक जोकोविच ने जीत के साथ विंबलडन में बनाया एक और रिकॉर्ड

लंदन (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच ने सेंटर कोर्ट पर डैन इवांस पर 6-3, 6-2, 6-0 की जीत के साथ 19वीं बार विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के तीसरे दौर में पहुंचकर एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

जोकोविच ने विंबलडन में कुल मिलाकर 99वां मैच जीता और तीसरे दौर में 19वीं बार जगह बनाई जो ओपन युग में किसी पुरुष खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। महान खिलाड़ी रोजर फेडरर ने 18 बार तीसरे दौर में प्रवेश किया था। हालांकि यह 38 वर्षीय जोकोविच के लिए शायद ही कोई प्रतिष्ठित रिकॉर्ड है जिनके नाम सात विंबलडन सहित कुल 24 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं जो पुरुष खिलाड़ियों के बीच रिकॉर्ड है।

जोकोविच ने कहा, '19 बार, यह एक शानदार आंकड़ा है। यह शायद (यानिक) सिनर और (कार्लोस) अल्कारेज की उम्र के बराबर है। पिछले दो विंबलडन फाइनल में जोकोविच को हराने वाले अल्कारेज 22 जबकि दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी सिनर 23 साल के हैं। महिल एकल में सातवीं वरीय मीरा आंद्रीवा और 10वीं वरीय ऐमा नवारो ने सीधे सेट में जीत दर्ज की।

बर्मिंघम टेस्ट-

जैमी ने प्रसिद्ध के ओवर में लगातार बाउंड्री लगाई

● इंग्लैंड 5 विकेट पर 200 के पार ● ब्रूक की शानदार फिफ्टी, सिराज ने रूट-स्टोक्स को पवेलियन भेजा

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का दूसरा टेस्ट बर्मिंघम में खेला जा रहा है। शुक्रवार को मुकाबले का तीसरा दिन है और पहला सेशन जारी है। इंग्लैंड ने पहली पारी में 5 विकेट पर 200 रन बना लिए हैं। हैरी ब्रूक और जैमी स्मिथ नाबाद हैं। दोनों फिफ्टी पार्टनरशिप कर चुके हैं। हैरी ब्रूक फिफ्टी बना चुके हैं। मोहम्मद सिराज ने जो रूट (22 रन) और बेन स्टोक्स (शून्य) को लगातार बॉल पर आउट किया।

एजबेस्टन स्टेडियम में चल रहे मैच में इंग्लैंड ने सुबह 77/3 के स्कोर से खेलना शुरू किया। दूसरे दिन भारत ने कप्तान शुभमन गिल (269 रन) के दोहरे शतक के दम पर पहली पारी में 587 रन बनाए। हैरी ब्रूक ने 29वें ओवर में फिफ्टी पूरी कर ली है। उन्होंने सिराज के ओवर की तीसरी बॉल पर 3 रन लेकर हाफ सेंचुरी पूरी की। उन्होंने लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक बनाया है। ब्रूक ने लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 99 रन बनाए थे, वे दूसरी पारी में शून्य पर आउट हो गए। वहीं तीसरे दिन का दूसरा ओवर डाल रहे मोहम्मद सिराज ने लगातार दो बॉल पर 2 विकेट झटके, हालांकि वे हैट्रिक लेने से चूक गए। हैट्रिक बॉल खेल रहे जैमी स्मिथ ने अपनी पहली बॉल पर चौका लगाया। सिराज ने तीसरी बॉल पर जो रूट को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। रूट 22 रन बनाकर आउट हुए। सिराज ने शॉर्ट ऑफ लेंथ की बॉल लेग साइड पर फेंकी, रूट ने फ्लिक शॉट खेला। बॉल विकेटकीपर ऋषभ पंत के पास गई। उन्होंने डाइव लगाकर कैच लपका। सिराज ने ओवर की चौथी बॉल शार्ट ऑफ लेंथ की ऑफ साइड पर फेंकी। नए बल्लेबाज बेन स्टोक्स ने डिफेंस किया। बॉल ने उनके बैट का बाहरी किनारा लिया और ऋषभ पंत ने आसान-सा कैच लिया। स्टोक्स खाता भी नहीं खोल सके। सिराज ने इस ओवर में महज 6 रन खर्च किए।

प्लेइंग-11

इंग्लैंड – बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

भारत– शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

बांग्लादेश में वनडे और टी20 सीरीज नहीं खेलेगी भारतीय टीम!

सुरक्षा कारणों के चलते बीसीसीआई ने मना किया, बीसीबी ने मीडिया राइट्स की बिक्री रोकी

ढाका/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का बांग्लादेश दौरा अब तय समय पर नहीं होगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भले ही आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन भारत के खिलाफ अगले महीने

होने वाली वनडे और ज्ञ20 सीरीज की तैयारियां रोक दी गई हैं। माना जा रहा है कि भारत और बांग्लादेश के बीच हाल ही में बिगड़े रिश्तों और सुरक्षा की वजह से यह फैसला लिया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सीरीज के मीडिया राइट्स की बिक्री भी टाल दी है। पहले 7 जुलाई को टेक्निकल बोली और 10 जुलाई को फाइनेंशियल बोली होनी थी। लेकिन अब बोर्ड ने तय किया है कि वह पहले पाकिस्तान सीरीज (17-25 जुलाई) के लिए मीडिया राइट्स बेचेगा और फिर बाकी मैचों के लिए फैसला लेगा। एक हफ्ते पहले बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा था कि दौरे में आने से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को अपनी सरकार की मंजूरी का इंतजार है।

बीसीसीआई ने भी मना किया, कोई तारीख तय नहीं – क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक बीसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि भारत ने अगस्त में दौरे के लिए मना कर दिया है। बीसीसीआई ने फिलहाल कोई पक्की तारीख नहीं दी है। हालांकि, अगले हफ्ते तक इस पर आधिकारिक बयान आ सकता है। सीरीज को बाद में आयोजित किए जाने की उम्मीद है।

सरकार की सलाह के बाद बीसीसीआई ने फैसला लिया – भारत सरकार ने मौजूदा हालात को देखते हुए ड्ढष्टष्टढ्ढ को बांग्लादेश दौरे से बचने की सलाह दी है। हालांकि, यह सलाह सिर्फ द्विपक्षीय सीरीज के लिए है। बांग्लादेश में आए दिनों हिंसा के मामले हो रहे हैं। ऐसे में भारतीय टीम को बांग्लादेश भेजना सही नहीं हैं।

बीसीबी अब अलग-अलग देशों के हिसाब से बेचेगा राइट्स – पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मीडिया राइट्स को तीन कैटेगरी में बेचना चाहा था। सैटेलाइट टीवी (दुनिया भर के लिए), डिजिटल ओटीटी और छ्वञ्ज॥ (सिर्फ बांग्लादेश)। अब बोर्ड ने टेंडर में बदलाव कर इसे रीजनल बेचने की योजना बनाई है।

शुभमन ने गावस्कर, तेंदुलकर और कोहली के रिकॉर्ड तोड़े

बर्मिंघम/नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम टेस्ट में भारत ने 587 रन बनाए थे। कप्तान शुभमन गिल ने 269 रन की पारी खेलकर सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के रिकॉर्ड तोड़े। वे सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय कप्तान बने। वहीं भारत ने 18 साल बाद इंग्लैंड में 500 रन का आंकड़ा पार किया।

25 की उम्र में 2 फॉर्मेट में दोहरे शतक –कप्तान शुभमन गिल ने बर्मिंघम में पहले दिन शतक लगाया, जिसे दूसरे दिन उन्होंने डबल सेंचुरी में बदल दिया। 25 साल के शुभमन 269 रन बनाकर आउट हुए। यह टेस्ट में उनका पहला ही दोहरा शतक रहा। वे 23 साल की उम्र में वनडे फॉर्मेट में भी डबल सेंचुरी लगा चुके हैं। शुभमन 2 अलग-अलग फॉर्मेट में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा प्लेयर बने। उन्होंने रोहित का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 32 साल की उम्र में दोनों फॉर्मेट में डबल सेंचुरी लगाई थी।

शुभमन ने इंग्लैंड में बेस्ट स्कोर बनाया – शुभमन इंग्लैंड में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय प्लेयर भी बने। उन्होंने सुनील गावस्कर का 46 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। गावस्कर ने 1979 में द ओवल के मैदान पर 221 रन बनाए थे। इन 2 के अलावा राहुल द्रविड़ ही 2002 में इंग्लैंड के मैदान पर दोहरा शतक लगा सके हैं।

भारतीय कप्तान का बेस्ट टेस्ट स्कोर

प्लेयर	स्कोर	खिलाफ	कहां	कब
शुभमन गिल	269	इंग्लैंड	बर्मिंघम	2025
विराट कोहली	254*	सा. अफ्रीका	पुणे	2019
विराट कोहली	243	श्रीलंका	दिल्ली	2017
विराट कोहली	235	इंग्लैंड	मुंबई	2016
एमएस धोनी	224	ऑस्ट्रेलिया	चेन्नई	2013

इंग्लैंड में बेस्ट स्कोर, बतौर भारतीय कप्तान सबसे ज्यादा रन बनाए

एशिया के बाहर बेस्ट टेस्ट स्कोर बनाने वाले भारतीय – शुभमन एशिया के बाहर भी सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय बने। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2004 में सिडनी के मैदान पर 241 रन बनाए थे।

भारतीय कप्तान का बेस्ट स्कोर –शुभमन की डबल सेंचुरी किसी भारतीय कप्तान का भी टेस्ट में बेस्ट स्कोर रहा। उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पुणे में 254 रन की नॉटआउट इनिंग खेली थी।

दोहरा शतक लगाने वाले छठे भारतीय कप्तान बने – शुभमन ने अपने टेस्ट करियर का पहला ही दोहरा शतक लगाया, लेकिन यह उन्होंने अपनी कप्तानी में किया। वे टेस्ट में डबल सेंचुरी लगाने वाले छठे भारतीय कप्तान बने। विराट कोहली, एमएस धोनी, सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर और मंसूर अली खां पटौदी भी बतौर कप्तान दोहरा शतक लगा चुके हैं।

इंग्लैंड में भारतीय कप्तान का बेस्ट स्कोर बनाया – शुभमन ने इंग्लैंड में भारतीय कप्तान के रूप में भी बेस्ट स्कोर बनाया। उन्होंने मोहम्मद अजहरुद्दीन को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 1990 में मैनचेस्टर के मैदान पर 179 रन की पारी खेली थी।

इंग्लैंड में विदेशी कप्तान का तीसरा बेस्ट स्कोर – शुभमन के 269 रन इंग्लैंड में किसी विदेशी कप्तान का तीसरा बेस्ट स्कोर रहा। वे साउथ अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ से आगे निकले, जिन्होंने लॉर्ड्स स्टेडियम में 259 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया के बॉब सिम्प्सन 311 रन बनाकर पहले नंबर पर हैं।

भारत के बाहर 250+ बनाने वाले तीसरे भारतीय – शुभमन गिल भारत के बाहर 250 से ज्यादा का टेस्ट स्कोर बनाने वाले तीसरे ही भारतीय बने। उनसे पहले वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ ही ऐसा कर सके। दोनों ने पाकिस्तान ने 250 प्लस का स्कोर बनाया था।

शुभमन ने अपना बेस्ट फर्स्ट क्लास स्कोर बनाया –शुभमन गिल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी अपना बेस्ट स्कोर बना लिया। इससे पहले 2018 में उन्होंने मोहाली के मैदान पर तमिलनाडु के खिलाफ 268 रन बनाए थे। तब वे अपनी घरेलू टीम पंजाब के लिए खेल रहे थे।

कार दुर्घटना में पुर्तगाली फुटबॉलर डिएगो जोटा की मौत

टायर फटने से पलटी कार, आग लगी; भाई की भी गई जान

पुर्तगाल (एजेंसी)। 28 साल के पुर्तगाली फॉरवर्ड डिएगो जोटा का कार एक्सीडेंट में निधन हो गया। वह लिवरपूल से भी खेलते थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुर्तगाली सीमा के जमोरा प्रांत में उनके कार का एक्सीडेंट हो गया। डिएगो जोटा एक लेम्बोर्गिनी चला रहे थे। स्थानीय खबरों के अनुसार उनके कार का टायर फट गया। उनकी कार पलट गई और फिर उसमें आग लग गई। यह घटना गुरुवार की सुबह हुई।

डिएगो जोटा के भाई की भी जान चली गई –जोटा के साथ उनके छोटे भाई आंद्रे सिल्वा (26 वर्ष) भी गाड़ी में थे। वह भी एक पेशेवर फुटबॉलर थे और पुर्तगाली टीम स्नष्ट पेनाफिल के लिए खेलते थे। दोनों भाइयों की इस हादसे में मौत हो गई।

जोटा की दो हफ्ते पहले हुई थी शादी –जोटा की दो हफ्ते पहले ही शादी हुई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, स्पेन के जमोरा में स्थानीय फायर अधिकारियों ने बताया कि दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की उम्र 28 और 26 साल थी।

एवर्टन के खिलाफ डिएगो जोटा के करियर का आखिरी गोल – डिएगो जोटा के नाम 130 से ज्यादा गोल हैं। मौजूदा समय में वह लिवरपूल से खेल रहे थे। उन्होंने अपने करियर का आखिरी गोल 2 अप्रैल को किया था। ये गोल एवर्टन और लिवरपूल के बीच खेले गए मुकाबले में आया था। डिएगो जोटा का ये गोल बेहद धमाकेदार था। उन्हें मिडफील्डर से एक पास मिला। इसके बाद जोटा ने एक-दो नहीं, बल्कि एवर्टन के 5 डिफेंडर्स को चकमा देते हुए गेंद को गोल पोस्ट तक पहुंचाया था। इस गोल में जोटा की शानदार ड्रिबलिंग देखने को मिली थी। इस गोल के दम पर लिवरपूल ने इस मुकाबले को 1-0 से जीत लिया।

मुझे अब शतरंज खेलने में मजा नहीं आ रहा है

गुकेश से हारने के बाद बोले वर्ल्ड नम्बर 1 कार्लसन

जगरेब (क्रोसिया) (एजेंसी)। विश्व चैम्पियन डी गुकेश के खिलाफ लगातार दूसरी हार के बाद दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने कहा कि उन्हें अब शतरंज खेलने में मजा नहीं आ रहा है। भारत के 19 वर्ष के ग्रैंडमास्टर गुकेश ने पूर्व विश्व चैम्पियन को सुपर युनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट के रैपिड वर्ग में हराया। इससे पहले नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में उन्होंने क्लासिकल प्रारूप में मात दी थी।

कार्लसन ने हार के बाद कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे अब शतरंज खेलने में मजा नहीं आ रहा है। जब मैं खेल रहा हूं तो कोई प्रवाह नहीं लग रहा। मेरा खेल लगातार खराब हो रहा है। उन्होंने गुकेश के बारे में कहा, 'वह शानदार खेल रहा है। अभी टूर्नामेंट काफी लंबा है लेकिन लगातार पांच मैच जीतना कोई छोटी बात नहीं है।

सुपरयूनाइटेड रैपिड के दूसरे दिन का समापन हो गया। गुकेश ने दिन की शुरुआत पहले उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तारोव को पराजित करते हुए की और उसके बाद उन्होने यूएसए के फबियानों करूआना को मात देते हुए लगातार दूसरी जीत से एकल बढ़त कायम कर ली। लेकिन इसके बाद सबसे बड़े मुकाबले में गुकेश ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मैगनस कार्लसन के बीच मुकाबला हुआ जिसमें काले मोहरो से खेल रहे गुकेश एक समय इंग्लिश ओपनिंग मे मुश्किल मे नजर आ रहे थे पर कार्लसन की प्यादे की एक गलत चाल के बाद गुकेश नें बेहद शानदार खेल दिखाते हुए 49 चालों मे जीत दर्ज की।

गुकेश की यह जीत इसीलिए भी खास है क्योंकि प्रतियोगिता के पहले कार्लसन नें गुकेश को रैपिड मे कमजोर खिलाड़ी करार दिया था। फिलहाल अब गुकेश 10 अंको के साथ सबसे आगे चल रहे है। गुकेश न केवल हर मैच में गहरी तैयारी और आत्मविश्वास दिखा रहे हैं बल्कि उन्होंने समय का भी बेहतरीन प्रबंधन किया है, जिससे उनके विरोधियों पर लगातार दबाव बना हुआ है। अब टूर्नामेंट में तीन राउंड बाकी हैं और गुकेश फिलहाल सभी को पछाड़ते हुए पहले स्थान पर काबिज हैं।

भारत-पाक तनावों के बीच क्या पाकिस्तान की टीम भारत खेलने आएगी या नहीं? पीसीबी ने कहा अभी इजाजत नहीं मिली

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की हॉकी टीमों का इस साल भारत में होने वाले दो बड़े टूर्नामेंटों में हिस्सा लेना अभी भी तय नहीं है। पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीसीबी) और पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ)के वरिष्ठ अधिकारियों ने जानकारी दी है कि उन्हें अब तक सरकार से टूर्नामेंट में भाग लेने की इजाज़त नहीं मिली है।गौरतलब है कि इस साल एशिया कप का आयोजन बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से 7 सितंबर तक होना है, जबकि जूनियर हॉकी विश्व कप 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा।

भारत के खेल मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा है कि पाकिस्तान की टीमों को इन बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से रोका नहीं जाएगा, क्योंकि ऐसा कोई भी फैसला ओलंपिक चार्टर का उल्लंघन माना जाएगा। यानी भारत की तरफ से पाकिस्तान की टीमों को आने से रोकने की कोई योजना नहीं है।

पाकिस्तान हॉकी महासंघ के महासचिव राणा मुजाहिद ने बताया कि उन्होंने आधिकारिक रूप से पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) से भारत में टीम भेजने की मंजूरी मांगी है। लेकिन अब तक इस पर कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि पीएसबी ने उनका अनुरोध आगे संबंधित मंत्रालयों को भेज दिया है।

पीएसबी के प्रवक्ता खुर्रम शहजाद ने भी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि जब तक सरकार भारत में टीम भेजने को लेकर कोई नीति नहीं बनाती, तब तक पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकती। उन्होंने बताया कि पीएचएफ की तरफ से जो अनुरोध आया था, उसे अंतर-प्रांतीय समन्वय मंत्रालय को भेजा गया है, और वहां से यह मामला गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के पास भेजा गया है। अब सभी को उनके अंतिम फैसले का इंतजार है।

यानी फिलहाल पाकिस्तान की हॉकी टीमों की भारत यात्रा और टूर्नामेंट में भागीदारी पर संशय बना हुआ है, और सबकी नजर अब पाक सरकार के फैसले पर टिकी है।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा वालों के लिए अच्छी खबर, जाम से राहत के लिए 36 जगहों पर ट्रैफिक आइलैंड लगाए जाएंगे

नोएडा, एजेंसी। नोएडा शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यातायात पुलिस जल्द ही शहर के 36 मुख्य चौराहों और तिराहों पर ट्रैफिक आइलैंड स्थापित करेगा। इनके रखने से मुख्य स्थानों पर दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात को सुगम बनाने में मदद मिलेगी। नोएडा प्राधिकरण के सहयोग से इनको एक सप्ताह के भीतर स्थापित किया जाएगा। कुछ वर्ष पूर्व तक शहर के अधिकतर चौराहों और तिराहों पर ट्रैफिक आइलैंड स्थापित थे, जिन्हें धीरे-धीरे स्थानांतरित कर दिया गया। इन स्थानों पर लंबे समय से ट्रैफिक लाइट यातायात का प्रबंधन करती है। तकनीकी कारणों के चलते अक्सर ट्रैफिक लाइट खराब हो जाती है। तकनीकी खराबी को दूर करने में कई दिन का समय भी लग जाता है। इसके चलते इन चौराहों और तिराहों से गुजरने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पहले निकलने के चक्कर में लंबा जाम लग जाता है। यातायात पुलिसकर्मियों को मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाना पड़ता है। यही नहीं, इसके चलते चौराहों और तिराहों पर अक्सर हादसे भी हो जाते हैं। डीसीपी ट्रैफिक लखन सिंह यादव ने बताया कि यातायात को सुचारू बनाए रखने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए शहर के 36 चौराहों-तिराहों पर ट्रैफिक आइलैंड स्थापित किए जाएंगे। ट्रैफिक लाइट खराब होने पर या वीआईपी के भ्रमणशील होने पर पुलिसकर्मी इनमें सुरक्षित खड़े होकर यातायात को व्यवस्थित कर सकते हैं। इनमें खड़े होकर पुलिसकर्मी धूप और बारिश से बचकर जिम्मेदारी निभा सकते हैं।

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के दोनों ओर बनेगा ग्रीन कॉरिडोर, 12 हजार पौधे लगेंगे; गडकरी करेंगे शुरुआत

फरीदाबाद, एजेंसी। रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के लिए के दोनों ओर ग्रीन कॉरिडोर बनाया जाएगा। इसके लिए 12 हजार पौधे एक्सप्रेसवे के दोनों ओर लगाए जाएंगे। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी 8 जुलाई से ग्रीन कॉरिडोर की शुरुआत करने जा रहे हैं। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) प्रबंधन इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है। एनएचएआई प्रबंधन सेक्टर-65 के सामने डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेस से लेकर जेवर एयरपोर्ट तक ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बना रहा है। इस एक्सप्रेसवे को जेवर एयरपोर्ट से आवाजाही के लिए बनाया जा रहा है। फिलहाल इसका निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। यूपी और हरियाणा की सीमा में 47 प्रतिशत तक कार्य पूरा हो चुका है।

इस साल के अंत तक एनएचएआई प्रबंधन इस एक्सप्रेसवे का 70 प्रतिशत तक काम पूरा कर लेगा। अगले वर्ष तक इसका निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। हालांकि, काम पूरा करने की कोई समयसीमा तय नहीं की गई है। अब मॉनसून का सीजन शुरू होने पर एनएचएआई प्रबंधन ने इस एक्सप्रेसवे को हरा-भरा करने के लिए दोनों ओर ग्रीन कॉरिडोर बनाने की रूपरेखा तैयार की है। यहां हरियाली बढ़ाने के लिए करीब 12 हजार पौधे लगाए जाएंगे। एक्सप्रेसवे के इस ग्रीन कॉरिडोर की शुरुआत केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी 8 जुलाई को जेवर से करने जा रहे हैं।

गाय की कुर्बानी के खिलाफ बोल कर दिखाए कांग्रेस, आवाज उठाने की हिम्मत नहीं: हिमंत बिस्वा शर्मा

गोरुखुटी परियोजना पर भी बोले हिमंत

मुख्यमंत्री ने दरांग जिले के सिपाझार में गोरुखुटी बहुउद्देशीय कृषि परियोजना के संबंध में भ्रष्टाचार के आरोपों को बार-बार उठाने को लेकर भी कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की आलोचना की। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस का उद्देश्य गोरुखुटी परियोजना को बंद कराना और बेदखल किए गए अतिक्रमणकारियों को उसी भूमि पर वापस लाना है। अब गोरुखुटी के लोगों ने इस क्षेत्र में किसी को भी नहीं आने देने का संकल्प कर लिया है। लोगों ने कांग्रेस को जवाब दे दिया है।'' गोरुखुटी परियोजना की शुरुआत 2021 में हुई थी, जब कथित तौर पर स्थानीय लोगों से 77,420 बीघा जमीन खाली कराने को लेकर बड़े पैमाने पर बेदखली अभियान चलाया गया था। इन लोगों में ज्यादातर बंगाली भाषी मुसलमान शामिल थे।

उदलगुड़ी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने गुरुवार को कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनमें 'कुर्बानी' के दौरान मुसलमानों द्वारा गोकसी किए जाने और धार्मिक स्थलों के निकट कथित तौर पर गोमांस फेंके जाने के खिलाफ बोलने की हिम्मत नहीं है। सीएम शर्मा ने कहा है कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो मुस्लिम समुदाय से गायों को छोड़कर अन्य जानवरों की 'कुर्बानी' करने का अनुरोध कर सकती है। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस दौरान कांग्रेस को चुनौती भी दी है। हिमंत ने पूछा, ''क्या कांग्रेस गायों की कुर्बानी के खिलाफ बोल सकती है? उसे यह बात कहने के लिए सात बार जन्म लेना पड़ेगा। तो गायों का हितैषी कौन है?'' उन्होंने यह सवाल भी उठाए कि क्या कांग्रेस ने दुकानों में खुलेआम गोमांस बेचने और नामघर के सामने मांस फेंके जाने का कभी विरोध किया है। शर्मा ने कहा, ''क्या कांग्रेस ने धुबरी की घटना की निंदा की है? या वह हाजो मामले की निंदा करेगी, जिसमें आज गोमांस पाया गया? क्या उन्हें मृत गायों के बारे में नहीं बोलना चाहिए, ताकि पता चल सके कि उन्हें किसने मारा? कांग्रेस उलटे क्रम में काम करती है। जहां उसे बोलना चाहिए, वहां वह चुप रहती है।''

असम में 80 लोग गिरफ्तार

मुख्यमंत्री हिमंत ने आगे कहा, ''असम में कुर्बानी के लिए हजारों गायों को मार दिया जाता है। विपक्षी दल वहां आवाज नहीं उठाते जहां उन्हें आवाज उठानी चाहिए।'' गौरतलब है कि पुलिस के मुताबिक पिछले महीने ईद के दौरान गोमांस के टुकड़े फेंकने के आरोप में धुबरी, होजई, ग्वालपाड़ा और लखीमपुर जिलों में करीब 80 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गुरुवार को कामरूप जिले के हाजो में भी प्रतिबंधित मांस के कुछ टुकड़े पाए गए हैं, जिसके बाद विवाद और बढ़ गया है।

उधार दी गई रकम मांग रहे थे वापस, तंग आकर रिश्तेदार के घर में लगा दी आग

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पैसों के लेन-देन में एक व्यक्ति ने अपने रिश्तेदार का घर जला डाला। बताया जाता है कि उधार देने वाला परिवार बार-बार अपने पैसे मांग रहा था। रिश्तेदार के बार-बार पैसे मांगने से तंग आकर व्यक्ति ने उनके घर में आग लगा दी। घटना एक जुलाई शाम 5.30 बजे की है, जो बेंगलुरु के विवेकनगर में हुई। जानकारी के मुताबिक यह घर वेंकटरमणी और उनके बेटे सतीश का है। पुलिस में दर्ज शिकायत के मुताबिक आरोपी का नाम सुब्रमणि है जो परिवार का रिश्तेदार है। बताया जाता है कि यह झगड़ा सात-आठ साल पुराना है।

परिवार में हुई थी कहा-सुनी: जानकारी के मुताबिक उस वक्त शिकायतकर्ता की रिश्तेदार पार्वती ने अपनी बेटी महालक्ष्मी की शादी के लिए उससे पांच लाख रुपए लिए थे। वेंकटरमणी ने कई बार पैसे मांगे, लेकिन मिले नहीं। हाल ही में एक शादी समारोह के दौरान यह मामला एक बार फिर उठा। वेंकटरमणी ने एक बार फिर पैसे मांगे, लेकिन पार्वती इसे वापस नहीं कर पाई। इसके बाद दोनों परिवारों में खूब कहासुनी हुई। मामला एक-दूसरे को अपमानित करने और धमकियों तक पहुंच गया। पार्वती के घर के सुब्रमणि को वेंकटरमणी का यह व्यवहार पसंद नहीं आया।

हमले की योजना: इसके बाद सुब्रमणि ने इस हमले की योजना बनाई। सतीश डोम्लुर के पास काम पर गया था। तभी उसकी मां ने फोन किया। उसने बताया कि जब वह और सतीश का भाई मोहन दास अंदर थे, तभी कोई उनके घर के कैंपस में आया। उसने मेन डोर, जूते के स्टैंड और बेडरूम की खिड़की पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। संयोग से पड़ोसियों की नजर आग पर पड़ गई। उन लोगों ने आनन-फानन में आग को बुझाया और अंदर के लोगों को सावधान भी किया।

सीसीटीवी में आया नजर : घटना में कोई घायल तो नहीं हुआ, लेकिन घर के अगले हिस्से और खिड़कियों को नुकसान पहुंचा है। सीसीटीवी में नजर आ रहा है कि सुब्रमणि शाम करीब 5:21 बजे पेट्रोल की बोतल लेकर घर के कैंपस में घुसा। इसके बाद उसने जूते की रैक और घर के अगले हिस्से पर पेट्रोल छिड़का। इसके बाद माचिस की तीली से आग लगा दी। इस दौरान वह खुद भी आग की लपटों में फंस गया। घटना की शिकायत विवेकनगर पुलिस थाने में की गई है। एफआईआर दर्ज हो चुकी है और जांच जारी है।

मामला बढ़ भी सकता है.. मराठी भाषा विवाद के बीच आदित्य ठाकरे की चेतावनी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में मराठी भाषा पर बढ़ते विवाद के बीच शिवसेना उद्धव गुट के नेता आदित्य ठाकरे का नया बयान सामने आया है। उन्होंने महाराष्ट्र और मराठी भाषा का अपमान करने वाले या उसका अनादर करने वाले लोगों को कड़ी चेतावनी दी है। ठाकरे ने कहा कि मराठी भाषा या हमारे राज्य का किसी भी तरह का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हालांकि ठाकरे ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को पूरी तरह से खारिज किया, जिसमें कहा जा रहा था कि एक शिवसेना नेता के कार्यालय में मराठी न बोलने की वजह से दुकानदारों को पीटा गया। गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारी मातृभाषा मराठी का अपमान न हो और न ही कोई भाषा हम पर जबरन थोपी जाए.. हम नहीं चाहते कि कोई भी कानून को अपने हाथ में ले.. लेकिन जब हमारी मातृभाषा का अपमान होता है या महाराष्ट्र का अपमान होता है तो मामला बढ़ भी सकता है।

मीडिया में चल रही शिवसेना नेता से जुड़ी खबरों पर भी उन्होंने बात की। उन्होंने बताया कि शिवसेना नेता से इस बारे में बात की गई थी। इस पर नेता राजन विचारे ने इस बात की पुष्टि की कि इस घटना का सामुदायिक संघर्ष या भाषा संघर्ष का कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा, एक अधिकारी अपना फोन चार्ज करने के लिए दुकान में गया था.. वहां उसे ऐसा करने की अनुमति नहीं दी गई। इस वजह से विवाद हुआ और मारपीट तक मामला पहुंच गया।

भाजपा को मिल सकती है पहली महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में संगठनात्मक बदलाव की प्रक्रिया तेज हो गई है। पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन को लेकर चल रही खींचतान के बीच सूत्रों के हवाले से खबर है कि भाजपा पहली बार किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष बना सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि भाजपा ने हाल के वर्षों में महिला मतदाताओं को लुभाने में सफलता पाई है। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली जैसे राज्यों में यह सफलता मिली है। आपको बता दें कि जेपी नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2023 में समाप्त हो चुका था, लेकिन पार्टी ने उन्हें जून 2024 तक का विस्तार दिया था। अब नए अध्यक्ष की घोषणा अगले कुछ दिनों में हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक तीन प्रमुख महिला नेताओं के नाम चर्चा में हैं। वर्तमान वित्त मंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण पार्टी संगठन में गहरी पैठ और केंद्र सरकार में लंबे अनुभव के चलते सबसे मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं।

डी. पुरंदेश्वरी- आंध्र प्रदेश भाजपा की पूर्व अध्यक्ष डी पुरंदेश्वरी काफी अनुभवी और बहुभाषी नेता हैं। कई राजनीतिक दलों के साथ काम करने का अनुभव और पार्टी में व्यापक स्वीकार्यता है। उन्हें ऑपरेशन सिंदूर जैसे अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक अभियान का हिस्सा भी बनाया गया था।

वनाथी श्रीनिवासन तमिलनाडु की कोयंबटूर दक्षिण सीट से विधायक और भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुकी वनाथी श्रीनिवासन 1993 से भाजपा से जुड़ीं और संगठन में कई पदों पर रही हैं। 2022 में केंद्रीय चुनाव समिति की सदस्य बनीं और ऐसा करने वाली पहली तमिल महिला नेता।

संघ का समर्थन- सूत्र बताते हैं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इस विचार को समर्थन दिया है कि भाजपा को अब एक महिला को शीर्ष नेतृत्व में लाना चाहिए। यह कदम 33प्रतिशत महिला आरक्षण विधेयक की भावना के अनुरूप भी होगा, जिसका प्रभाव अगले परिसीमन के बाद लोकसभा में दिखेगा।

वे नाराज हो सकते हैं... ट्रंप का फोन उठाने के लिए बीच कार्यक्रम से उठकर गए पुतिन

मॉस्को, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच गुरुवार को एक अहम और लंबी टेलीफोनिक बातचीत हुई, जिसमें यूक्रेन युद्ध और ईरान समेत कई वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। लेकिन इस बातचीत से पहले कुछ ऐसा हुआ जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जब ट्रंप का फोन आया, तब पुतिन एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, लेकिन उन्होंने बातचीत को बीच में रोक दिया और ट्रंप से बात करने के लिए मंच से विदा ले ली।

पुतिन ने मजाकिया लहजे में कहा कि ट्रंप को इंतजार कराना ठीक नहीं है। क्या पता अमेरिकी राष्ट्रपति नाराज हो जाएं। पुतिन ने कार्यक्रम के बीच में कहा, कृपया नाराज मत होइए, हम और भी बात कर सकते थे। लेकिन उन्हें (ट्रंप को) इंतजार कराना थोड़ा अजीब लगता है, वे नाराज हो सकते हैं। इस टिप्पणी के बाद दर्शकों में हंसी की लहर दौड़ गई और तालियां बजीं। यह घटना मॉस्को में आयोजित स्ट्रॉन्ग आइडियाज फॉर न्यू टाइम फोरम के दौरान हुई, जहां पुतिन एक पैनल चर्चा में हिस्सा ले रहे थे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें पुतिन दर्शकों से माफी मांगते हुए और ट्रंप के कॉल के लिए जाने की बात कहते नजर आ रहे हैं।

बातचीत के बाद ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, हमारी बात हुई। यह काफी लंबी बातचीत थी। हमने बहुत सारे मुद्दों पर बात की, जिनमें ईरान और यूक्रेन युद्ध भी शामिल है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि बातचीत के बावजूद यूक्रेन संकट को लेकर कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी। ट्रंप ने कहा, मैं इससे खुश नहीं हूं... नहीं, आज पुतिन के साथ किसी तरह की बात पर कोई प्रगति नहीं हुई।

इस फोन कॉल की पुष्टि क्रेमलिन ने भी की और बताया कि दोनों नेताओं के बीच लगभग एक घंटे तक बातचीत चली। क्रेमलिन के वरिष्ठ अधिकारी यूरी उशाकोव ने कहा, हमारे राष्ट्रपति ने साफ कहा कि रूस अपने तय उद्देश्यों को हासिल करके रहेगा। यानी उन जड़ों को खत्म करना जो मौजूदा हालात की वजह बनीं। रूस अपने लक्ष्यों से पीछे नहीं हटेगा।

यह कॉल ऐसे समय पर हुई है जब अमेरिका ने यूक्रेन को भेजे जाने वाले हथियारों की सप्लाई पर अस्थायी विराम लगा रखा है और यूरोपीय देशों पर समर्थन बढ़ाने का दबाव बढ़ रहा है। इस बीच, ईरान पर अमेरिकी हवाई हमलों के बाद पुतिन ने पश्चिम एशिया में राजनयिक समाधान की अपील भी की।

आईएसएस पर अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने पूरा किया एक सप्ताह, छुट्टी के दिन परिवार से की बात

फ्लोरिडा, एजेंसी। निजी स्पेस कंपनी एक्सिओम के एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर (आईएसएस) गए भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने एक सप्ताह पूरा कर लिया है। इस दौरान उन्होंने यहां कई शोध किए हैं। बुधवार को छुट्टी के दिन शुभांशु ने पृथ्वी पर अपने परिजनों से बात की। इसके बाद शोध कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के लिए तैयारी की।

एक्सिओम स्पेस ने अपने आधिकारिक ब्लॉग में कहा एक्सिओम मिशन 4 (एक्स -4) चालक दल के कमांडर पैगी व्हिटसन, पायलट शुभांशु शुक्ला, मिशन विशेषज्ञ स्लावोज़ सुवे उज़्नानस्की-विस्नीवस्की और टिबोर कापू ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर एक पूरा सप्ताह बिता दिया है। 26 जून को डॉकिंग के बाद से बुधवार के अंत तक अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी के चारों ओर लगभग 113 परिक्रमाएं पूरी कर चुके हैं। बुधवार को चालक दल ने ऑफ-ड्यूटी दिन का आनंद लिया। इससे उन्हें रिचार्ज करने और पृथ्वी पर परिवार और दोस्तों से जुड़ने का मौका मिला। गुरुवार को चालक दल वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन के व्यस्त कार्यक्रम में वापस आ जाएंगे। यह सप्ताहांत तक जारी रहेगा।

कौन क्या प्रयोग कर रहा: कंपनी ने कहा कि केवल सात दिनों में अंतरिक्ष यात्रियों ने पहले ही वैज्ञानिक अनुसंधान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पैगी अंतरिक्ष में ट्यूमर कोशिकाओं के व्यवहार का अध्ययन करने के लिए माइक्रोग्रैविटी का उपयोग करके कैंसर अनुसंधान कर रही हैं, जो मेटास्टेटिक कैंसर के लिए नए चिकित्सीय लक्ष्य विकसित करने में मदद कर रहा है।

भारतीय मूल के व्यक्ति ने प्लेन में यात्री का गला दबाया, अमेरिका में गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के एक व्यक्ति को फिलाडेल्फिया से मियामी की फ्लाइट के दौरान अपने साथ बैठ एक पैसेंजर पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. वायरल हो रहे एक वीडियो में नेवार्क निवासी 21 वर्षीय ईशान शर्मा और कीनू इवांस 30 जून को फ्रंटियर एयरलाइंस की फ्लाइट के दौरान लड़ते दिख रहे हैं. वायरल क्लिप में दिख रहा है कि ईशान शर्मा और इवांस एक-दूसरे की गर्दन पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि साथी यात्री उन्हें रुकने के लिए कह रहे हैं. इवांस ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि हमला बिना किसी कारण किया गया और तब हुआ जब ईशान शर्मा कथित तौर पर उनके पास आया और अपनी सीट पर लौटते समय उसकी गर्दन पकड़ ली.

इवांस ईशान शर्मा से एक सीट आगे बैठे थे. उन्होंने बताया, वह (ईशान) कुछ डार्क हंसी हंस रहा था, जैसे हा हा हा हा हा. और वह ऐसी बातें कह रहा था, अरे तुच्छ, नश्वर आदमी, यदि तुम मुझे चुनौती देते हो, तो इसका परिणाम तुम्हारी मृत्यु होगी.इवांस ने दावा किया कि इसके बाद उन्होंने वॉशरूम जाने के लिए अपनी सीट छोड़ दी और फ्लाइट अटेंडेंट को ईशान शर्मा के बारे में बताया. फ्लाइट अटेंडेंट ने उनसे कहा कि अगर ऐसा आगे भी जारी रहा तो सहायता बटन दबा दें.

इवांस ने कहा कि जब शर्मा उन्हें जान से मारने की धमकी देते रहे तो उन्होंने बटन दबाया.: उन्होंने कहा कि इसके बाद स्थिति बिगड़ गई. आप जानते हैं, वह मुझे बहुत गुस्से से देख रहा था और हम एक-दूसरे की आंखों में आंखें डालकर देख रहे थे, माथे से माथे टच थे, और फिर उसने मेरा गला पकड़ लिया और मेरा गला घोंटना शुरू कर दिया. उस पल में, आप जानते हैं, लड़ाई हो जाती है. मैं एक फ्लाइट में एक तंग, सीमित जगह में हूं, और मैं बस अपना बचाव कर सकता हूं.

ईशान शर्मा को फ्लाइट उतरने पर हिरासत में ले लिया गया और उन पर मारपीट की धारा लगी है. मंगलवार को अदालत में पेशी के दौरान, ईशान शर्मा के वकील ने कथित तौर पर दावा किया कि यह घटना इसलिए शुरू हुई क्योंकि वह ध्यान कर रहे थे. एक न्यूज आउटलेट के अनुसार उनके वकील ने कहा, मेरा मुवक्किल उस धर्म से है जहां वह ध्यान कर रहा था. दुर्भाग्य से, उसके पीछे वाले यात्री को यह पसंद नहीं आया.

पीड़ित का दावा- बिना किसी उकसावे के हमला : पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, इवांस ने बताया कि यह हमला बिना किसी उकसावे की कार्रवाई के बावजूद हुआ। पीड़ित ने कहा कि शर्मा उनके पास अपनी सीट पर वापस लौटते हुए आए और अचानक उनका गला पकड़ लिया। वह एक अजीब हंसी हा हा हा हा कर रहा था... और कह रहा था, तुम छोटे और नश्वर इंसान, अगर तुम मुझे चुनौती दोगे तो तुम्हारी मौत होगी। इवांस ने कहा कि वह शर्मा के ठीक सामने बैठे थे। अन्य यात्रियों द्वारा फिल्माए गए वीडियो में दोनों के बीच विमान के अंदर हुई मारपीट देखी जा सकती है।

झगड़े की वजह क्या थी?: इवांस ने कहा कि शर्मा के उदासीन व्यवहार को देखकर वे पहले से ही चिंतित थे और उन्होंने टॉयलेट का इस्तेमाल करते समय फ्लाइट अटेंडेंट्स को सूचना दी थी। उन्हें सलाह दी गई थी कि स्थिति बिगड़ने पर सहायता बटन दबाएं। जब शर्मा की धमकियां जारी रहीं, तो इवांस ने उस सलाह के अनुसार सहायता बटन दबाया, जिससे स्थिति बढ़ गई। इवांस ने कहा, वह गुस्से में मुझसे सामना कर रहा था, माथा से टक्कर मार रहा था और अचानक उसने मेरा गला पकड़ लिया और मुझे घुटन देने लगा। उस समय मेरी सहज प्रतिक्रिया हुई, लड़ो या भागो और मेरे पास उस संकरे स्थान में खुद की रक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

आरोपी गिरफ्तार : सहयात्री पर हमला करने के आरोप में शर्मा को मियामी पहुंचने पर पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129